हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 23 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :187 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मुंबई क्राइम ब्रांच का एक्शन, एक और आरोपी सुमित वाघ

एजेंसी

मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने इससे पहले अक्टूबर में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की नृशंस हत्या के मामले में एक और व्यक्ति को पकड़ा था। जारी जानकारी के मुताबिक, हिरासत में लिए गए शख्स की पहचान अकोला जिले के रहने वाले सुमित वाघ के रूप में हुई है। उन पर आरोपियों तक पैसे पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हत्या की जांच के दौरान कथित संबंध सामने आने के बाद अधिकारियों ने सुमित वाघ को पकड़ लिया। 26 साल के वाघ को मुंबई क्राइम ब्रांच ने पकड़ लिया है और उसे मुंबई लाया जा रहा है। ध्यान रखना उचित है कि वाघ पर नरेशकुमार (एक अन्य गिरफ्तार आरोपी, गुरनेल सिंह के भाई) और एक अन्य सह-साजिशकर्ता, रूपेश मोहोल और हरीशकुमार को धन हस्तांतरित करने सहित अपराधों के तहत आरोप लगाया गया है, जिन्हें भी मामले में गिरफ्तार किया गया है इसके अलावा, यह भी आरोप लगाया गया है।

भारत की समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन,

वैश्विक नेताओं को पीएम मोदी ने दिए ये उपहार

नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की अपनी यात्रा में पीएम मोदी अपने साथ देश के कोने-कोने से अनोखे तोहफे लेकर आए. यात्रा के दौरान, पीएम अपने साथ महाराष्ट्र से 8, जम्मू-कश्मीर से 5, आंध्र प्रदेश और राजस्थान से 3-3, झारखंड से 2 और कर्नाटक,

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान इटली, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की। बैठकों के बाद पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं को संस्कृति से भरपूर उपहार दिए। पिछले कुछ वर्षों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेशी कूटनीति को सांस्कृतिक विविधता के जीवंत प्रदर्शन में बदल दिया है। प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के साथ, वह न केवल भारत के राजनयिक एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं, बल्कि इसकी परंपराओं, भाषाओं, कला और आध्यात्मिकता का प्रदर्शन करते हुए इसकी समृद्ध विरासत भी रखते हैं। संस्कृति और कूटनीति के इस अनूठे मिश्रण के माध्यम से, पीएम मोदी यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को न केवल स्वीकार किया जाए बल्कि दुनिया भर में मनाया जाए, जिससे हर विदेशी यात्रा भारत की विविधता में एकता के उत्सव में बदल जाए।नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की अपनी यात्रा में पीएम मोदी अपने साथ देश के कोने-कोने से अनोखे तोहफे लेकर आए. यात्रा के दौरान, पीएम अपने साथ महाराष्ट्र से 8, जम्मू-कश्मीर से 5, आंध्र प्रदेश और राजस्थान से 3-3, झारखंड से 2 और कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और लद्दाख से 1-1 उपहार लेकर आए।महाराष्ट्र के उपहारों में सिलोफर ??पंचामृत कलश (बर्तन) शामिल है - कोल्हापुर, महाराष्ट्र से पारंपरिक शिल्प कौशल का एक शानदार उदाहरण, जो नाइजीरिया के राष्ट्रपति को दिया गया; वारली पेंटिंग - मुख्य रूप से महाराष्ट्र के दहानू, तलसारी और पालघर क्षेत्रों में स्थित वार्ली जनजाति से उत्पन्न एक आदिवासी कला रूप, ब्राजील के राष्ट्रपति को दिया गया और कैरिकॉम देशों के नेताओं को दिए गए अनुकूलित उपहार बाधा में उपहारों में से एक के रूप में भी दिया गया; पुणे से शीर्ष पर सिल्वर कैमल हेड के साथ प्राकृतिक रफ नीलम, ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री को दिया गया; पारंपरिक डिजाइन वाला हाथ से नक्काशीदार चांदी का शतरंज सेट, पुर्तगाल के प्रधान मंत्री को दिया गया; उत्तम चांदी का मोमबत्ती स्टैंड, इटली के प्रधान मंत्री को दिया गया और हाथ से उकेरा गया चांदी का फल का कटोरा, जिसमें मोर और पेड़ के जटिल चित्रण हैं, कैरिकॉम के महासचिव को दिया गया।नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की अपनी यात्रा में पीएम मोदी अपने साथ देश के कोने-कोने से अनोखे तोहफे लेकर आए. यात्रा के दौरान, पीएम अपने साथ महाराष्ट्र से 8, जम्मू-कश्मीर से 5, आंध्र प्रदेश और राजस्थान से 3-3, झारखंड से 2 और कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और लद्दाख से 1-1 उपहार लेकर आए।

सुरक्षा चूक मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने कौन सी याचिका कर दी खारिज? क्या है पूरा मामला

एजेंसी

नई दिल्ली:सुप्रीम कोर्ट ने उन गवाहों के बयानों तक पहुंच के पंजाब सरकार के अनुरोध को खारिज कर दिया, जिन्होंने 5 जनवरी, 2022 को राज्य में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए गठित आयोग के समक्ष गवाही दी थी। हमें पंजाब सरकार द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करने का कोई आधार नहीं दिखता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा, राज्य जांच समिति के समक्ष गवाहों द्वारा दिए गए बयानों की सहायता के बिना दोषी अधिकारियों के खिलाफ अपनी जांच कर सकता है।पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने बयानों की प्रति मांगते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और कहा कि वह लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ जांच करना चाहती है। 12 जनवरी, 2022 को, रउने अपने पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा ??को उस सुरक्षा उल्लंघन की जांच के लिए एक जांच समिति का प्रमुख नियुक्त किया, जिसके कारण पीएम मोदी का काफिला 20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसा रहा। समिति ने अपनी रिपोर्ट में फिरोजपुर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरमनदीप सिंह हंस को दोषी ठहराते हुए कहा।

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने बयानों की प्रति मांगते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और कहा कि वह लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ जांच करना चाहती है।

लोकायुक्त संशोधन विधेयक विधान परिषद में पेश, नारा लोकेश ने गठबंधन सरकार की प्रतिबद्धता पर दिया जोर

एजेंसी

नईदिल्ली:शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने विधान परिषद में आंध्र प्रदेश लोकायुक्त संशोधन विधेयक पेश किया, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए गठबंधन सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। विधेयक 2024 के चुनावों के बाद विधान सभा में विपक्ष के नेता की अनुपस्थिति को संबोधित करता है। संशोधन में लोकायुक्त सदस्य चयन समिति में बदलाव का प्रस्ताव है, जिसमें पहले मुख्यमंत्री, अध्यक्ष, गृह मंत्री (या कोई मंत्री), विपक्ष के नेता और परिषद के अध्यक्ष शामिल थे। विपक्ष के नेता की अनुपस्थिति में समिति अब शेष चार सदस्यों के साथ काम करेगी। लोकेश ने स्पष्ट किया कि संशोधन निरंतरता सुनिश्चित करता है और विपक्षी नेताओं की भूमिका को समाप्त नहीं करता है।समिति में एक विपक्षी दल के सदस्य को शामिल करने के परिषद सदस्य केएस लक्ष्मण राव के सुझाव को संबोधित करते हुए, लोकेश ने दोहराया कि संशोधन सख्ती से उन स्थितियों से संबंधित है जहां विपक्ष का कोई आधिकारिक नेता नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लोकायुक्त के कामकाज में निरंतरता की आवश्यकता है, जिसमें लोकायुक्त अध्यक्ष, आमतौर पर एक सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और उप लोकायुक्त, आमतौर पर एक सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं। हाल के लोक लेखा समिति (पीएसी) चुनावों पर विचार करते हुए, लोकेश ने नामांकन दाखिल करने के बाद मतदान से दूर रहने के लिए वाईएसआरसीपी की आलोचना की।

जेडीयू की तरफ बढ़ रहे खान सर के कदम? नीतीश के बाद मनीष वर्मा से मिले, अटकलें फिर शुरू

एजेंसी

पटना:बिहार के चर्चित कोचिंग शिक्षक खान सर ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी राजनीतिक पारी की चर्चाओं को फिर हवा दे दी है। पिछले महीने ही जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीएम आवास पर मिले खान सर ने गुरुवार को जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा से देर शाम मुलाकात की। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अफसर रहे मनीष वर्मा को कुछ लोग नीतीश के उत्तराधिकारी के तौर पर भी देखते हैं। मनीष इस समय संगठन को मजबूत करने के लिए पूरे बिहार का दौरा कर रहे हैं।मनीष वर्मा ने मुलाकात की फोटो गुरुवार की देर रात ट्वीट करते हुए लिखा- ह्लआज पटना आवास पर बिहार और देश के जाने-माने शिक्षक खान सर का आना हुआ। उनके साथ बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सहित बिहार के विकास को लेकर सार्थक चर्चा हुई निश्चित रूप से बिहार सहित पूरे देश के छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को सुलभ बनाने में आपकी भूमिका सराहनीय है।ह्व

पीएम मोदी को संजय सिंह ने बताया अडानी का प्रधानमंत्री, बोले- भैंस या मंगलसूत्र की चोरी जैसी...

एजेंसी

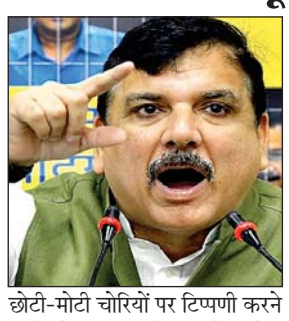

नई दिल्ली:आप सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गौतम अडानी का पक्ष लेने का आरोप लगाया और कहा कि शेयर बाजार में बड़े नुकसान के लिए वह जिम्मेदार हैं। सिंह ने कहा कि आज पूरा देश उथल-पुथल में है। प्रधानमंत्री मोदी के मित्र अडानी द्वारा की गई धोखाधड़ी के कारण लोगों की लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति शेयर बाजार में नष्ट हो गई है। उन्होंने हिंडनबर्ग रिपोर्ट घटना को याद करते हुए कहा कि तब भी ऐसी ही दुर्घटना हुई थी, लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। संजय सिंह ने कहा कि भैंस या मंगलसूत्र की चोरी जैसी छोटी-मोटी चोरियों पर टिप्पणी करने वाले मोदी जनता के लाखों करोड़ रुपये गायब होने पर चुप रहते हैं। सिंह ने पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय यात्राओं पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि इससे देश के बजाय अडानी को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि जब प्रधान मंत्री विदेश यात्रा करते हैं, तो लोगों का मानना ???है कि वह विश्व स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। लेकिन असल में वो अपने दोस्त अडानी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि अडानी ने अमेरिकी जांच के बारे में भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों को गुमराह किया और नियामक निष्क्रियता पर सवाल उठाया। सिंह ने मोदी को अडानी का प्रधानमंत्री करार देते हुए कहा कि सेबी चुप क्यों है? मोदी अडानी को क्यों बचा रहे हैं? मोदी ने अडानी हवाई अड्डे के ठेके देने के लिए नियम भी बदल दिए।

ब्रांड आंध्र की छवि हुई धूमिल, अडानी मामले में चंद्रबाबू नायडू का बयान, कही यह बात

एजेंसी

नई दिल्ली:अमेरिका में गौतम अडानी को दोषी ठहराए जाने के बाद राज्य पर लगे आरोपों पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार के पास अभियोग रिपोर्टें हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी। नायडू ने कहा कि जब से उनकी तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में आई है, वह 2019 से 2024 तक वाईएसआरसीपी शासन के दौरान कथित भ्रष्टाचार पर चर्चा कर रही है। नायडू ने विधानसभा में कहा कि मेरे पास अमेरिका में दायर अभियोग की सभी रिपोर्टें हैं। हम उनका अध्ययन करेंगे और उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे। हम बताएंगे कि हम क्या कार्रवाई करेंगे।पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले कुछ एनडीए सदस्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नायडू ने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ आरोपों ने आंध्र प्रदेश की ब्रांड छवि को नुकसान पहुंचाया है। यह दुख की बात है। हमारी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

चुनावी नजीतों से पहले हाई अलर्ट में कांग्रेस, झारखंड और महाराष्ट्र के नियुक्ति किये ऑब्जर्वर

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव के बाद के घटनाक्रम की निगरानी के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दिग्गज नेताओं अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और डॉ. जी परमेश्वर को महाराष्ट्र में उभरती राजनीतिक स्थिति पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। यह तिकड़ी राज्य में सरकार के गठन और गठबंधन की रणनीतियों पर केंद्रीय नेतृत्व को रणनीतिक मार्गदर्शन और रिपोर्ट प्रदान करेगी।वहीं, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एम भट्टी विक्रमार्क और कांग्रेस के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव कृष्णा अल्लावुरु झारखंड की देखभाल करेंगे। नेता मुंबई और रांची में होंगे और करीबी नतीजे या त्रिशंकु विधानसभा होने की स्थिति में उभरती राजनीतिक स्थितियों से निपटने के लिए रणनीति बनाने में राज्य नेतृत्व की मदद करेंगे। पर्यवेक्षक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की आंख और कान के रूप में भी कार्य करेंगे। महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया है।

मणिपुर हिंसा पर सरकार का बड़ा एक्शन, तैनात होंगे 10,000 अतिरिक्त सैनिक

शांति बहाल की कोशिश जारी

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्र जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में 10,000 से अधिक सैनिकों को भेजेगा, जिससे पड़ोसी राज्य म्यांमार में केंद्रीय बलों की कुल कंपनियों की संख्या 288 हो जाएगी। मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने राज्य की राजधानी इम्फाल में संवाददाताओं से कहा, 90 कंपनियों या केंद्रीय बलों के लगभग 10,800 कर्मियों के साथ, मणिपुर में तैनात कंपनियों की कुल संख्या 288 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हमें बलों की 90 कंपनियां मिल रही हैं।' इसका एक बड़ा हिस्सा पहले ही इंफाल पहुंच चुका है। हम नागरिकों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने और संवेदनशील क्षेत्रों और बिंदुओं की निगरानी के लिए बलों का वितरण कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि मई 2023 में मैतेई समुदाय और कुकी जनजातियों के बीच झड़प शुरू होने के बाद से सुरक्षा बलों ने अब तक पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए लगभग 3,000 हथियार बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना, असम राइफल्स, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल सहित सभी बल मिलकर काम कर रहे हैं।वहीं, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 16 नवंबर को विरोध प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है।

एनडीए और इंडिया महाराष्ट्र और झारखंड में किसकी सरकार,

शनिवार को आएंगे नतीजे, यूपी पर भी नजर

एजेंसी

महाराष्ट्र:महाराष्ट्र और झारखंड के लिए कल का दिन बेहद अहम होने वाला है। दोनों की राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे। इसके अलावा वायनाड सहित अलग-अलग राज्यों में हुए उपचुनाव के भी नतीजे सामने आएंगे। हालांकि, सभी की निगाहें बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडिया ब्लॉक के बीच लड़ाई पर टिकी हैं। जहां एनडीए महाराष्ट्र को बरकरार रखने और झारखंड में सत्ता हासिल करने की कोशिश करेगा, वहीं इंडिया गुट का लक्ष्य महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को हराकर उलटफेर करना होगा, जबकि झारखंड में हेमंत सोरेन की जीत सुनिश्चित करना होगा।महाराष्ट्र में पिछले तीन दशकों में सबसे अधिक मतदान हुआ था, जिसे सत्तारूढ़ दल और विपक्षी महा विकास अघाड़ी दोनों ने अपनी जीत के रूप में देखा था। ज्यादातर एग्जिट पोल के मुताबिक करीबी मुकाबले के बावजूद महायुति गठबंधन आगे चल रहा है। वहीं, झारखंड में, जहां झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन एनडीए गुट से जूझ रहा है, मतदान 68.45 प्रतिशत था। हालाँकि, एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा हेमंत सोरेन को बाहर करने के साथ सत्ता में बदलाव की भविष्यवाणी की गई है।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती शनिवार सुबह आठ बजे से शुरू होगी। 20 नवंबर को हुए मतदान में अंतिम मतदान 66.05 प्रतिशत रहा जबकि 2019 में यह आंकड़ा 61.1 प्रतिशत था। शनिवार को मतों की गिनती के लिए कुल 288 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव के लिए भी एक केंद्र शामिल है। राज्य में 2019 के विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार उम्मीदवारों की संख्या में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल 4,136 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जबकि 2019 के चुनावों में 3,239 उम्मीदवार मैदान में थे। इन उम्मीदवारों में 2,086 निर्दलीय हैं। 150 से ज्यादा सीटों पर बागी उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें महायुति और एमवीए के उम्मीदवार अपनी पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे।

अदानी की गिरफ्तारी कर, जेपीसी का हो गठन: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

अदानी और मोदी की जुगलबंदी ने गिराई देश की साख

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अमेरिकी जांच एजेंसी ने अदानी के साम्राज्य का चिट्ठा खोला, कब तक बचाएंगे मोदी? : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- अमेरिकी जांच एजेंसी ने खोली अदानी और मोदी की जुगलबंदी: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह
- रिश्वत देकर ठेके लेने के आरोपों में अदानी पर हो जांच, गिरफ्तार करें केंद्र सरकार : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. शनिवार, 22 नवम्बर 2024सेबी की अमेरिकी समकक्ष एजेंसी प्रतिभूति विनिमय आयोग के द्वारा अदानी ग्रुप पर आरोप लगाए जाने से ये स्पष्ट होता है कि 2020-2024 तक कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार लगाएं जा रहे अदानी ग्रुप पर आरोपों में सच्चाई है और उसके द्वारा सौर बिजली अनुबंधों को प्राप्त करने में 2000 करोड़ रुपए की रिश्वतखोरी की जांच को लेकर अमेरिकी जांच ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गलत तरीके से ठेके लेने की कोशिश विभिन्न भारतीय राज्यों में की गई और सस्ते दर की बिजली को महंगे दर पर बेचने की कोशिश कर उपभोक्ताओं को लूटने का भी प्रयास किया गया। ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि अडानी अमेरिका गए और वहां के शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनी अज्यूर पावर के साथ साठ-गांठ किया जिसमें प्लान बना कि भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट बनाए जायेंगे और उसके नाम पर अमेरिका के लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाये गए व उनसे 25,000 करोड़ रुपए उठाये गए। लेकिन भारत में सोलर एनर्जी के ठेके पाने में दिक्कत आने लगी क्योंकि बिजली की दर महंगी थी और कोई भी सरकार लेने के लिए तैयार नहीं थी जो पैसे अमेरिका के लोगों से बटोरे गए थे उसी में से लगभग 2200 करोड़ रुपए की घूस भारत में विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। जब इस मामले में अमेरिका में सुनवाई हुई और वहां की ऋक और मार्केट रेगुलेटर रएउ ने जांच की तो भारत में घूस का और अमेरिकी इन्वेस्टर्स से उगाही गई रकम के धोखाधड़ी का मामला सामने आया। जिसपर अब अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ग्रैंड ज्यूरी ने अडानी के खिलाफ आरोप लगाते हुए वारंट जारी किया है, यह जांच पिछले 2 साल से चल रही है और इस जाँच में यह भी सिद्ध हुआ है कि अडानी ने भारत के मार्केट रेग्युलेटर रएइकसे भी झूठ बोला था।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान में झूठ और घूस देने के मामले की जांच अमेरिका में चल रही है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साएं में गौतम अडानी भारत में बिल्कुल सेफ हैं और भाजपा नेता अडानी के प्रवक्ता बनकर ओवरटाइम सेवा दे रहे हैं। बार बार इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के द्वारा एक हैं तो सेफ हैं का नारा इसी कारण दिया जा रहा है जिसका पोल पट्टी हमारे नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्तर पर अदानी और मोदी के संबंधों को लेकर लगातार उठाते रहें हैं। हम लगातार विभिन्न मंचों से अदानी के बढ़ते नेट वर्थ पर हमलावर रहें और उसके भ्रष्टाचार को उजागर करते रहें हैं लेकिन भाजपा सरकार ने लगातार पर्दा डालने का काम किया है। इस प्रकार की गतिविधियों ने देश में अराजक माहौल बनाया है और विपक्ष के नेताओं को लगातार इन्हीं गलत तरीकों से कमाएं पैसों के दम पर तोड़ने का काम किया जा रहा है। ये गैर भाजपा शासित प्रदेशों के अधिकारियों को रिश्वत देकर उस राज्य में अगर बिजली के ठेके लेने का प्रयास किया गया है तो भाजपा शासित राज्यों की भी जांच होनी चाहिए। तत्कालीन केंद्र शासित राज्य जम्मू कश्मीर में भी ये कृत्य किया गया है तो यह स्पष्ट करता है कि इस देश में अदानी को मदद केंद्र की सरकार दे रही है। इस कुकृत्य से मध्यम वर्ग के साथ साथ सभी लघु उद्योगों से जुड़े व्यवसायियों सहित आम भारतीय व्यापारियों को बर्बाद कर दिया है। केंद्र सरकार के द्वारा देश के अंदर गौतम अदानी सहित अदानी ग्रुप के लोगों की गिरफ्तारी नहीं की जा रही है क्योंकि उनको सरकारी संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस पार्टी संयुक्त संसदीय जांच समिति के माध्यम से इस मामले की जांच की मांग करती है।

मबिहार में कनेक्टिविटी की क्रांति द्वारा एनडीए सरकार में बिहार भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को बल दे रहा है :- अरविन्द सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 22 नवम्बर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि बिहार में कनेक्टिविटी की क्रांति द्वारा एनडीए सरकार में बिहार भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को बल दे रहा है। एनडीए सरकार में बिहार कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व स्तर पर विस्तार द्वारा एक दूसरे से आसानी से जुड़ रहा है। बेहतर सड़क नेटवर्क से बिहार के विकास की रफ्तार बढ़ाते हुए एनडीए सरकार में 3,700 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ है।वहीं शिलान्यास हुई परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग 20 के बख्तियारपुर-राजौली खंड और राजौली से हल्दिया के मार्ग चौड़ीकरण से झारखंड और बिहार के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और नवादा जिले को लाभ होगा।जहानाबाद शहर में मुथेर से गोल बगीचा मार्ग चौड़ीकरण परियोजना से जहानाबाद शहर के भीतर यातायात सुगम होगी। श्री अरविन्द ने कहा है कि चाकंद से गया शहर और दोमुंहान के सड़क चौड़ीकरण से पटना और बोधगया के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। नवादा शहर में राज्य मार्ग 8 पर आरओबी, नालंदा में मेजर ब्रिज और पूलियां के निर्माण से आवाजाही आसान होगी। जबकि एनडीए सरकार बिहार को विकासशील एवं प्रगतिशील राज्य बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। विभिन्न परियोजनाओं से बिहार को काफी लाभ होगा बेहतर सड़क नेटवर्क के जरिए आर्थिक और सामाजिक विकास गति में तेजी आएगी। मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकुशल नेतृत्व में बिहार के विकास के लिए कृतसंकल्पित है एनडीए सरकार।

महावीरी बालिका विद्यालय की शिवानी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लाया द्वितीय स्थान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान: विद्या भारती द्वारा उड़ीसा के अंगुल में आयोजित अखिल भारतीय वैदिक गणित प्रश्नमंच प्रतियोगिता 2024 में बिहार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, माधव नगर, सिवान की बहन शिवानी कुमारी ने किशोर वर्ग गणित पत्र वाचन में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय , उत्तर बिहार प्रांत व उत्तर पूर्व क्षेत्र क्षेत्र को गौरवान्वित किया हैं।बिहार क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाली महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, माधव नगर, सिवान की बहन शिवानी कुमारी और उसकी संरक्षक आचार्य दीदी रमिता शर्मा ,विषयाचार्य अरविंद कुमार व मार्गदर्शक आचार्य निखिलेश कुमार मिश्रा जी को क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम जी, लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, विद्या भारती बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार संयोजक नवीन सिंह परमार,वैदिक गणित विभाग के क्षेत्र संयोजक रामचन्द्र आर्य, सह क्षेत्र संयोजक अनील कुमार , सिवान विभाग निरीक्षक राजेश कुमार रंजन, महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, सिवान के अध्यक्ष सुनील दत्त शुक्ल, सचिव डॉ ममता सिंह व प्रधानाचार्य सिम्मी कुमारी ने बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

पुल निर्माण योजना में चल रहे कार्यों की प्रगति हेतु सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत दरियापुर एवं सोनपुर अंचल का स्थलीय निरीक्षण किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जिलाधिकारी श्री अमन समीर द्वारा आज दिनांक 22.11.24 को भारतमाला परियोजना तथा जे पी सेतु के समानांतर पुल निर्माण योजना में चल रहे कार्यों की प्रगति हेतु सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत दरियापुर एवं सोनपुर अंचल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। भ्रमण के क्रम में संबंधित रैयतों से वार्ता कर संबंधित पदाधिकारियों को सोनपुर एवं दरियापुर में कैंप आयोजित कर अभियान के तहत एक सप्ताह के अंदर भू अर्जन से संबंधित सभी लंबित मामलों को निष्पादित करने का निदेश दिया गया। रैयतों का लंबित मुआवजा भुगतान कराते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का निदेश दिया गया।

पहल: मढ़ौरा एसडीओ ने नये धारकों को दिया राशनकार्ड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के राशन कार्ड से वंचितों के लिए अच्छी खबर है। मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर में मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के राशनकार्ड धारकों को नया राशनकार्ड बनाकर वितरण किया। मौके पर बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह राशनकार्ड वितरण शिविर में पहुंचे सभी लाभुकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार की हर योजना पर सबसे पहले लाभुकों का हक हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा सरकार की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। योजना का लाभ लाभुकों को मिले इसलिए शिविर लगाकर 1280 राशनकार्ड लाभुकों के बीच वितरण किया गया।

सहरसा स्टेशन पर एनडीआरएफ के साथ संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। सहरसा स्टेशन पर शुक्रवार को एक संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की 9 वीं बटालियन के साथ रेलवे कर्मचारी और स्काउट एंड गाइड कैडेट्स ने भाग लिया। इस ड्रिल का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों की चौकसी और कुशलता की जांच करना था, जो किसी भी दुर्घटना की स्थिति में आवश्यक होती है। इस दौरान एनडीआरएफ ने एक मॉक ड्रिल किया, जिसमें दिखाया गया कि किसी दुर्घटना के बाद यात्रियों को कैसे बचाया जा सकता है। इस ड्रिल में रेलवे कर्मचारियों और स्काउट एंड गाइड कैडेट्स ने भी भाग लिया और एनडीआरएफ के साथ मिलकर काम किया।इस ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन और यात्री सुरक्षा के बारे में प्रशिक्षित करना था। इस ड्रिल के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों को यह समझने में मदद मिली कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में कैसे काम करना है।

दो दिवसीय महिला वॉलीबॉल का हुआ समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को मथुरापुर स्थित मौलाना मजहरूल हक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्रांगण में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज महिला वॉलीबॉल का दो दिवसीय टूनार्मेंट का समापन हुआ। टूनार्मेंट के विजय टीम तथा दूसरा स्थान रखने वाली टीम को सम्मानित किया गया। टूनार्मेंट के फाइनल मैच में एसएसबी कॉलेज बेगुसराय ने एमएमएचटीटी कॉलेज समस्तीपुर को 3 - 0 से हराकर खिताब जीता। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीआरबी कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीके चौधरी, मौलाना मजहरूल हक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के चेयरमैन अबू तमीम, सचिव अबू सईद एवं प्राचार्य डॉ अंजुम वारिस ने हिस्सा लिया।

छपरा रेल पुलिस ने नशीली दवा साथ नशा खुरानी गिरोह का किया भंडाफोड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा जंक्शन एवं आसपास के स्टेशनों पर नशा खुरानी गिरोह काफी सक्रिय हो गया था और आए दिन नशा खिलाकर यात्रियों का सामान लूटा जा रहा था. इसी क्रम में शुक्रवार को छपरा कचहरी रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस के द्वारा नशाखुदानी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है. गिरफ्तार नशा खुरानी गिरोह के सदस्यों में मोतिहारी जिले के दरपा थाना क्षेत्र के पिपरा वार्ड 10 निवासी ध्रुव प्रसाद का पुत्र सोनू कुमार तथा दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर मोहल्ला निवासी बालेश्वर ठाकुर का पुत्र विनय शंकर ठाकुर बताये गये है.इस संदर्भ में छपरा कचहरी जीआरपी प्रभारी विकास कुमार सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से यह गैंग पूरी तरह से कचहरी व आसपास के स्टेशनों पर सक्रिय था। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि छपरा कचहरी थावे पैसेंजर ट्रेन में एक बार फिर शिकार की तलाश में गिरोह के सदस्य सक्रिय है। जिसके बाद जीआरपी प्रभारी समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने उक्त ट्रेन में छापेमारी कर गिरफ्तारी की और मामले में जांच पड़ताल कर रही है। इन दोनों ने स्वीकार किया कि इन लोगों ने काफी लोगों को नशीला पदार्थ खिलाकर लूट की घटना को अंजाम दिया है।

आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय मैरवा की रग्बी फुटबॉल टीम राज्य स्तरीय अंतर जिला स्कूली प्रतियोगिता में भाग लेने अरवल रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं बिहार सरकार के खेल विभाग द्वारा अरवल जिला के गांधी मैदान में 23 नवंबर से 26 नवंबर 2024 तक आयोजित राज्य स्तरीय अंतर जिला अंडर 14 विद्यालय रग्बी फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय मैरवा के बालकों की टीम सिवान खेल भवन से बृजेश कुमार प्रतियोगिता में विजेता बनी थी जिसके फलस्वरुप विद्यालय के सुजीत कुमार, प्रवीण कुमार, अमृत कुमार गुप्ता, अनूप कुमार, रवि कुमार, अभिषेक कुमार, मुन्ना कुमार अजय कुमार, प्रियांशु कुमार एवं विनीत कुमार शामिल है इस टीम के प्रशिक्षक आयुष्मान राज शांडिल्य हैं ।सभी खिलाड़ी अपने टीम प्रबंधक बृजेश कुमार के नेतृत्व में रवाना हो चुके हैं। विदित हो कि उपर्युक्त सभी चयनित खिलाड़ी रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान में रग्बी फुटबॉल का अभ्यास विद्यालय के शिक्षक एवं रग्बी प्रशिक्षक संजय पाठक की देख -रेख में करते हैं । इन खिलाड़ियों के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जाने पर रग्बी फुटबॉल संघ सिवान के महासचिव संतोष कुमार सिंह ,शिक्षक घनश्याम तिवारी ,समी अख्तर अंसारी, शिक्षिका पूनम त्रिपाठी, फिरदौस फातिमा, विमला पांडे, गायत्री पांडे ,नेहा कुमारी सहित कई अन्य लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। शारीरिक शिक्षक के नेतृत्व में 22 नवंबर 2024 को रवाना हो गई ।इस बात की जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक रफीक अंसारी ने बताया कि हमारे विद्यालय के छात्रों ने जिला स्तरीय विद्यालय खेल

25 हजार का इनामी अपराध कर्मी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर में राज्य एसटीएफ टीम ने उजियारपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर देशुआ स्टेशन के पास 25 हजार का इनामी अमरेश राय उर्फ भुगल यादव को गिरफ्तार किया है। भुगल यादव पर समस्तीपुर जिले के उजियारपुर उफ्फसिल थाना क्षेत्र में रंगदारी और आर्म्स एक्ट से जुड़ा कई मामला दर्ज है। राज्य एसटीएफ टीम ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। एएसपी संजय पांडे ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि भुगल यादव अपने साथियों के साथ भगवानपुर देशुआ स्टेशन के पास स्थित एक रैक प्वाइंट के निकट है। सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने छापेमारी की। जहां से अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। अमरेश की गिरफ्तारी के बाद राज्य एसटीएफ की टीम ने जिला पुलिस टीम के हवाले कर दिया है। मुफस्सिल थाने में दर्ज विभिन्न मामलों में इसकी तलाश की जा रही थी। वहीं मेडिकल कराने के बाद अब इसे जेल भेजा जा रहा है। बतादें कि अपराधी मोहनपुर पंचायत की पूर्व मुखिया खुशबू कुमारी का भाई बताया गया है।

मशरक में अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने साइकिल सवार घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के महाराणा प्रताप चौंक के पास ट्रक की चपेट में आने से साइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय टाइल्स व्यापारी संजय सिंह ने इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल मशरक के गंगौली गांव निवासी रामदयाल सिंह का 28 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार सिंह हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार किया। घायल ने बताया कि साइकिल पर सवार होकर घर जा रहा था वहीं ट्रक छपरा से मशरक आ रहा था कि उसकी तेज रफ्तार की वजह से ट्रक की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित।।
- लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना करें सुनिश्चित–जिलाधिकारी
- शतप्रतिशत लाभुकों का आधार सीडिंग का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश.
- अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर अनुश्रवण, सतर्कता एवं निगरानी समिति की नियमित रूप से बैठक करने के दिए निर्देश

मधुबनी, 22 नवम्बर 2024 जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. जिलाधिकारी ने एजेंडावार सभी विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर उपस्थित अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए. डीएम ने बैठक में उपस्थित जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी एमओ की उनके ओवरऑल प्रदर्शन के आधार पर मासिक रैंकिंग करे। उन्होंने कहा कि अच्छे प्रदर्शन वालो को प्रोत्साहित किया जाएगा वही लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले के विरुद्ध करवाई की जाएगी। *उन्होंने उपस्थित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खाद्यान्न वितरण प्रक्रिया का गंभीरतापूर्वक पूरी पारदर्शिता के साथ पर्यवेक्षण करते हुए खाद्यान्न वितरण की गति में तेजी लाएं. उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. उन्होंने राशन दुकानों का नियमित रूप निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण की सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, निरीक्षण के सकरात्मक परिणाम भी नजर आने चाहिए. उन्होंने कहा सभी पदाधिकारी हर हाल में निर्धारित की गई संख्या में राशन दुकानों का निरीक्षण करेंगे. समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विस्फी प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा सबसे कम निरीक्षण रहा, वहीं फुलपरास द्वारा निरीक्षण का प्रतिशत सबसे अच्छा पाया गया।. जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वह भी अपने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध ससमय राशन दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएंगे. उन्होंने निर्देश दिया कि साप्ताहिक जांच के क्रम में पंचायतों में पहुंचकर जन वितरण दुकानों द्वारा राशन वितरण का ग्रामीणों से फीडबैक भी लें. जिलाधिकारी ने बताया कि बुधवारी जांच के दौरान यह पाया गया कि महादलित टोलों में अभी भी कुछ लोगों का राशनकार्ड नहीं बन पाया है, उन्होंने निर्देश दिया कि महादलित टोलों में कैम्प अयोजित कर शत प्रतिशत पात्र लाभुकों का राशन कार्ड बनाना सुनिश्चित करे।जिलाधिकारी ने अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर अनुश्रवण, सतर्कता एवं निगरानी समिति की नियमित रूप से बैठक करने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने माह अगस्त 2024 का खाद्यान्न उठाव एवं वितरण, ऑफलाइन राशन कार्ड, राशन कार्ड टाइमलाइन प्रतिवेदन (आरटीपीएस), ऑनलाइन राशन कार्ड, आधार सीडिंग से संबंधित प्रतिवेदन, प्रवासी मजदूर से संबंधित प्रतिवेदन, किए गए निरीक्षण कार्य से संबंधित प्रतिवेदन, आपूर्ति कार्यालय से संबंधित न्यायालयवाद, विभिन्न जनता दरबार से संबंधित प्रतिवेदन, सीपीग्राम/ मानवाधिकार/ लोक सूचना/ लोक शिकायत/ लोकायुक्त से संबंधित प्रतिवेदन एवं सेवांत लाभ से संबंधित विषयो पर समीक्षा कर कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए.उक्त बैठक मे जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी सदर अश्वनी कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर वीरेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बेनीपट्टी श्रीमती मनीषा, अनुमंडल पदाधिकारी झंझारपुर कुमार गौरव, अनुमंडल पदाधिकारी फुलपरास अभिषेक कुमार, एसडीसी शशि कुमार, सुजीत वर्णवाल,जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम पंकज कुमार श्रीवास्तव सहित जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

विद्युत टीआरडी विभाग ने सिग्नल विभाग को हराकर सेमिफाइनल में प्रवेश किया!

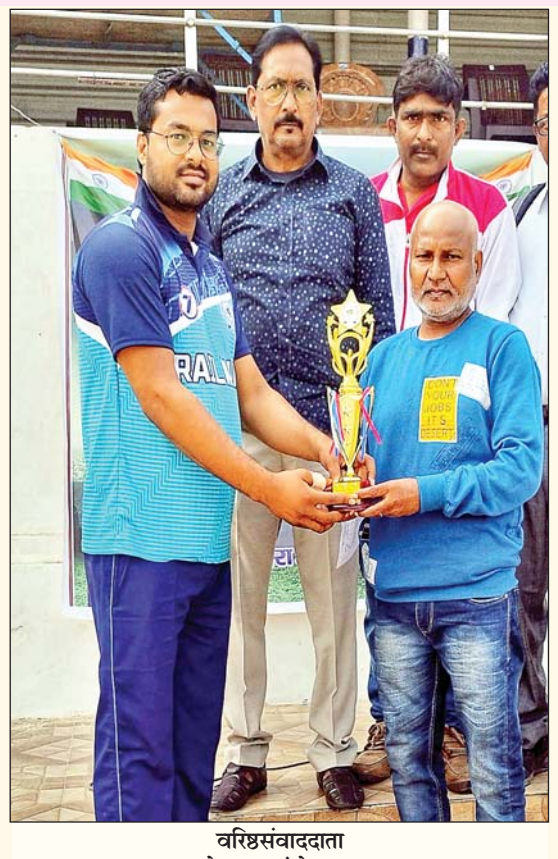

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

वाराणसी 22 नवम्बर,2024;मंडल रेल प्रबंधक श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन एवं मंडल क्रीड़ा अधिकारी श्री बलेन्द्र पाल के नेतृत्व में वाराणसी मंडल पर चल रही दसवीं अंतर विभागीय ळ-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज 22 नवम्बर,2024 को वाराणसी मंडल के मिनी स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय ळ-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का सातवां मैच आज विद्युत टीआरडी तथा सिगनल विभाग के बीच खेला गया ।टीआरडी की टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 19.1 ओवर में 155 रन बनाकर ऑल आउट हो गई ।टीआरडी की तरफ से अमन वर्मा ने 47 बाल पर 10 चौकों एवं चार छक्कों की मदद से 75 रन बनाए एवं राजकुमार, आनंद और मिथुन ने 10-10 रनों का योगदान किया ।सिग्नल विभाग की तरफ से अनुराग मिश्रा ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट, लवकुश ने तीन ओवर में 31 रन देकर दो विकेट , सागर ने चार ओवर में 28 रन देखकर दो विकेट लिए तथा संदीप को एक विकेट प्राप्त हुआ ।156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिग्नल विभाग की पूरी टीम 14.3 ओवर में 82 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।विद्युत टीआरडी ने 73 रन से मैच जीत कर पूरे दो अंक प्राप्त कर अपने पूल से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया ।सिग्नल विभाग की तरफ से अनुराग मिश्रा ने 31 बॉल पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 43 रन बनाएं ।विद्युत टीआरडी की तरफ से अनिल मिश्रा ने 1.2 ओवर में पांच रन देकर तीन विकेट लिये, मिथुन, सुरेंद्र यादव और अरविंद यादव को दो-दो विकेट प्राप्त हुआ ।47 बॉल पर 75 रनों की शानदार पारी खेलने वाले अमन वर्मा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ खिलाड़ी सुदेश कुमार द्वारा प्रदान किया गया ।ळ20 क्रिकेट प्रतियोगिता में अगला मैच 24 तारीख को लेखा और मेडिकल तथा कार्मिक और सिगनल विभाग के बीच खेला जाएगा ।

जिलाधिकारी ने नगर निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों की की समीक्षा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- शहर को अलग अलग सेक्टर में बांट कर साफ-सफाई, अतिक्रमण हटाने, फुटपाथ को व्यवस्थित करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, रोशनी की व्यवस्था आदि के लिये प्रत्येक सेक्टर के लिये जिम्मेदारी निर्धारित कर नामित करें पदाधिकारी

सारण, छपरा 22 नवंबर, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने गुरुवार संध्या में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा शहर को बेहतर बनाने हेतु विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया। इस बैठक में महापौर, नगर आयुक्त, कंसलटेंट एजेंसी के प्रतिनिधि, बुडको के अभियंता सहित नगर निगम के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी में संपूर्ण नगर क्षेत्र को अलग-अलग सेक्टर में बांटने को कहा। प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेवारी किसी पदाधिकारी को देने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक सेक्टर में एक अभियंता भी टैग रहेंगे। नगर निगम क्षेत्र में पर्याप्त साफ-सफाई, फुटपाथ को व्यवस्थित करने, रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था, सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा के संस्थापन आदि को लेकर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया गया।प्रत्येक सेक्टर के चार्ज वाले पदाधिकारी अपने सेक्टर में इन सब चीजों के क्रियान्वयन की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करेंगे तथा आवश्यकता अनुसार व्यवस्था में सुधार हेतु पहल करेंगे।

बैठक के समय एयर क्वालिटी इंडेक्स 189 पाया गया, जिसे 100 के नीचे लाने हेतु पानी का छिड़काव सहित अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।सभी महत्वपूर्ण मार्गों एवं स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने हेतु पहल करने को कहा गया इसमें स्थानीय व्यवसायियों से भी आवश्यक सहयोग लेने को कहा गया।व्यवसायी अगर अपने प्रतिष्ठान के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाएंगे तो विधि व्यवस्था में सहयोग मिलेगा। अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर नगर निगम के माध्यम से सीसीटीवी लगाया जा सकता है। शहरी क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नालों पर से अतिक्रमण हटाने हेतु एक महीने का विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। चौक चौराहों पर एवं मुख्य सड़कों पर गंदगी फैलाने, सरकारी संपत्तियों पर पोस्टर/बैनर लगाने वालों के विरुद्ध लगातर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। फुटपाथ को व्यवस्थित कर एक प्रकार की दुकानों के लिये एक जगह निर्धारित करने हेतु पहल करने को कहा गया।

पुल निर्माण योजना में चल रहे कार्यों की प्रगति हेतु सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत दरियापुर एवं सोनपुर अंचल का स्थलीय निरीक्षण किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जिलाधिकारी श्री अमन समीर द्वारा आज दिनांक 22.11.24 को भारतमाला परियोजना तथा जे पी सेतु के समानांतर पुल निर्माण योजना में चल रहे कार्यों की प्रगति हेतु सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत दरियापुर एवं सोनपुर अंचल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। भ्रमण के क्रम में संबंधित रैयतों से वार्ता कर संबंधित पदाधिकारियों को सोनपुर एवं दरियापुर में कैंप आयोजित कर अभियान के तहत एक सप्ताह के अंदर भू अर्जन से संबंधित सभी लंबित मामलों को निष्पादित करने का निदेश दिया गया।

रैयतों का लंबित मुआवजा भुगतान कराते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का निदेश दिया गया।

बनवाएं आयुष्मान वय वंदना कार्ड और पाएं मुफ्त इलाज इसमें 70 साल के बूढ़े भी शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- बिहार सरकार ने 70 साल या इससे अधिक उम्र के बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला फैसला लिया है। समस्तीपुर समाहरणालय कैंपस में भी बुधवार से आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना बनना शुरू हो गई। इस कार्ड के बनने के बाद 70 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ के लिए औलाद का मोहताज होना नहीं पड़ेगा। अब केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान वय वंदना कार्ड के जरिए उनका इलाज होगा।20 नवंबर से ही समस्तीपुर समेत बिहार के सभी जिलों में यह कार्ड बनना शुरू हो गया। इस अभियान की शुरूआत बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने स्थानीय मौर्या लोक परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की। स्वास्थ्य विभाग और नगर विकास और आवास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में यह अभियान 20 नवंबर से 12 दिसंबर तक चलेगा।

1833 करोड़ रुपये सरकार के खर्च हुएआयुष्मान कार्ड के लाभुकों के इलाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से प्रदेश में अब तक 1 हजार 833 करोड़ रुपये सरकार ने खर्च किए हैं। इस वित्तीय वर्ष में आयुष्मान कार्ड से इलाज पर 650 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं और बचे महीनों में 300 से 400 करोड़ रुपये खर्च होने हैं।

23 नवंबर को समस्तीपुर के ताजपुर में मुशायरे में लाखों रुपये खर्च करने के बजाय

गरीबों में असहाय लड़कियों की शादी और किसी गरीब बच्चे की मदरसे में पढ़ाई पर कंबल खर्च किया जाता तो पुण्य मिलता

जसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मुहम्मद जुबैर

समस्तीपुर: समस्तीपुर जिले के ताजपुर में अज-ऑल -इंडिया मुशायरा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लाखों रुपये खर्च किये गये हैं और शामियाना और अन्य शायरों को आमंत्रित किया जा रहा है. ये शायर अपनी लेखनी से लोगों के दिलों को लुभाने का काम करने वाले हैं इस प्रकार दो-चार कविताएँ तो बिल्कुल सुनेंगे लेकिन। किसी गरीब लड़की की शादी में पैसे और मोटरसाइकिल आदि मांगने जैसी जो बुराई लोगों के अंदर पनप रही है, उसे खत्म करने के बजाय मुशायरा और जलसा जुलूस में पैसा बर्बाद करने से हमारा भला कैसे साबित कर सकता है? एक तरफ केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लाकर अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ मुसलमान इसकी चिंता करने के बजाय चुप होकर दर्शक बने हुए हैं देश को आजादी दिलाने के लिए विद्वानों ने लाखों लोगों का बलिदान दिया, आज इस बलिदान को भूलकर लोग आत्मसंतुष्ट हो गए हैं। हमें यह याद दिलाने के लिए हमारे इमाम, मुफ़्ती और धार्मिक विद्वान फिर से सक्रिय हो गए हैं कि जमीयत उलमा की दूसरी राष्ट्रीय बैठक 24 नवंबर को आम पटना में हो रही है। इस बैठक में मुसलमानों को व्यस्तता छोड़ कर इस दूसरी राष्ट्रीय बैठक में भाग लेना चाहिए। सभा करके अपने नेताओं के संबोधन पर गर्व करो और अपनी एकता का प्रमाण दो, वाह वाह की सभा में लाखों रुपये खर्च करना देश के पैसे की बबार्दी के अलावा कुछ नहीं है। आज उन लोगों की रक्षा करना जरूरी है जो इस पैसे से जेल में बंद हैं। कुछ मुस्लिम घरों को लूटा जा रहा है। उन्हें वकील नहीं मिल रहा है , पैसे की मांग बढ़ती जा रही है, जिसे वे चुका नहीं सकते, जो जेल में है, वह बाहर आएगा तो न्याय पा सकेगा सोचने वाली बात यह है कि मुसलमानों को इन गरीब लड़कियों की शादी कराने के लिए इस रुपये की जरूरत है, इस वाह-वाही में खर्च होने वाले पैसे से एक तकनीकी शिक्षण संस्थान की स्थापना की जाए, जिससे गरीब बच्चों को फायदा हो सके मेरा कहना है कि इसे उन लोगों पर खर्च किया जाना चाहिए जो घातक बीमारियों से पीड़ित हैं और रुपये की कमी के कारण उनका इलाज करना असंभव है। मुशरा बनाने और वाह वाह करने से केवल एक जाति को फायदा होगा और गरीबों पर खर्च किया जाएगा।तो सभी धर्म जाति के लोगों का फायदा होगा एक तरफ गरीब अपनी आंखें बिछाए बैठे हुए हैं इस इंतजार में की कोई आए और मुझे दो वक्त की रोटी दे दे तोड़ने के लिए एक कंबल दे दे लेकिन लोग जलसा जुलूस मुशायरा में वह भाई कर लोगों के सामने सुरखुरी कहलाते हैं मालूम हो कि 23 नवंबर यानी आज जिले के ताजपुर में ऑल इंडिया मुशायरा होगा, जिसमें लाखों रुपये खर्च किये जायेंगे.

समस्तीपुर में जयमाला के समय वर और वधू पक्ष में मारपीट.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

शादियां आमतौर पर खुशियों का मौका होती हैं, लेकिन समस्तीपुर जिले के विक्रमपुर गांव में एक शादी समारोह उस वक्त तनाव में बदल गया जब जयमाला के तुरंत बाद वर और वधू पक्ष के युवकों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि बारातियों पर हमला किया गया और दूल्हा भी क्षुब्ध हो गयाबेगूसराय जिले के बछवाड़ा से विक्रमपुर में एक बारात पहुंची। शादी समारोह के दौरान जयमाला का कार्यक्रम हंसी-खुशी के साथ पूरा हुआ, लेकिन इसके बाद मंच पर चढ़ने और फोटो खिंचवाने को लेकर दोनों पक्षों के युवकों में कहासुनी शुरू हो गई। यह बहस जल्द ही मारपीट में बदल गई।

घटना में दूल्हे के चाचा राजबाबू यादव समेत करीब आधा दर्जन बाराती घायल हो गए। राजबाबू यादव का सिर फट गया, जिनका स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया। अन्य बारातियों में शिवचंद्र यादव समेत कई लोग चोटिल हुए। विवाद के दौरान असामाजिक तत्वों ने शादी में आए बैंड बाजे को भी नुकसान पहुंचाया और एक मशीन चोरी कर ली गई।इस अप्रिय घटना के बाद बारातियों ने बिना खाना खाए लौटने का मन बना लिया। दूल्हा भी इस घटना से काफी नाराज हो गया और शादी रुकने की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, लड़की पक्ष और स्थानीय ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर दूल्हे को समझाया और शादी संपन्न कराई।घटना से पूरे गांव में तनाव व्याप्त है। ग्रामीणों में असामाजिक तत्वों के प्रति नाराजगी है।इस संबंध में मुखिया सुनील कुमार राय की अगुवाई में बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपद्रवियों की पहचान कर सामाजिक स्तर पर दंडित करने का निर्णय लिया गया।

प्रखंड स्थित ई किसान भवन सभागार में रवि महोत्सव सह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित ई किसान भवन सभागार में रवि महोत्सव सह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार उप प्रमुख दीपक कुमार प्रखंड कृषि पदाधिकारी अशोक कुमार कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली की वैज्ञानिक भारतीय उपाध्याय आत्माध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रखंड उद्यान पदाधिकारी संजय झा ने उपस्थित किसानों को अपने विभाग की विस्तृत जानकारी दी। संचालन कोऑर्डिनेटर संजय कुमार ने किया। उपस्थित किसानों ने प्रशिक्षण उपादान संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।मौके पर आत्मा अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह कोऑर्डिनेटर राजीव रंजन, अर्जुन राय, किसान सलाहकार वसंत कुमार, बृजकिशोर राय, नवीन कुमार, सीताराम चौधरी, सुखलाल यादव, मनीष कुमार शर्मा, संजय ठाकुर, मो जब्बार, धीरेंद्र चौधरी आदि ने कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली से आई वैज्ञानिक भारती उपाध्याय से कई प्रश्नोत्तरी किए।किसान भवन से दिए जा रहे है बीज, दलहन, गेहूं, मक्के कि विगत वर्ष उपज नहीं होने से किसन मार खा गये थे, इस संबंध में शिकायत की। धन्यवाद ज्ञापन उप प्रमुख दीपक कुमार ने किया।

पूसा स्टेशन पर बंगाल के कारोबारी के बैग से 12 लाख रुपये के आभूषण की चोरी मामले में अलग-अलग जगहों से 5 गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मोहम्मद जुबैर
समस्तीपुर :- खुदीराम बोस पूसा रोड रेलवे स्टेशन पर पश्चिम बंगाल के लकड़ी कारोबारी धीरज चौधरी के ट्रॉली बैग से लगभग 12 लाख के आभूषण चोरी के मामले में रेल पुलिस ने पांच शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो को समस्तीपुर और तीन को मुजफ्फरपुर से पकड़ा गया है। ये शातिर दिल्ली-हरियाणा के रहने वाले हैं और इन दिनों सोनुपर-बरौनी के बीच सक्रिय हैं। 19 नवंबर को हुई आभूषण चोरी की शिकायत के बाद समस्तीपुर रेल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूसा स्टेशन से और समस्तीपुर बाजार स्थित होटल से एक-एक शातिर को गिरफ्तारी किया।

इनसे पूछताछ के आधार पर मुजफ्फरपुर रेल थाना पुलिस ने बुधवार रात जंक्शन के प्लेटफॉर्म-1 से तीन शातिरों को दबोचा। पूछताछ में सभी ने चोरी की बात स्वीकार की। प्रभारी रेल एसपी सह मुजफ्फरपुर के ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आठ शातिरों का गिरोह है। सभी पश्चिमी दिल्ली और हरियाणा के हिसार जिले के रहने वाले हैं। ये इन दिनों सोनपुर से बरौनी जंक्शन के बीच सक्रिय हैं। पांच को पकड़ा गया है। अन्य को जल्द दबोचा जाएगा।

डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। शुक्रवार को समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने शहीद बिरसा मुंडा की तरवीर पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। शहीद बिरसा मुंडा ने अपनी जान की कुबार्नी देकर आदिवासी समुदाय के अधिकारों की लड़ाई लड़ी थी। कतिपय कारणों से मंडल में 15 नवंबर के स्थान पर आज यह दिवस मनाया गया। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को वर्तमान झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातू गांव में हुआ था। वह एक आदिवासी नेता थे, जिन्होंने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने अपने समुदाय के लोगों को संगठित किया और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दिन को हम शहीद बिरसा मुंडा की वीरता और बलिदान को याद करते हैं और उनके द्वारा किए गये कार्यों को सलाम करते हैं। हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेते हैं और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लोग उन्हें धरती आबा बिरसा मुंडा के नाम से याद करते हैं। इस अवसर पर समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद बिरसा मुंडा की वीरता और बलिदान हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहें। हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेते हैं और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर मंडल के अन्य सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भी उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त डायरी

भूमि सुधार उप समाहर्ता की कार्यालय की तरफ से विभूतिपुर प्रखंड के रासो सहनी समेत चार अन्य लोगों को दिया नोटिस तारीख पर हाजिर न होने पर होगी कार्रवाई

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

जिला के विभूतिपुर प्रखंड में भूमि सुधार उप समाहर्ता विभूतिपुर की ओर से एक नोटिस भेजा गया नोटिस मिलते ही रासो सहनी समेत पांच अन्य लोग के भी चेहरे से मुस्कुराहट गायब दिखा आमतौर पर किसी व्यक्ति को नोटिस मिलते है तो घबराहट शुरू हो जाती है जबकि नोटिस मिलते ही तारीख पर न्यायालय में हाजिर होकर अपनी बात रखनी चाहिए ऐसा करने से न्यायालय का अपमान नहीं होगा और न्यायालय से इंसाफ मिल जाएगा ऐसे ही मामला विभूतिपुर प्रखंड के विभूतिपुर गांव के रासो साहनी समेत अन्य लोग डरे हुए नजर आ रहे हैंनोटिश बनाम (1) अंचलअधिकारी विभूतिपुर पो० थाना-विभूतिपुर जिला-समस्तीपुर 2. रासो सहनी, पिता-स्व० विश्वनाथ सहनी, 3. दिनेश सहनी, पे०-स्व० विश्वनाथ सहनी 4. रामवृक्ष सहनी पिता-स्व० विश्वनाथ सहनी 5. अवधेश सहनी पिता-स्व० विश्वनाथ सहनी, सभी निवासी ग्राम-विभूतिपुर, पो० विभूतिपुर, थाना-विभूतिपुर, जिला-समस्तीपुर के विरूद्ध अपीलार्थी ने मेरे न्यायालय में उक्त दाखिल-खारिज अपील वाद दाखिल किया है। जिसमें मेरे न्यायालय द्वारा आपके विरूद्ध डाक सम्मन भेजे गये है। इसके बावजूद भी आप उपस्थित नहीं हो रही हैं।अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक-3.12.24 को 11 बजे पूर्वाहन मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं अथवा अपने विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखे। अन्यथा एक पक्षीय सुनवायी करके आदेश पारित कर दिया जायेगा

छपरा जंक्शन के सेकेंड प्रवेश द्वार और यात्री सुविधाओं का डीआरएम ने किया निरीक्षण

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने वाराणसी सिटी झ छपरा रेलखण्ड पर दोहरीकरण कार्यो की प्रगति,कोहरे के मौसम में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरीक्षण किया। साथ ही कोहरे के मौसम में इस सेक्शन के सिगनलों की दृश्यता को दुरूस्त बनाये रखने का भी निर्देश दिया। विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने इस खण्ड पर संरक्षा के साथ-साथ इस खण्ड पर चल रहे विकास कार्यों से संबंधित दोहरीकरण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की ।

अपने निरीक्षण के क्रम में विनीत कुमार श्रीवास्तव ने अपने निरीक्षण यान से विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए छपरा जंक्शन स्टेशन पहुँचे। मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने छपरा रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यो का गहन निरीक्षण किया। उन्होनें छपरा स्टेशन के विस्तार के साथ सेकण्ड्री नवीनीकृत प्रवेश द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया का विस्तार, प्लेटफार्मो के शेड, पे एण्ड यूज प्रसाधन तथा यात्रियों की सुविधा हेतु प्रतीक्षालय में बैठने की व्यवस्था, ग्लोशाइन स्टेशन नाम बोर्ड, साइनेजेज, वाटर ड्रेनेज, आरक्षित/अनारक्षित टिकट काउंटर भवन,रनिंग रुम, क्रू लॉबी,आर.पी.एफ पोस्ट, ए टी वी एम,क्यू आर स्कैनर का यात्री सुधार समेत यात्री सुख-सुविधाओं के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया तथा छपरा स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यो की गति बढ़ाने और सभी कार्य तय समय सीमा में सम्पन्न करने हेतु संबंधित को दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर एक औपचारिक वार्ता में मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया की छपरा रेलवे स्टेशन एन.एस 03 श्रेणी का रेलवे स्टेशन है यहाँ पर और अधिक से अधिक साफ झ सफाई की जरुरत है और उन्होंने कहा कि प्लेटफार्म संख्या 01 पर और बेंचे लगाने की व्यवस्था की जाये जिससे यात्री को ट्रेन को इंतजार में खड़ा नहीं रहना पड़े। निरीक्षण के अवसर पर सहायक मंडल इंजीनियर छपरा अरविन्द कुमार राय ,सहायक सुरक्षा आयुक्त मुकेश पवार,जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार, स्टेशन डायरेक्टर राजेश प्रसाद सहित मंडल तथा स्टेशन के वरिष्ठ पर्वेक्षक उपस्थित थे।

भागलपुर में 5 बम मिला, 24 घंटे बाद हुआ डिफ्यूज

भागलपुर । मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर में गौशाला में आगजनी के बाद अगले सुबह 5 क्रूड बम समेत सात खोखा बरामद किया गया। जिसे बम निरोधी दस्ता ने डिफ्यूज कर दिया। मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ बताया गया। जिसकी पुलिस जांच कर रही है। बम मिलने के बाद बम रोधी दस्ता की टीम को मुंगेर से बुलाया गया। जिसके बाद गौशाला में मिले पांच बम को 24 घंटे बाद डिफ्यूज किया गया। जिसमें सबसे हैरानी की बात है कि पिछले 2 सालों में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 14 जगह बम मिली है। लेकिन जिले में बम निरोधी दस्ता मौजूद नहीं है। इससे पहले हबीबपुर थाना क्षेत्र के खिलाफत नगर बम ब्लास्ट होने के कारण आधा दर्जन बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने अबतक कोई कार्रवाई नहीं की है। ना ही घटना के सम्बन्ध में कुछ सुराग मिला है और ना ही कोई खुलासा किया गया है। अब तक 14 जगह मिले बम में लगभग दर्जनों से अधिक लोग अपना जान गंवा चुके हैं। बम मिलने की सूचना पर सिटी एसपी ने बताया कि क्रूड बम है। जिन्हें डिफ्यूज कर दिया गया है अब मामले में पुलिस जांच कर रही है। मामला जमीन विवाद से बताया गया है। बता दें कि इससे पहले भी बम ब्लास्ट की सूचना और इस संबंध में पूछताछ पर पुलिस ने मामले की जांच की बात कहकर बात टालने की कोशिश की। मामले को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

केंद्रीय मंत्री बोलेः खेल-खेल होता है, इसमें कोई हारता नहीं, 2047 तक स्पोर्ट्स में भारत टॉप 5 में होगा

गया। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को गया पहुंचे। उस दौरान भाजपा नेताओं ने जमकर स्वागत किया। सर्व प्रथम उन्होंने भगवान विष्णु के दर्शन करने विष्णुपद मंदिर पहुंचे और गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। भगवान विष्णु के दर्शन के बाद केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज राजगीर में महिला हॉकी टूर्नामेंट की फाइनल मैच है। खेल खेल होता है, खेल में कभी कोई हारता नहीं है। हमेशा जीतता है। भारत की टीम बहुत बढ़िया खेल रही है। खेल के क्षेत्र में देश में खेलो इंडिया के तहत देश के ग्रास रूट के खिलाड़ियों को टॉप स्कीम के द्वारा नेशनल और इंटरनेशनल में जगह मिले, इसके लिए बेहतर ट्रेनिंग दिया जा रहा है। दुनिया में अच्छे कोच है और बेहतर कोच से खिलाड़ियों को ट्रेनिंग मिले इसकी व्यवस्था की गई है। जिस तरह खेल की दुनिया में बदलाव आ रहा है। उसको देखते हुए मोदी जी ने 24 इनटू सेवन पर काम कर रहे हैं। कहा कि 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनाता हो तब देश के स्पोर्ट्स सेक्टर में एक से पांच के क्रम में होना चाहिए। इस योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वहीं बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि विष्णुपद मंदिर में कॉरिडोर बनाने के लिए देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने पूरी तरह प्लान करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दिया है। पूरा सर्वे कर डीपीआर बनाकर भारत सरकार को देंगे। विष्णुपद मंदिर को कॉरिडोर बनाने की मांग हो रही थी। पीएम चाहते भी हैं जिस तरह काशी का विकास हुआ, ठीक उसी तरह भगवान विष्णु के मंदिर का भी विकास होगा। उन्होंने शिक्षक के जॉइनिंग के सवाल पर कहा कि यह खुशी का दिन है। पहले हमारे पास क्वांटिटी था। कुछ लोग कहते थे, क्वालिटी नहीं है। अब एनडीए की सरकार में पूरी तरह कहने के लिए सक्षम है। क्योंकि हमारे शिक्षकों ने सभी परीक्षाएं पास करके आज लगभग 1 लाख 14 हजार लोगों को जॉइनिंग दिया गया। बिहार के चार जिलों में उपचुनाव के कारण आचार संहिता लगा हुआ है। इन जिलों शिक्षकों को नहीं मिल पाया है। वैसे 25 हजार लोग हैं, जिनको आगे के दिनों में दे दिया जाएगा।

2 कमरे के स्कूल में 550 बच्चों की पढ़ाई

दरभंगा में 50 साल से नहीं मिला भवन, शिकायत के बाद भी नहीं कोई सुनवाई

दरभंगा । सिंहवाड़ा प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय में 550 बच्चे पढ़ने आते हैं। जहां क्लास एक से 12वीं तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि इतनी अधिक संख्या के बच्चों वाले स्कूल में बस दो ही कमरे हैं। पूरे स्कूल की स्थिति खराब है। बच्चे हमेशा डर के साए में पढ़ाई करने आते हैं। दो कमरों में विद्यालय का कार्यालय और छात्रों का वर्ग संचालन किया जाता है। दोनों ही कमरे के उपर लगी अल्बेस्टर्स जर्जर होने के कारण कई जगह से टूट चुकी है। बरसात में बारिश और ठंडा में ओस का पानी लगातार टपकता है। विद्यालय में एक चापाकल, 2 शौचालय और 10 पॉइंट वाला एक हैंड वॉश स्टेशन भी बनाया गया है। पर छात्रों के बैठने की कोई समुचित व्यवस्था आज तक नहीं की गई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश ठाकुर ने बताया कि दोनों ही कमरे में कुल 14 पंखे लगाए गए हैं, ताकि बच्चे पढ़ाई कर सके। विद्यालय का सारा कागजात भी इसी कमरे में रखा जाता है। मध्यान भोजन के लिए एक अतिरिक्त छोटा सा शेड बनाया गया है। बरामदे को घेर कर कार्यालय का काम लिया जा रहा है। दिनेश ठाकुर इस विद्यालय में वर्ष 2019 से पदस्थापित हैं। उन्होंने बताया कि प्रखंड से लेकर जिला तक के अधिकारियों को भवन के अभाव और संसाधनों की कमी की शिकायत कई दफा कर चुके हैं। पर कोई भी पहल आज तक नहीं की गई। सब जगह से आश्वासन दिया गया है। जल्द ही विद्यालय को एक अदद भवन दिया जाएगा। कक्षा 1 से 8 तक विद्यालय में कुल 310 छात्र छात्राएं नामांकित है। इनमें से लगभग 230 छात्रों का उपस्थिति प्रतिदिन होता है। जबकि कक्षा 9 से 12 में कुल लगभग 250 छात्र छात्राएं नामांकित है। जिनमें से 200 की उपस्थिति होती है। विद्यालय का संचालन करना बहुत ही चुनौती पूर्ण है। कक्षा 1 से 8 के लिए ल्ट सहित 6 शिक्षक दिए गए हैं। कक्षा 9 से 12 के लिए ल्ट सहित 12 शिक्षक विद्यालय में पदस्थापित है। बाल संरक्षक मनोहर कुमार झा ने बताया कि अनुसूचित जाति टोला में स्थापित इस विद्यालय का सरकार उपेक्षा कर रही है। बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। 14 वर्ष तक के छात्रों को निशुल्क व्यवस्थित शिक्षा मुहैया कराने में सरकार विफल हो रही है। संसाधनों के घोर अभाव में सिंहवाड़ा प्रखंड में प्लस टू उच्च विद्यालय चलाया जा रहा है। जब यह विद्यालय माध्यमिक विद्यालय था। तब भी यहां संसाधनों की यही स्थिति बनी हुई थी। वर्ष 2020 के सितंबर माह में इसे उत्क्रमित कर दिया गया। पर संसाधनों की आपूर्ति आज तक नहीं की गई। विभाग के इस रवैया ने अनुसूचित जाति टोला विद्यालय के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया है।

बगहा में आनंद विहार-दरभंगा एक्सप्रेस हरिनगर के पास डिरेल

बगहा । आनंद विहार से दरभंगा जा रही ट्रेन संख्या 04068 बीती रात हरिनगर स्टेशन के पास एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। रात करीब 12:03 बजे ट्रेन के दो बोगी और इंजन डिरेल हो गए। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने वैक्यूम ब्रेक लगाया था, जिसके कारण यह घटना हुई। हालांकि, रेलवे की तत्परता और समय पर कार्रवाई से किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं पहुंची। फिलहाल डिरेल हुई बोगियों और इंजन को ट्रेन से अलग कर प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर खड़ा कर दिया गया। एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (अफळ) की मदद से रेलगाड़ी को ठीक कर 3:55 बजे दरभंगा के लिए रवाना कर दिया गया। स्टेशन अधीक्षक यदुनाथ महतो ने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित निकालने और ट्रेन को गंतव्य तक भेजने के लिए तुरंत कदम उठाए गए। रेलवे ट्रैक को मरम्मत कर सुबह तक यातायात सामान्य कर दिया गया। हालांकि, इस घटना के कारण दो ट्रेनें प्रभावित हुईं जिसमें गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज पैसेंजर (05498) पांच घंटे विलंब से चल रही है तो वहीं नरकटियागंज-गोरखपुर (05450) झ लगभग 10 घंटे की देरी से चल रही है। अन्य ट्रेनें रात के समय संचालित नहीं थीं, जिससे यात्रियों को अधिक असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। ट्रेन के डिरेल होने के कारण भैरोगंज और हरिनगर स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर यातायात बाधित हो गया है।

कार अनियंत्रित होकर पलटी, चालक की मौत

शेखपुरा । शाहपुर मुख्य सड़क मार्ग पर सहनौरा रेलवे गुमटी के पास तीक्ष्ण मोड़ पर एक कार के सड़क किनारे गड्ढे में पलट जाने से कार चला रहे 36 वर्षीय शख्स की मौत हो गई। जबकि कार के पिछली सीट पर बैठे एक अन्य युवक बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाना, कोसुंभा थाना और अरियरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक शख्स और घायल को दुर्घटनाग्रस्त कार से निकालकर सदर अस्पताल लाया। कार चला रहे व्यक्ति को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घायल का इलाज शुरू कर दिया। मृतक की पहचान शेखपुरा नगर क्षेत्र के जमालपुर मोहल्ला के रहने वाले ट्रक ऑनर बृजेश कुमार के रूप में की गई है। वह अपनी कार से नवादा के शाहपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वाहन तेज गति में रहने के कारण रेलवे गुमटी के समीप तीक्ष्ण मोड़ पर वे अनियंत्रित हो गए और रेलवे गुमटी के समीप गड्ढे में जा गिरे। टना के दौरान कार में बैठा एक अन्य युवक नगर थाना क्षेत्र के राम रायपुर के रहने वाले कुंदन कुमार भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह ट्रक चालक बताया जाता है। घटना के सूचना मिलने के बाद सदर अस्पताल में परिजनों के भीड़ लग गई। मृतक के परिवार वालों के बीच कोहराम मच गया। सूचना के बाद नगर थाना पुलिस और अरियरी थाने की पुलिस भी सदर अस्पताल पहुंची। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र नाथ भी सदर अस्पताल पहुंचे और परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त किया। अरियरी थाना अध्यक्ष सुनील कुमार राजवंशी ने बताया कि कार दुर्घटना में युवक की मौत होने की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।तब तक युवक की मौत हो चुकी थी।

बेलागंज में जेडीयू, इमामगंज में आरजेडी आगे

तरारी सीट गंवा सकती है माले, जानिए उपचुनाव में कहां-कौन मजबूत

पटना। बिहार की चार सीटों रामगढ़, तरारी, बेलागंज और इमामगंज में उपचुनाव के लिए वोटिंग हो चुकी है। पहली बार प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज चुनाव मैदान में है, लेकिन सच यह है कि किसी भी सीट पर जनसुराज के उम्मीदवार जीतने वाली स्थिति में नहीं दिख रहे हैं। ये जरूर वोट काटकर खेल बना और बिगाड़ रहे हैं। प्रशांत किशोर जानते हैं कि बिहार चुनाव की रणनीति क्या है, इसलिए उन्होंने सामाजिक समीकरण का ख्याल रखते हुए उम्मीदवार दिए। गंभीर आरोप वाले उम्मीदवार से भी उन्होंने परहेज नहीं किया। वोटिंग परसेंटेज 52.84 फीसदी रहने का मतलब यह निकला जा रहा है कि लोगों में वोटिंग के प्रति उत्साह बहुत ज्यादा नहीं रहा और जीत-हार का अंतर भी बहुत ज्यादा नहीं रहने वाला है। एक्सपर्ट की माने तो बेलागंज में जेडीयू, इमामगंज में आरजेडी आगे है। वहीं, तरारी सीट माले गंवा सकती है। बेलागंज और इमामगंज की सीट गया में आती हैं। बेलागंज की सीट इसलिए हॉट है कि यह आरजेडी का गढ़ रही है। लालू प्रसाद उपचुनाव में कहीं चुनाव प्रचार को गए तो वह बेलागंज ही है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह कि यही एक सीट है, जहां से जेडीयू ने उम्मीदवार दिया है। यानी यहां से लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। आरजेडी के सुरेंद्र यादव 8 बार यहां से विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने अपने बेटे विश्वनाथ को आरजेडी से टिकट दिलवाया है। इस बार आरजेडी के गढ़ पर खतरा दिख रहा है। यहां बीजेपी और जेडीयू के अंदरुनी कॉर्डिनेशन की परीक्षा होनी है। आरजेडी के विश्वनाथ का मुकाबला बिंदी यादव की पत्नी जेडीयू की मनोरमा देवी से है। विश्वनाथ पर परिवारवाद का आरोप है तो मनोरमा देवी को सहानुभूति वोट भी मिले हैं। यहां 19 फीसदी के लगभग यादव हैं और मुसलमान 17 फीसदी के आसपास। उसके बाद बड़ी आबादी मुसहरों की है। मुसहर यहां 11 फीसदी हैं। सवर्णों में भूमिहार सबसे ज्यादा सात फीसदी हैं, राजपूत 3.5 फीसदी, कोयरी छह फीसदी, बनिया दो फीसदी और बाकी ओबीसी छह फीसदी, ईबीसी 6 फीसदी हैं। पासवानों का वोट बैंक ईबीसी के बराबर ही छह फीसदी है। चमार जाति के लोग पांच फीसदी हैं। सवर्ण यहां 14 फीसदी हैं। इमामगंज की सीट से पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। उन्होंने अपनी बहू को टिकट दिया है। इस वजह से हम पार्टी की दीपा मांझी पर परिवारवाद का आरोप खूब लगता रहा। इमामगंज बिहार-झारखंड का बॉर्डर इलाका है और नक्सल प्रभावित रहा है। इमामगंज में मुसहर सबसे अधिक 18.6 प्रतिशत, दूसरे नंबर पर मुसलमान 15.3 प्रतिशत, तीसरे नंबर पर यादव 13.2 प्रतिशत, चौथे नंबर पर कुशवाहा 10.82 प्रतिशत हैं। यहां ओबीसी 30 फीसदी के लगभग हैं। राजपूत 4.3 फीसदी, बाह्मण और भूमिहार की आबादी काफी कम है। सवर्ण 6 फीसदी के लगभग हैं। जीतन राम मांझी के काम का फायदा उनकी बहू को मिल रहा है। लेकिन परिवारवाद की हदें पार कर दी हैं। यह आरोप लोग हम पार्टी पर लगा रहे हैं। गया के वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल कादिर कहते हैं कि ह्यबेलागंज में जेडीयू की मनोरमा देवी और इमामगंज में आरजेडी के रौशन मांझी की स्थिति मजबूत दिख रही है। जनसुराज दोनों जगह एनडीए के वोट काट रही है। इस उपचुनाव में नया ट्रेंड यह दिखा कि जनसुराज जैसी पार्टी ने उम्मीदवार को सीधे पैसा नहीं दिया, बल्कि खुद से खर्च किया। उनकी पूरी मशीनरी एक्टिव रही। इमामगंज उपचुनाव के बारे में अब्दुल कादिर कहते हैं कि ह्यहां मुसलमानों का वोट आरजेडी के उदय नारायण चौधरी को पूरी तरह से नहीं मिलता था, वे इस बार नहीं खड़े हैं। इस बार आरजेडी के रौशन मांझी को अधिकांश मुसलमानों का वोट मिला है। जनसुराज ने पासवान का वोट काटा है और इसका नुकसान हम पार्टी की उम्मीदवार दीपा मांझी को होने की आशंका है। बेलागंज और इमामगंज दोनों ही जगह जनसुराज को जो वोट मिले हैं, वे प्रशांत किशोर की वजह से कम उम्मीदवार की वजह से अधिक मिले हैं। बेलागंज में जनसुराज को मो.अमजद की वजह से वोट मिला और इमामगंज में जितेन्द्र पासवान की वजह से वोट मिला है। मुसलमान और पासवान उम्मीदवार उतारकर प्रशांत ने यहां खेल करने की पूरी कोशिश की। कादिर कहते हैं कि ह्यचिराग पासवान ने मांझी के उम्मीदवार को हराने को लेकर इनडायरेक्ट अपने लोगों को इशारा किया है। ऐसी चर्चा इलाके में है। लेकिन इसमें क्या सच्चाई है कहा नहीं जा सकता। बेलागंज के स्थानीय पत्रकार राकेश कुमार कहते हैं ह्यउपचुनाव में जेडीयू की मनोरमा देवी भारी दिख रही हैं। दूसरे नंबर पर आरजेडी के विश्वनाथ हैं। जेडीयू की मनोरमा देवी ने यादव का वोट काटा है। 70% मुसलमान ने जनसुराज के मो. अमजद को वोट दिया। वे शेख मुसलमान हैं और बेलागंज में शेख मुसलमानों की संख्या ज्यादा है। इमामगंज के स्थानीय पत्रकार निर्भय मिश्रा कहते हैं कि ह्यआरजेडी का एम यानी मुसलमान वोट बैंक ध्वस्त हो गया है। यह वोट आरजेडी से कट गया, वाई यानी यादव वोट बैंक बना रहा। जनसुराज के जितेन्द्र पासवान को पासवान का वोट मिला है, बाह्मण, राजपूत का भी वोट मिला। मुसलमानों का भी अच्छा वोट मिला, बाकी कई जातियों का वोट मिला। हम पार्टी की दीपा मांझी को भुइयां का वोट मिला। इमामगंज के स्थानीय पत्रकार निर्भय मिश्रा कहते हैं कि ह्यहम पार्टी की दीपा मांझी की स्थिति अच्छी है। इसके बाद जनसुराज के जितेन्द्र पासवान और तीसरे नंबर पर आरजेडी के रौशन मांझी हो सकते हैं। तरारी में बीजेपी ने पूर्व बाहुबली विधायक सुनील पांडेय के बेटे विशाल प्रशांत को उतारा है, जबकि माले से राजू यादव ने चुनाव लड़ा है। जनसुराज से किरण सिंह लड़ीं। यह माले का गढ़ और इस गढ़ में सेंधमारी की कोशिश एनडीए की है।

सीतापुरः हल्दी के दिन दूल्हा-दुल्हन की मौत

लड़की के घर में फंदे से लटके मिले शव, परिजनों का आरोप- जीजा ने मारकर लटकाया

सीतापुर । हल्दी की रस्म के बीच दूल्हा-दुल्हन ने जान दे दी। लड़की के घर में दोनों का शव फंदे पर लटका मिला। 25 नवंबर को दोनों की शादी थी। शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा रखा था। घटना गुरुवार दोपहर सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के मिठौरा गांव की है। दूल्हे के मामा सुनील ने बताया- गुड्डू बुधवार रात लड़की के घर गया था। गुरुवार सुबह घर में हल्दी की रस्म चल रही थी। खुशी में परिजन नाच-गा रहे थे। इसी दौरान परिजनों ने देखा कि रुचि के कमरे में उसका और गुड्डू का शव चादर के फंदे के सहारे लटक रहा है। दोनों के पैर जमीन को छू रहे थे। शव की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लड़के के परिजनों ने लड़की के जीजा पर हत्या करके लटकाने का आरोप लगाया है। एसपी साउथ प्रवीन रंजन सिंह ने बताया- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रथम दृष्ट्या मामला सुसाइड का लग रहा है। बरगदिया गांव के गुड्डू (25) का मिठौरा गांव की रुचि (18) से 3 साल से प्रेम संबंध था। दोनों परिवार के लोग रिश्ते के लिए राजी थे। गुड्डू का आए दिन रुचि के घर आना जाना था। गुड्डू मजदूरी करता था। मामा सुनील ने बताया- दोनों परिवारों की रजामंदी से गुड्डू और रुचि की सीएम सामूहिक विवाह योजना के तहत 24 नवंबर को शादी होने वाली थी। शादी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। लेकिन, किसी कारणवश प्रशासन ने विवाह योजना की डेट आगे बढ़ा दी। इसके बाद परिजनों ने 25 नवंबर को गांव के ही मंदिर में शादी करने का निर्णय लिया। सुनील ने बताया- दोनों परिवारों में शादी की रस्म शुरू हो गई थी। गुरुवार को दोनों की हल्दी होनी थी। दोनों परिवारों में तय हुआ था कि लड़की के घर पर ही हल्दी की रस्म होगी। इसके लिए गुड्डू बुधवार रात को ही रुचि के घर पहुंच गया था। गुरुवार सुबह हल्दी की रस्म के बीच दोनों का शव एक ही कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने बताया कि घटना से दो-तीन दिन पहले रुचि के जीजा से गुड्डू का विवाद हुआ था। दरअसल, वह इस शादी के खिलाफ था। लड़के के परिजनों का आरोप है कि रुचि के जीजा ने ही दोनों की हत्या कर शवों का फंदे से लटका दिया, ताकि इसे आत्महत्या का रूप देकर पुलिस को गुमराह किया जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी दक्षिण प्रवीन रंजन सिंह और महमूदाबाद सीओ सतीश चंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। एएसपी दक्षिण ने कहा- प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। अब तक परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई होगी।

लखनऊ में गर्लफ्रेंड के सामने लगाई फांसी, मौत

लखनऊ । प्रेमिका के सामने प्रेमी ने फांसी लगा ली। इसके बाद प्रेमिका ने भी नींद की गोलियों का ओवरडोज लेकर जान देने की कोशिश की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं लड़की युवती को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला पारा इलाके में स्थित एक होटल का है। परिजन और दोस्त तलाशते हुए एक होटल के पास पहुंचे तो युवक की बाइक मिली। होटल में पूछताछ करने पर पता चला की युवक एक लड़की के साथ कमरे में रुका है। दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला तो मास्टर की से लॉक खोला गया। कमरे में युवक पंखे के सहारे प्रेमिका के दुपट्टे से फांसी पर लटका था, जबकि युवती बेड पर बेसुध पड़ी थी। पारा के डॉक्टर खेड़ा का रहने वाला अभिषेक वर्मा (25) और उसकी गर्लफ्रेंड पुरानी डीजल टंकी के सामने होटल क्राउन इन में बुधवार दोपहर पहुंचे थे। देर रात घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिजन और दोस्तों ने इलाके में खोजबीन शुरू की। होटल क्राउन इन के सामने दोस्तों को युवक की बाइक मिली थी। परिजनों का कहना है कि अभिषेक की शादी तय हो चुकी थी। दिसंबर में शादी होनी थी। इसकी जानकारी पर उसकी प्रेमिका ब्लैकमेल करने लगी थी। वह इस सबसे परेशान हो गया था। लड़की ने ही बेटे को आत्महत्या के लिए मजबूर किया है।

उद्योगों को खड़ा करने के लिये बैंक लोन देने में टालमटोल न करें: जिलाधिकारी

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में व्यापार और उद्योग बन्धुओं के साथ जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापारी बंधुओं की परेशानियों को सुनकर उनके नियमानुसार निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर क्षेत्र,बाजार में अन्ना पशुओं के घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका रहती है इसलिए अभियान चलाकर नगर क्षेत्र में घूमने वाले अन्ना पशुओं को गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर, बाजार में अन्ना पशु घूमते हुए नहीं पाए जाने चाहिए। बाजारों में नियमित रूप से प्राथमिकता के साथ नाली की सफाई, सिल्ट सफाई सहित सिल्ट का उठान होना चाहिए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग किसी भी दशा में ना हो इस पर उद्गम स्थल पर ही प्रवर्तनीय करवाई किया जाए । विद्युत विभाग कैंप लगाकर बिजली से जुड़ी परेशानियों का निस्तारण करे। रोडवेज बस स्टैंड में जाम न लगे इसका खास ख्याल रक्खा जाए। नगर क्षेत्र में एसडीएम ,ईओ सहित पुलिस विभाग संयुक्त तौर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाये। उद्योग बंधु की बैठक में जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल के प्रकरणों एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की पीएम रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत किए जाने वाले आवेदनों को किसी भी दशा में पेंडिंग ना रखा जाए ,उनको नियमानुसार स्वीकृत कर समय से डिस्बर्स किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं तथा निवेश व निर्यात गतिविधियों को बढ़ाने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं। बैंकों द्वारा उद्योगों की स्थापना हेतु ऋण देने में टालमटोल ना किया जाए ,न ही अनावश्यक रूप से ऋण आवेदन निरस्त किए जाए। जनपद में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं, इससे जनपद में रोजगार तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। कहा कि उद्यमियों की हर संभव मदद की जाए। बैठक में एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक,एसडीएम राठ अभिमन्यु कुमार,एसडीएम मौदहा राजकुमार गुप्ता, जीएमडीआईसी रवि वर्मा सहित अधिकारी और व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे ।

गोरखपुर में बनेगा हाई-टेक डोमेस्टिक हेजार्डस प्लांट

7 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा हाईटेक प्लांट, खतरनाक कचरे का होगा निस्तारण

गोरखपुर । सहजनवा क्षेत्र के सुथनी ग्रामसभा में 40 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड गारबेज सिटी परियोजना के तहत एक अत्याधुनिक डोमेस्टिक हेजार्डस प्लांट की स्थापना की जा रही है। इस प्लांट के निर्माण का मुख्य उद्देश्य घरेलू खतरनाक कचरे का सुरक्षित निपटान और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परियोजना के तहत भूमि पूजन संपन्न हुआ। प्लाजा तकनीक पर आधारित इस प्लांट का निर्माण, संचालन और रखरखाव श्ऊड फैसेलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म को सौंपा गया है। भूमि पूजन के दौरान फर्म की डिप्टी उएड नीतिका पाण्डेय ने बताया कि एक साल के भीतर प्लांट का संचालन शुरू हो जाएगा। करीब 7 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाला यह प्लांट प्रतिदिन 5 टन घरेलू खतरनाक कचरे का निपटान करेगा। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि यह परियोजना गोरखपुर को ह्वगारबेज फ्री सिटीह्व का दर्जा दिलाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा, प्लांट कचरे के सुरक्षित निपटान, रिसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण के साथ मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। घरेलू खतरनाक कचरा उन उत्पादों से बनता है, जो विषैले, ज्वलनशील या विस्फोटक होते हैं। इनमें पेंट, पेंट थिनर, कीटनाशक, उर्वरक, गैसोलीन, बैटरी, फर्नीचर पॉलिश, ड्रेन ओपनर और ओवन क्लीनर जैसे पदार्थ शामिल हैं। इनका अनजान तरीके से उपयोग न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इन उत्पादों के सुरक्षित निपटान के अभाव में ये मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित कर सकते हैं। फर्म की डिप्टी उएड नीतिका पाण्डेय ने कहा कि प्लांट का निर्माण एक साल के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। निर्माण के बाद अगले दो वर्षों तक फर्म को इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह प्लांट गोरखपुर के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा और क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की दिशा में एक नई क्रांति लेकर आएगा। मुख्य अभियंता संजय चौहान के मुताबिक, यह प्लांट पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। घरेलू खतरनाक कचरे का सुरक्षित निपटान न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि रिसाइक्लिंग और कचरे से संसाधन पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया को भी बढ़ावा देगा। परियोजना के तहत सटीक निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा, जिससे कचरा प्रबंधन को पूरी तरह वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया जा सके।

लखनऊ में कार ने स्कूटी को आधा किमी घसीटा

लखनऊ । एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। घटना के बाद स्कूटी कार के बोनट में फंस गई, जिसे कार सवार आधा किलोमीटर तक घसीट कर ले गया। घटना एफआईआर इलाके में आउटर रिंग रोड किसान पथ पर हुई। बाइक सवार अन्य युवकों ने कार का पीछा कर वीडियो बना ली और पुलिस को सूचना दी। मौके पर कल्ली पश्चिम पुलिस चौकी प्रभारी प्रभात बलियान, रजित मिश्रा और कॉन्स्टेबल शिवम चौधरी टीम के साथ पहुंचे। कार सवार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं।

छह साप्ताहिकी उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम शुभारंभ

संवाददाता

कुशीनगर। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, ईडीआईआई, अहमदाबाद के शाखा कार्यालय द्वारा कुशीनगर स्थित वत्स कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर में छः साप्ताहिकी उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनको उद्यमिता के मुख्य विषयों जैसे- उद्यमि. के गुण, उद्यमी बनने के लाभ, उद्यम अवसरों की पहचान एवं उनका चयन, उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया, समस्या समाधान, विपणन, किस कार्य के लिए किससे मिले , के.वी.आई.बी के.वी.आई.सी एवं जिला उद्योग केन्द्र बैंक आदि के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाएं, ऋण प्रक्रिया, उपलब्धि प्रेरणा, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, लेखा एवं आय प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, कुशीनगर के सहायक प्रबंधक श्री के एम पांडेय ने अपने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित वत्स इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक मनोज कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण चला रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप ई.डी.आई.आई. द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का पूरा लाभ उठा सकेंगे और अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने पूर्व में अपने यहां आयोजित इसी प्रकार के कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि ईडीआईआई बार अकाउंटेंसी पर आधारित कार्यक्रम चलाया गया था। उक्त कार्यक्रम में भाग लेने वाले कई प्रतिभागियों ने अपना स्वयं का कार्य शुरू कर दिया है, जिन्हें मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। इसी प्रकार आप भी सफल हों। यही मेरी कामना है। ई.डी.आई.आई. के परियोजना अधिकारी विजय कुमार पांडेय ने कहा कि परंपरागत रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे युवक-युवतियों को नौकरी मिलना काफी कठिन होता है। ऐसे में स्वरोजगार करके हम न केवल अपने लिए रोजगार सृजित करेंगे बल्कि दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। वही इस कार्य में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ला जी का पैतृक निवास भी कुशीनगर जिले में है और उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि हमारे देश और प्रदेश के साथ-साथ कुशीनगर के लोग भी अधिक से अधिक उद्यमिता को अपनाएं और स्थानीय स्तर पर स्थानीय संसाधनों के माध्यम से स्वरोजगार विकसित करें। इससे युवाओं का पलायन रोकने में भी मदद मिलेगा।

संक्षिप्त डायरी

गैंगस्टर एक्ट के तीन गुनाहगारों को चार-चार साल की सख्त सजा के साथ ही पन्द्रह हजार रुपये का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 2008 में दर्ज हुये गैंगस्टर एक्ट के मामले में जरिया थाना क्षेत्र के ग्राम पथखुरी निवासी अभियुक्त देवेन्द्र, हरसहाय सहित प्रमोद को हमीरपुर के एफटीसी फर्स्ट गैंगस्टर अदालत के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने चार- चार साल की सख्त सजा के साथ ही पन्द्रह हजार रुपये का किया जुमार्ना, जबकि इस मामले की जांच फतेहपुर डीसीआरबी के तत्कालीन एस आई रमेश चन्द्र ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। गौरतलब है कि जरिया थाना क्षेत्र ग्राम पथखुरी निवासी अभियुक्त देवेन्द्र पुत्र बाबूराम, हरसहाय पुत्र रामकुमार दर्जी सहित प्रमोद पुत्र जगराम अहिरवार के खिलाफ गिरोह बनाकर अपने साथियों के भौतिक और आर्थिक फायदे के लिये आम लोगों में डर और खौफ पैदा करने के मामले में जरिया थाने में अ०सं०-1475/2008 धाराझ2/3 गैंगस्टर के तहत 23 अक्टूबर 2008 को मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 20 नवंबर 2024 को हमीरपुर की एफटीसी फर्स्ट गैंगस्टर कोर्ट के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने तीनों अभियुक्तों को गुनाहगार मानते हुये चार-चार साल की सख्त सजा के साथ ही पांच-पांच हजार रुपये का किया जुमार्ना। जबकि गैंगस्टर एक्ट के इस संगीन मामले में अभियोजन की तरफ से दमदार पैरवी करते हुये एडीजीसी सुशील कुमार त्रिपाठी ने अदालत से तीनों अभियुक्तों को सख्त सजा देने की मांग की थी।

एडीजीसी- सुशील कुमार त्रिपाठी

चार साल की सख्त सजा के साथ ही ग्यारह हजार का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सदर कोतवाली में अ०सं०-290/2022 धाराझ376,450,323,506 आईपीसी सहित 3(2)5,3(1)द एससीएसटी एक्ट में रमेड़ी डाडां निवासी अभियुक्त किशन यादव पुत्र गनेश यादव के खिलाफ 20 सितंबर 2022 में पीड़ित के घर में घुसकर जातिसूचक लफ़्ज़ों के इस्तेमाल के साथ ही जान से मारने की धमकी देने के मामले में दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कंविक्शन के तहत 20 नवंबर 2024 को हमीरपुर की एससीएसटी एक्ट अदालत के स्कालर जज सुशील कुमार खरवार ने अभियुक्त किशन यादव को धारा-452,323,506 आईपीसी सहित 3(2)5, एससी/एसटी एक्ट के तहत गुनाहगार मानते हुये चार साल की सख्त सजा के साथ ही ग्यारह हजार रुपये का किया जुमार्ना। हालांकि इस मामले की जांच पूरी करते हुये तत्कालीन सीओ सदर रवि प्रकाश ने अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से इस मामले की जबरदस्त पैरवी करते हुये विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने अदालत से अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अवैध असलहे के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम कछवाकलां निवासी 24 वर्षीय अभियुक्त हिमांशु पुत्र कैलाश राजपूत, जबकि 27 वर्षीय अभियुक्त रामनरेश पुत्र चन्द्रशेखर राजपूत को एक अवैध देशी तमंचा, जबकि 3 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि पकड़े गये दोनों अभियुक्तों के खिलाफ जरिया थाने में मु०अ०सं० 298/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, जबकि अदालत ने दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया है। जबकि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से दिलीप श्रीवास्तव, एस आई रोहित यादव सहित हैड कांस्टेबल शिवेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

मदद कर 5 साल की बच्ची की बचाएं जानः पिता ने लोगों से की अपील

बस्ती । बनकटी स्थित देउमी गांव के पंकज कुमार अपनी पांच साल की बेटी की जान बचाने के लिए भटक रहे हैं। बिटिया गंभीर किडनी की बीमारी से जूझ रही है। अब तक के इलाज में पंकज की सारी जमा-पूंजी खत्म हो चुकी है। आर्थिक तंगी से बेहाल पिता ने अब लोगों और सरकार से मदद की गुहार लगाई है। बिटिया की हालत दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। इलाज के लिए मेरे पास अब एक भी पैसा नहीं बचा। मुख्यमंत्री और सभी लोगों से विनती करता हूं कि मेरी बच्ची को बचाने में मदद करें,ह पंकज ने रुंधे गले से कहा। पंकज की बेटी पिछले तीन साल से किडनी की गंभीर समस्या से जूझ रही है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि छह महीने तक दिल्ली में अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इस दौरान बच्ची का डायलिसिस भी हुआ। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज, एम्स, और लखनऊ जैसे बड़े अस्पतालों में इलाज कराने के बाद भी कोई खास सुधार नहीं हुआ। अब डॉक्टरों ने दिल्ली रेफर कर दिया है। पंकज बताते हैं कि सबसे पहले बच्ची का इलाज जिला अस्पताल में शुरू हुआ था। यहां हालत बिगड़ने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज और फिर एम्स भेजा गया।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

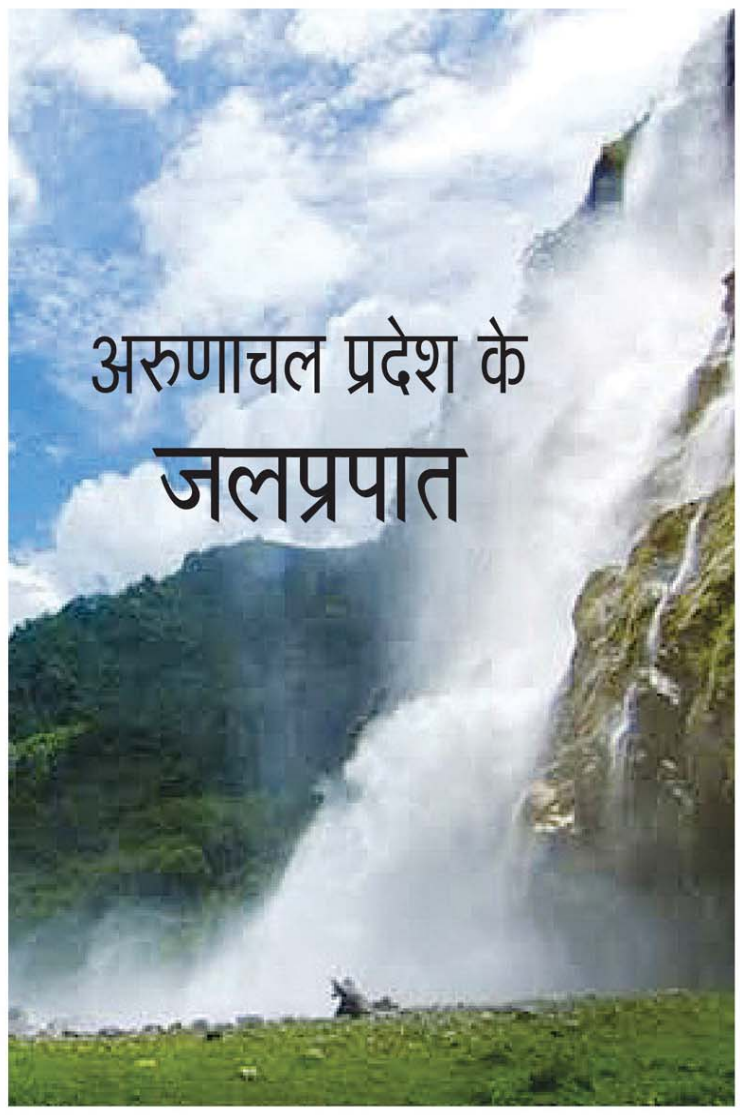

संक्षिप्त समाचार

सुमित वुड्स लिमिटेडने क्यू2 एफवाय25 में एकीकृत शुद्ध लाभ में 171 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी

मुंबई , एजेसी। सुमित वुड्स लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और सामुदायिक स्थानों के निर्माण में समर्पित है, ने क्यू2 एफवाय25 के लिए अपने अप्रत्यक्ष वित्तीय परिणामों की घोषणा की। सुमित वुड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मिताराम जांगिड ने कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जो हमारी केंद्रित रणनीति और प्रमुख प्रकल्पों में निरंतर सफलता को दर्शाता है। हमारी आय और लाभ में वृद्धि सुमित अतुल्यम जैसे रणनीतिक प्रकल्पों की सफलता के परिणामस्वरूप हुई है, और प्रभादेवी और दत्तानी ट्रेड सेंटर में हमारे नए प्रकल्पों के आसपास सकारात्मक घटनाक्रमों के कारण हुई है। ये मील के पत्थर यह दर्शाते हैं कि हम लगातार मूल्य सृजन करने और वृद्धि के लिए नए अवसरों को खोलने में सक्षम हैं। प्रमुख प्रकल्पों की समाप्ति और आर्केन्सिएल के लिए ऑक्युपन्सी सर्टिफिकेट और सुमित चरूक्र परम के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे महत्वपूर्ण अनुमोदनों की प्राप्ति यह साबित करती है कि हम समय पर गुणवत्ता वाले प्रकल्प देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रभादेवी और दत्तानी जैसे उच्च-मूल्य पुनर्विकास प्रकल्पों के लिए विकसक के रूप में चयन होना रियल एस्टेट क्षेत्र में हमारी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है।

फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

चेन्नई, एजेसी। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, ने एच1 एफवाय 2024-25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी- फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री बेजॉय अर्पुथराज ने कहा, फैंटमएफएक्स में हमने जो उल्लेखनीय प्रगति और वृद्धि हासिल की है, उस पर मुझे अत्यधिक गर्व है। इस छमाही में कंपनी के लिए एक परिवर्तनकारी समय रहा है, जिसमें राजस्व में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 79 करोड़ तक पहुंच गया है– जिसमें से 35 करोड़ एच1 में प्राप्त हुए, जबकि शेष 44 करोड़ की बिलिंग ॥2 में अपेक्षित है। हम एफवाय 23-24 के हमारे प्रदर्शन के अनुरूप सतत परिचालन मार्जिन बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

इंस्पायर फिल्म्स ने एच1 एफवाय25 के परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेसी। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड जो कि एक प्रमुख कंटेंट क्रिएशन और प्रोडक्शन कंपनी है, ने एच1 एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 20-एपिसोड रोमांस ड्रामा के लिए वैश्विक ओटीटी सौदा प्राप्त- डिजिटल मनोरंजन में रणनीतिक विस्तार, एक बेस्टसेलिंग उपन्यास की लोकप्रियता का लाभ उठाकर वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश। भारतीय प्रसारण नेटवर्क के साथ प्रमुख वितरण सौदा- एक प्रमुख जीईसी पर प्रसारित होने वाली तीन वेब श्रृंखलाएं, विविध शैली की पेशकशों के माध्यम से इंस्पायर फिल्म्स के राजस्व और दर्शकों के आधार को बढ़ाएंगी। फ्रेश मिंट भारत की युवा पीढ़ी को संबंधित कहानियों और विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर नए राजस्व अवसरों के साथ लक्षित करता है।

अडाणी ग्रुप के शेयरों में भूचाल, गौतम अडाणी के नेटवर्थ में भी 12.1 अरब डॉलर की गिरावट

अडाणी ग्रुप की कंपनियों के मार्केट कैप में 2.25 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और एक अन्य के खिलाफ अमेरिकी अदालत में रिश्वतखोरी का आरोप लगने के बाद घरेलू शेयर बाजार में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयर भी बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। इस गिरावट के कारण ग्रुप की कंपनियां के मार्केट कैप में एक झटके में 2.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। खुद गौतम अडाणी के नेटवर्थ में भी 12.1 अरब डॉलर की कमी आ गई। फॉर्ब्स रियल टाइम बिलियनर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अडाणी आज के टॉप 10 लूजर्स की सूची में शामिल हो गए। उनका नेटवर्थ 69.8 अरब डॉलर से घटकर 57.7 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया। इसके साथ ही दुनिया के अमीर लोगों की सूची में भी गौतम अडाणी लुढ़क कर 25वें स्थान पर आ गए।

स्टॉक मार्केट में आज का कारोबार शुरू होने के साथ ही अडाणी ग्रुप की कंपनियां के शेयर दबाव में आ गए। इस दबाव के कारण ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 23 प्रतिशत तक टूट कर 2,155.05 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में हुई मामूली खरीदारी के कारण अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 637.85 रुपये यानी 22.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,183.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसी तरह अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर 174.30 रुपये यानी 20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 697.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच कर बंद हुए। वहीं अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर आज के कारोबार के बाद 267 रुपये यानी 18.90 प्रतिशत टूट कर 1,145.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। दिन के कारोबार में अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1,132 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए थे। हालांकि बाद में खरीदारों का साथ मिल जाने के कारण इस शेयर की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। इसी तरह अडाणी विल्मर के शेयर आज 32.75 रुपये यानी 10 प्रतिशत गिर कर 294.90 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए।

इसी ग्रुप की एक और बड़ी कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन के शेयर 175 रुपये यानी 13.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,114.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले बाजार खुलते ही कंपनी के शेयर 995.65 रुपये के स्तर तक गिर गए थे। इसी तरह अडाणी पावर के शेयर आज 47.95 रुपये यानी 9.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 476.15 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले बाजार खुलते ही ये शेयर लुढ़क कर 432 रुपये के स्तर पर आ गया था। इसी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस के शेयर आज 69.85 यानी 10.40 प्रतिशत टूट कर 601.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके पहले दिन के कारोबार में ये शेयर 545.75 के स्तर तक लुढ़क गया था।

अंबुजा सीमेंट के शेयर में भी आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ये शेयर 65.40 रुपये यानी 11.90 प्रतिशत लुढ़क कर 484.15 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले दिन के कारोबार में इस शेयर ने 453.05 रुपये तक गोता लगाया था।

अडाणी केस के चक्कर में टूटा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में 5.35 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत में अडाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडाणी पर लगे आरोपों की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि अडाणी ग्रुप द्वारा आरोपों के संबंध में दी गई सफाई के बाद शेयर बाजार की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, लेकिन बाजार पर लगातार दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान एनर्जी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, रियल्टी, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 425.31 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.66 लाख करोड़ रुपये था।

अडाणी ग्रुप की एक और सीमेंट कंपनी एसीसी के शेयर भी आज 158.50 रुपये यानी 7.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,027.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। हालांकि बाजार खुलने के तुरंत बाद ये शेयर 1,868.20 रुपये के स्तर तक गिर गया था। अडाणी ग्रुप की ही मीडिया कंपनी एनडीटीवी को तुलनात्मक तौर पर काफी कम नुकसान हुआ। ये शेयर आज 1.12 रुपये यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 167.67 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार खुलने के तुरंत बाद इस शेयर ने भी 143.60 रुपये के स्तर तक गोता लगाया था।

''एक घर मकान से कहीं बढ़कर होता है''– 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में अपने सपनों का घर खोज रहीं हैं आस्था गिल

मुंबई , एजेसी। पॉप म्यूजिक की बेहद टैलेंटेड सनसनी आस्था गिल अपने सपनों का घर खरीदने के मिशन पर है। इस मिशन में उन्हें अपने दर्शकों का साथ भी मिल रहा है, क्योंकि उसका चुनाव वह सोनी लिव के शो 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में कर रही हैं। यह सिंगर-सॉन्गराइटर, जोकि अपने चार्ट-टॉपिंग हिट्स के लिये मशहूर है, अब लक्जरी रियल एस्टेट की दुनिया की खोज कर रही हैं। उन्हें अपने सपनों के घर की डील पक्की होने की पूरी उम्मीद है। आस्था ने रोमांचित होकर कहा, ''घर सिर्फ वह चार दीवारें नहीं हैं, जिन पर छत टिकी होती है। घर में यादें बनती हैं और वह प्यार तथा सुख देने वाला एक स्वर्ग होता है। मैं अपने लिये परफेक्ट जगह, यानि सपनों के घर की तलाश में हूँ। और 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' ने मेरे पूरे अनुभव को निजी और शानदार एहसास दिया है। मुझे लगा ही नहीं कि मैं किसी शो में हूँ; ऐसा लगा जैसे मैं असल में इन बेहतरीन घरों का दौरा कर रही हूँ। मैं जल्दी से जल्दी अपनी माँ को यह शानदार घर दिखाकर उनकी प्रतिक्रिया देखना चाहती हूँ।''

घरों में सोच-समझकर तैयार की गई हर चीज़ और स्टोरेज के शानदार समाधानों ने आस्था को खासतौर पर आकर्षित किया। उन्होंने रियल्टर नवदीप की भी जमकर तारीफ की, जिनकी विशेषज्ञता और अपनेपन ने आस्था पर गहरा असर डाला। ''शो में निजी तौर पर नवदीप के काम को देखना प्रेरक रहा- मैं पहले से कहीं ज्यादा प्रभावित हूँ!''

भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी प्रतिष्ठित शाखा की शताब्दी विरासत और उत्कृष्टता का जश्न मनाया

मुंबई , एजेसी। भारतीय स्टेट बैंक की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए, भारत की माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एसबीआई की प्रतिष्ठित हॉर्निमैन सर्किल शाखा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष रूप से ढाले गए 100 के स्मारक सिक्के का अनावरण किया। सिक्के के लॉन्च के साथ-साथ, उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के विकास के 5वें संस्करण का भी अनावरण किया, जिसमें 1981 से 1996 के बीच बैंक की यात्रा के परिवर्तनकारी युग का वर्णन किया गया है। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, निरमला सीतारमण ने कहा, एसबीआई की उल्लेखनीय यात्रा, जो अपनी प्रतिष्ठित शाखा के शताब्दी समारोह के साथ समाप्त हो रही है, विकास और सेवा की एक असाधारण विरासत को दर्शाती है। 1920 के विलय के समय 100 शाखाओं से लेकर आज 22,640+ शाखाओं तक, वित्त वर्ष 2025 में 500 और जोड़ने की योजना के साथ, एसबीआई अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। एसबीआई का योगदान आंकड़ों से कहीं आगे जाता है - इसने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक को अपनाकर और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करके भारत के बैंकिंग परिदृश्य को बदल दिया है। परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने की इसकी यात्रा विरासत शाखाओं के संरक्षण में परिलक्षित होती है, जबकि इसके प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे कि योनो, वैश्विक मंच पर भारत की फिनटेक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।

लिस्टिंग के साथ ही कल इन निवेशकों को होगा 5 गुना तक फायदा !

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रक ऑपरेटरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर 21 नवंबर यानी कल गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने के लिए तैयार हैं। कंपनी के इश्यू को तीन दिन में 1.86 गुना सब्सक्राइब किया गया। इस 1,115 करोड़ रुपये के आईपीओ का प्राइस बैंड 259-273 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के शेयरों की पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद है। इसी के साथ शुरुआती निवेशकों को इससे पांच गुना तक का तगड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

क्या है डिटेल

जिंका के शुरुआती निवेशकों में क्विकराउट्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड शामिल है, जिसने 2015 में 52.04 रुपये प्रति शेयर की औसत अधिग्रहण लागत पर निवेश किया था। इसके अलावा अन्य एक्सेल इंडिया (2015 में 62.71 रुपये), सैंड्स कैपिटल (132.09 रुपये), इंटरनेट फंड पीटीई (69.07 रुपये) और पीक ङ्क्ङ (2018 में 308.98 रुपये) ने निवेश किया था

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शेयर बिक्री में 4,19,40,018 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जबकि बिक्री के लिए 2,25,67,270 शेयरों की पेशकश की गई थी। क्यूआईबी के हिस्से को 2.76 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि रिटेल निवेशकों की कैटेगरी को 1.65 गुना सब्सक्राइब किया गया था। गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटा को 24 प्रतिशत सब्सक्राइब किया गया था। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 501 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

ईएसआईसी से जुड़े 20.58 लाख श्रमिक, पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की अच्छी संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से 20.58 लाख नए श्रमिक जुड़े हैं। इनमें 10.5 लाख युवा हैं, जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की संख्या भी काफी अच्छी रही है। युवाओं की संख्या कुल रजिस्टर्ड हुए श्रमिकों की संख्या का 48.83 प्रतिशत है।

बीते वर्ष की समान अवधि में 18.88 लाख श्रमिक ईएसआईसी में रजिस्टर हुए थे। इस लिहाज से सालाना आधार पर भी 1.70 लाख श्रमिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाओं के हिसाब से देखा जाए तो सितंबर में 3.91 लाख महिलाएं ईएसआईसी में रजिस्टर हुई हैं, जिनमें बड़ी संख्या उन युवा

महिलाओं की है जिन्होंने पहली बार नौकरी शुरू की है। वहीं, 64 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराया है।

ध्यान रहे कि ऐसे कर्मचारी, जिनका मासिक वेतन 21 हजार रुपये से कम हो वो सभी कर्मचारी ईएसआईसी से जुड़ने के पात्र होते हैं। ईएसआईसी से जुड़ने वाले संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। साथ ही, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा देखभाल की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

बैटरी, चार्जिंग सेवा पर जीएसटी दर कम हों

इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए बैटरी और चार्जिंग सेवाओं पर जीएसटी कम करने की जरूरत है। उद्योग मंडल फिक्की इलेक्ट्रिक वाहन समिति की चेयरपर्सन सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने ईवी पर फिक्की के राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर बिजलीचालित वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव कोष को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ईवी पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि बैटरी पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इसे घटाकर पांच प्रतिशत किया जाए, ताकि जब उपभोक्ता बैटरी बदले तो यह अधिक किफायती हो।

झारखंड के विकास में वेदांता के प्रमुख सीएसआर योगदानों को उजागर करते हुए, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन ने जारी की वित्त वर्ष 2024 की सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट

रांची/बोकारो(बिभा): वेदांता लिमिटेड की सामाजिक पहल शाखा, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (आफ), ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी सामाजिक पहलों की घोषणा की है। फाउंडेशन ने 437 करोड़ रुपये का निवेश कर भारत के 1.73 करोड़ से अधिक लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया है। फाउंडेशन की वार्षिक सोशल इम्पैक्ट रिपोर्ट, स्नर्चरिंग, ट्रांसफॉर्मिंग, लीडिंग: इंडिया'स ग्रोथ स्टोरीस, में 153 उच्च प्रभावशाली परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है, जो 1,200 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, महिला एवं बाल विकास, कौशल व आजीविका, पशु कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

इस वर्ष झारखंड में, वेदांता की सहायक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड, जो बोकारो में स्थित एक एकीकृत स्टील उत्पादक है, ने 1,29,000 जिंदगियों को सीधे लाभ पहुंचाकर समुदायों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

झारखंड अपनी समृद्ध तीरंदाजी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे में, वेदांता ईएसएल आर्चरी एकेडमी 50 युवा तीरंदाजों के लिए एक प्रेरणा स्तंभ बनी हुई है। यह एकेडमी उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन कोचिंग, आधुनिक उपकरण, पौष्टिक भोजन और यूनिफॉर्म प्रदान करती है। अपनी स्थापना के बाद से ही एकेडमी ने विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं के आयोजन किए हैं, जो न सिर्फ तीरंदाजों की प्रतिभा को सबके सामने लाती है, बल्कि उन्हें प्रतिस्पर्धा करने और चैंपियन के रूप में उभरने का अवसर भी प्रदान करती है। एकेडमी द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट आर्चरी टूर्नामेंट और वेदांता चैलेंज इंटर-एकेडमी टूर्नामेंट में तीन छात्रों को बोकारो जिला तीरंदाजी और ओलंपिक तीरंदाजी संघ

द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए मान्यता दी गई है। वहीं, एकेडमी की तीरंदाज आरती कुमारी को नेशनल स्पोर्ट्स डे पर उनके नेशनल्स में तीन स्वर्ण पदकों की शानदार उपलब्धि के लिए ओलंपिक तीरंदाजी संघ द्वारा सम्मानित किया गया।

बोकारो जिले के बुद्वीबिनोर गांव की रहने वालीं शबनम परवीन की कहानी प्रेरणादायक है। आर्थिक कठिनाइयों और मात्र 12,000 रुपये की पारिवारिक आय की वजह से उन्हें अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ी। पढ़ाई पूरी न होने के कारण उनके रोजगार के अवसर भी सीमित हो गए। इसके बाद शबनम ने वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल के सोलर पीवी तकनीशियन कोर्स में दाखिला लिया, जिसके परिणामस्वरुप उनके हालातों में कुछ सुधार हुआ। इस कोर्स के तहत उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, भोजन और आवास की उचित सुविधा मिली। कोर्स पूरा करने के बाद, शबनम अपने गांव की पहली लड़की बनीं, जिन्होंने सोलर सेक्टर में नौकरी हासिल की। अब वे आय के रूप में प्रति वर्ष 1.98 लाख रुपये अर्जित कर रही हैं। शबनम की यह यात्रा यह दशार्ती है कि कौशल विकास और दृढ़ संकल्प के माध्यम से किस प्रकार से जीवन को बदला जा सकता है। उनकी सफलता अन्य युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है।

वेदांता लिमिटेड की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, वेदांता में, हमारी मूल विचारधारा 'अर्थ' (जो मूल्य हम उत्पन्न करते हैं) और 'धर्म' (जो मूल्य हम वापस देते हैं) हमें समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को मार्गदर्शन प्रदान करती है। हमारी हर पहल- चाहे वह बच्चों का पोषण और स्वास्थ्य देखभाल हो, कौशल विकास और आजीविका, खेलों का प्रचार, सांस्कृतिक संरक्षण हो या अन्य कोई पहल- ये सभी हमारे समावेशी और सशक्त भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा झारखंड में संचालित सीएसआर पहलें, कंपनी की परिचालन उत्कृष्टता और सतत विकास के लक्ष्यों का एक अभिन्न हिस्सा हैं। नाबार्ड की प्रमुख परियोजना वाडी और ग्रामीण सेवा संग के साथ साझेदारी के माध्यम से, वेदांता ईएसएल ने आदिवासी समुदायों के लिए बागवानी आधारित विकास में योगदान दिया है। इस पहल के तहत, 8 गांवों के 500 आदिवासी किसानों को लाभ पहुँचा है। इस परियोजना के माध्यम से 450 एक-ड़ बंजर भूमि को उपजाऊ कृषि भूमि में तब्दील किया गया है, जिससे किसानों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, 450 किसानों के लिए आय के नए अवसर भी खुले हैं।

युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य के तहत वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल, सीड्स के साथ मिलकर सोलर पीवी इंस्टॉलेशन और सिलाई मशीन संचालन में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस पहल के तहत अब तक 150 से अधिक बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिनमें से 80% को प्रमुख अक्षय ऊर्जा कंपनियों में रोजगार मिला है।

शिक्षा के क्षेत्र में, प्रोजेक्ट प्रेरणा को सार्थक सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया। इस पहल ने 700 से अधिक सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को रेमेडियल कोचिंग और विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित किया है।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख महिला एवं बाल परियोजना नंद घर के तहत 14 राज्यों में प्रोजेक्ट के आरंभ से 6,044 आधुनिक और उन्नत आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें झारखंड में वेदांता ईएसएल स्टील द्वारा संचालित 150 केंद्र भी शामिल हैं। ये नंद घर भारत भर में 2,38,161 बच्चों और 1,78,620 महिलाओं को प्रारंभिक बाल शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवाएँ और महिलाओं के लिए कौशल विकास जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

इन परियोजनाओं के अलावा, ईएसएल स्टील लिमिटेड के माध्यम से वेदांता समुदायों के जीवन में बेहतर बदलाव ला रहा है। इसके प्रोजेक्ट आरोग्य ने बोकारो के चास और चंदनकियारी ब्लॉक के 27 गांवों के 41,816 निवासियों को नियमित मोबाइल हेल्थ वैन सेवाओं (एमएचवी) के माध्यम से लाभ पहुँचाया। प्रोजेक्ट निर्माण सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव, तालाब की खुदाई और घाट निर्माण आदि जैसे कार्यों के माध्यम से 19,400 जिंदगियों को बेहतर बना रहा है।

वेदांता लिमिटेड खनिज, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनियों में से एक है। यह अपने 19 सब्सिडियरी के माध्यम से भारत के कई राज्यों में कार्यरत है। कंपनी ने 5 वर्षों में अपनी सीएसआर पहलों को और बेहतर करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का संकल्प लिया है, ताकि एक सतत और समावेशी भविष्य का निर्माण किया जा सके।

पार्टियों के लिए चुनाव जीतने का एकमात्र फंडा मुफ्त रेवड़ी कल्चर

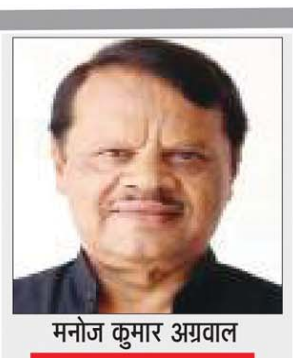

मनोज कुमार अग्रवाल

मतदाता को ही सोचना होगा कि ऐसी रेवड़ियां भले फायदेमंद लगें मगर इनसे सरकारी कोष पर पड़ने वाला भार देर सबेर उसी से वसूला जाना है। सड़क बिजली पानी जैसे अधोसंरचनात्मक विकास के प्रभावित होने और महंगाई बेरोजगारी बढ़ने जैसे अन्य प्रभाव भी अंततः उसी के सिर पड़ने वाले हैं। अंत में मामला कुल मिलाकर इस हाथ दे और उस हाथ ले वाला ही साबित हो जाना है। यह जागरूकता जितनी जल्द आए उतना अच्छा होगा।

मध्यप्रदेश सरकार अटल ग्रह ज्योति स्कीम में बिजली सब्सिडी घटाने की तैयारी में है। वर्तमान पात्रता 150 यूनिट है जिसे 100 करने का प्रस्ताव है जिससे लगभग 62 लाख उपभोक्ता स्कीम से बाहर हो जाएंगे। किसानों को झटका देने की तैयारी भी है जिन्हें लगभग दोगुनी महंगी बिजली मिलेगी। करदाता के पैसे से मुफ़्त रेवड़ी बांटकर वोटों की फसल काटने के लिए सारे देश में मिसाल बन चुकी सरकार का यह कदम आश्चर्यजनक है। लगता है कि चुनाव की वैतरणी पार कर लेने के बाद अब सरकार को अपनी जेब में हुए छेद की फि क्र सताने लगी है।

मध्यप्रदेश सरकार की मुफ़्त पैसा बांटने वाली लाड़ली बहना जैसी ग्यारंटीड चुनावी सक्सेस वाली योजना ऐसी मिसाल है जिसका विधानसभा चुनावों में देश के तमाम राजनीतिक दलो ने अंधानुकरण किया है। ताजा नजीर महाराष्ट्र की है जहां भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजित पवार की साझा सरकार ने एन चुनाव के पहले बहनों के वोट बटोरने का न सिर्फ ऐसा ही दांव खेला है बल्कि एक कदम आगे बढ़कर भाइयों को भी इसमें शामिल कर लिया है। बहरहाल महाराष्ट्र वित्तीय रूप से सुदृढ़ राज्य है और अपनी औद्योगिक और व्यापारिक अधोसंरचना के चलते ऐसी योजनाएं चलाने में सक्षम साबित हो सकता है। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि आधारित है। औद्योगीकरण के लिए जरूरी अधोसंरचना का शुरू से अभाव रहा है और अभी तक का इतिहास देखें तो इस दिशा में हुए प्रयास ज्यादा सफल नहीं रहे हैं। औद्योगीकरण आकर्षित करने के तमाम सरकारी आयोजनों के बावजूद स्थापित उद्योग मूलतः मध्यम और लघु श्रेणी के ही हैं। आर्थिक बदहाली के कारण समय पर सब्सिडी न मिलने से ये उद्योग भी बदहाली का शिकार हैं। नतीजतन उनसे पैदा होने वाले रोजगार की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं।

मुफ़्त रेवड़ी कल्चर पर होने वाली बहस में अक्सर प्रश्न उठता है : इनसे सरकारें मतदाता को भ्रष्ट बनाती हैं या

मतदाता का लालच सरकारों को ऐसे भ्रष्टाचार के लिए मजबूर करता है ? इनमें होने वाला गड़बड़ झाला परिचय का मोहताज नहीं है। कन्यादान योजना में दी जाने वाली एकमुश्त रकम की लालच में विवाहित जोड़ों का पुनः विवाह और दहेज में दिए जाने वाले सामान की सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार की खबरें सुर्खियां रही हैं। सरकारी खर्च पर दी जाने वाली मंगलसूत्र जैसी पवित्र वस्तु की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार होता रहा है। निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले वंचित वर्गों के छात्रों की छात्रवृत्ति के वितरण में भी करोड़ों का भ्रष्टाचार होता रहा है। फायदा उठाने वाले चुपचाप जो मिल रहा है बहुत है की भावना से आधा पाकर पूरे पर दस्तखत कर देते हैं। सरकारी कारिंदे और उनके आका बाकी आधा अंदर करते हैं। नेता भी मजे से अपना हिस्सा वसूलता है और वोट की फसल बोता है। रेवड़ी कल्चर पर बहस में यह भी कहा जाता है कि इससे उत्पादकता में कमी होती है। भारतीय समाज मूल रूप से संतोषी स्वभाव का है। आज का इंतजाम हो जाए , कल की कल देखेंगे की मानसिकता वाला। ऐसे में मुफ़्त की रेवड़ियों से उत्पादकता प्रभावित होने का अंदेशा स्वाभाविक है।

इन लोक लुभावन योजनाओं पर कितनी भी बहस हो, एक बात तय है। जिस तरह से तमाम राजनीतिक दलों ने इन्हें अंगीकार किया है, ऐसी योजनाएं जल्द जाने वाली नहीं हैं। नित नए कलेवर में आती रहेंगी। वंचित और कमजोर वर्गों की सहायता बुरी नहीं है बशर्ते वह सुपात्रों तक पहुंचें और भ्रष्टाचार का साधन न बने। स्व. प्रधानमंत्री राजीव गांधी का रुपए में से मात्र पंद्रह पैसे ही गरीब आदमी तक पहुंचने वाला बयान आज भी सामयिक है। बैंक खाते में सीधे जमा होने वाली सब्सिडी रकम के जरिए यह भ्रष्टाचार कम हो सकता है।? आधार और जन-धन खातों ने इसे सुगम भी बनाया है। ऐसी मदद पूरी तरह सीधे गरीब तक पहुंचती है।? रास्ते में होने वाला भ्रष्टाचार भी रुकता है।? मगर आदमी का दीर्घकालिक फायदा सड़क बिजली पानी जैसी अधोसंरचना के विकास में है। मुफ़्त रेवड़ियां फौरी राहत तो देती हैं मगर उनकी कीमत पर विकास का पिछड़ना सार्वजनिक हित में नहीं है। प्रदेश सरकार लगभग पौने चार लाख करोड़ के कर्ज के बोझ तले दबी हुई है। बीस हजार करोड़ प्रतिवर्ष से अधिक की राशि सिर्फ ब्याज चुकाने में जा रही है। उस पर गाहे-बगाहे कर्ज उठाने की खबरें आती रहती हैं। सरकारी नुमाइंदे कहते हैं कि कर्ज अभी भी रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित शर्तों के अंदर है। मगर सिर्फ इस आधार पर और कर्ज उठाना ठीक नहीं बैठता। बढ़ते कर्ज और ब्याज का बोझ अंततः विकास प्रभावित करता है। मुद्रास्फीति महंगाई बढ़ाती है जिसका भार अंततः आम आदमी पर पड़ता है।

मध्यप्रदेश सरकार का बिजली सब्सिडी में कमी का प्रस्ताव बताता है कि अब ऐसी योजनाएं राजकोषीय घाटे को इस हद तक प्रभावित करने की स्थिति में आ गई हैं कि सरकारें सोचने पर मजबूर हों। सौभाग्य से देश में रिजर्व बैंक जैसी दीर्घकालिक वित्तीय अनुशासन को देखने वाली संवैधानिक स्वायत्त संस्था है जो सच्चे अर्थों में राजनीतिक हितों से परे रहकर निर्णय लेती है। तात्कालिक चुनावी फायदा देखने वाले राजनैतिक दलों से उम्मीद बेमानी है। मतदाता को ही सोचना होगा कि ऐसी रेवड़ियां भले फायदेमंद लगें मगर इनसे सरकारी कोष पर पड़ने वाला भार देर सबेर उसी से वसूला जाना है। सड़क बिजली पानी जैसे अधोसंरचनात्मक विकास के प्रभावित होने और महंगाई बेरोजगारी बढ़ने जैसे अन्य प्रभाव भी अंततः उसी के सिर पड़ने वाले हैं। अंत में मामला कुल मिलाकर इस हाथ दे और उस हाथ ले वाला ही साबित हो जाना है। यह जागरूकता जितनी जल्द आए उतना अच्छा होगा।

संपादकीय

महायुद्ध का खतरा

रूस के खिलाफ यूक्रेन को लंबी दूरी के मिसाइल की खुली छूट कर अमेरिका, ब्रिटेन सहित अन्य पश्चिमी देश 'कयामत' को न्योता दे रहे हैं। अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टार्म में शैडो मिसाइलों की आपूर्ति की है जिसका रूस के अंदरूनी हिस्सों में इस्तेमाल किया गया है। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को एंटी पर्सनल लैंडमाइन का इस्तेमाल करने की भी अनुमति दे दी है। ये सभी कार्रवाई

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उकसाने वाली है। यदि अमेरिका और पश्चिमी देशों की रूस को भड़काने वाली नीतियां जारी रही तो पुतिन उन्हें अवश्य दंडित करेंगे। जाहिर है इससे यूरोप में बड़े पैमाने पर जंग छिड़ सकती है जिसमें परमाणु हथियारों के प्रयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यूक्रेन को अमेरिकी मदद से नाराज राष्ट्रपति पुतिन देश की परमाणु नीति में बदलाव किया है, जिसके तहत प्रावधान किया गया है कि अगर किसी एटमी ताकत की मदद से गैर-एटमी देश रूस पर पारंपरिक हथियारों से भी हमला करता है तो रूस जवाबी कार्रवाई में एटमी हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। यूक्रेन द्वारा अमेरिका और ब्रिटेन के मिसाइलों के इस्तेमाल के बाद रूस ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। इसके बाद अमेरिका सहित इटली, स्पेन और ग्रीस ने यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित अपने दूतावासों को बंद कर दिया है। अमेरिका और पश्चिमी देश परमाणु युद्ध के खतरे को नजरअंदाज कर रूस-यूक्रेन युद्ध की आग में घी डालने पर आमादा हैं। यूक्रेन संकट के बाद दुनिया का क्या खाका बनेगा अभी यह निश्चित नहीं है। घटना कोई भी रूप ले सकती है। यूक्रेन का घटनाक्रम कुछ दिनों या कुछ महीनो का नतीजा नहीं है। बरसों से सुलग रहा ज्वालामुखी फटा है। विश्व नेताओं की यह अदूरदर्शिता है कि उन्होंने बरसों तक भावी संकट से बचाव का कोई उपाय नहीं किया। इसके विपरीत उन्होंने इसका इस्तेमाल दुनिया पर अपना दबदबा बनाए रखने के लिए किया। विश्व शांति और स्थिरता बनाए रखने की बजाय अपना वर्चस्व स्थापित करने का यह स्वाभाविक नतीजा था कि महाशक्तियां आमने-सामने आ जाएं। भारत ने इस घटनाक्रम पर जो रवैया अपनाया है वह दुनिया के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। भारत का जोर टकराव टालने और संघर्ष को रोकने के लिए कूटनीति और बातचीत का सहारा लेने का रहा है।

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सवार्गीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत वाणी की तरह असत व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है।

दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

आतंकवादियों के निशाने पर पाकिस्तान अर्थात् बोया पेड़ बबूल का आम कहां से होय

डॉ. हिदायत अहमद खान

आतंकवादी हमला चाहे जहां भी हो, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस समय पाकिस्तान आतंकवादियों के निशाने पर है। पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में आतंकवादियों ने बड़े हमले कर न सिर्फ अपनी मौजूदगी को पुख्ता तौर पर दर्ज कराने का काम किया बल्कि अपनी ही सरकार के प्रति नाराजगी को भी बतला दिया है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि आतंकवाद पाकिस्तान की अपनी खुद की उपज है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक दिन पहले ही आर्तकियों ने पैसेंजर वैन पर गोलियां बरसाकर करीब 50 लोगों को हलाक कर दिया। इस हमले में एक पुलिस अधिकारी सहित दर्जनों लोग घायल हुए हैं। हमले के संबंध में बताया गया कि पैसेंजर वैन जैसे ही लोअर कुर्रम के ओचुट काली और मंदुरी के करीब से गुजरी, वहां पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने उस पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस हमले से पहले आतंकवादियों ने पाकिस्तानी सेना की पोस्ट में एक आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 12 सैनिकों की मौत हो गई थी। इस दौरान 6 आतंकी भी मारे गए थे। इन आतंकी हमलों की पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कड़ी निंदा की और मृतकों के शोक संतप्त

परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। यह दस्तूर है जिसे हर आतंकी हमले के बाद सरकार को निभाना पड़ता ही है। इन घटनाओं के अलावा भी पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में आतंकी हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन सवाल यही है कि आखिर आतंकवादियों ने पाकिस्तान में अचानक तो प्रवेश नहीं किया है। सच तो यह है कि आतंकवाद आज पाकिस्तान के लिए जो नासूर बन गया हे, वह पहले कभी इसकी ढाल हुआ करता था। इन आर्तकियों को लेकर पाकिकस्तान पर सदा से आरोप लगते रहे है कि पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने के साथ सरकारों को अस्थिर करने के लिए बड़ी तादाद में हमले कराने का काम पूर्व में पाकिस्तान के द्वारा किया जाता रहा है। आतंकवादियों के हमलों से सदा परेशान रहने वाले भारत ने तो अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अनेक दफा पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को प्रश्रय देने का मामला उठाया। यह अलग बात है कि इस समस्या का कोई पुख्ता हल न तब निकला और न अब निकल रहा है। हल इसलिए भी नहीं निकल सकता क्योंकि पाकिस्तान में स्थित सरकार का सदा से टोटा रहा है। पाकिस्तान में सेना द्वारा लोकतांत्रिक सरकारों को बूटों तले रौंदने की परंपरा का पालन होता आया है। ऐसे में आतंकवादियों को पालने और उनके बेजा इस्तेमाल से इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां वर्दी से काम नहीं लिया जा सकता वहां यही आतंकवादी काम आते हैं।

यहां कहना गलत नहीं होगा कि जिस आतंकवाद रुपी सांप के सपोले को दूध पिलाकर पाकिस्तान ने बड़ा किया अब वह खतरनाक अजगर का रुप धारण कर चुका है। वह अजदहा अपनी भूख मिटाने के लिए अपने ही पालने वालों को निगल रहा है। इसके बाद इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमले कौन सा आतंकी संगठन कर रहा है या कौन करवा रहा है, क्योंकि यह समस्या पाकिस्तान ने खुद की इजाद की हुई है। बावजूद इसके आतंकवाद किसी भी स्तर पर हो और कहीं पर भी हो सही नहीं ठहराया जा सकता है। इसलिए आतंकी हमलों की जितनी भर्तसना की जाए कम होगी। जहां तक पाकिस्तान की नीति का सवाल है तो इस पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं। हद तो यह है कि लंबे समय से पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी बता रही हैं कि सऊदी अरब ने उनके पति को सत्ता से बेदखल करने के लिए साजिश रची थी। उसी साजिश का नतीजा है कि आज इमरान जेल में हैं और उन पर शिकंजा कसा जा रहा है। बुशरा बीबी ने एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से कथित तौर पर सऊदी अरब के अधिकारियों ने इमरान के खिलाफ जहर उगला था। बुशरा बीबी ने याद दिलाते हुए बताया, कि जब इमरान खान सऊदी अरब की धार्मिक यात्रा पर मदीना नंगे पांव गए थे तभी जनरल बाजवा को फोन आने शुरू हो गए थे। उनका दावा है कि सऊदी अधिकारियों ने बाजवा से तब कहा था कि ये अपने साथ किस आदमी को उठा लाए...? उनका कहना था कि वो तो शरीयत का निजाम खत्म करना चाहते हैं और वाजवा शरीयत के ठेकेदारों को उठा लाए। इस संदेश में कितनी सच्चाई है, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन इससे एक बात तो साफ हो गई कि आजादी से लेकर अब तक पाकिस्तान का राजनीतिक गलियारा साजिशों और अपनी ही सरकारों को कमजोर करने और हिंसा के जरिए गिराने वाली घटनाओं से इतिहास भरा हुआ है। इन हालात में कहना गलत नहीं होगा कि जब बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय वाली स्थिति में पाकिस्तान है। आतंकवाद रुपी समस्या पाकिस्तान की अपनी उपज है, जिससे अब वो दो-चार हो रहा है। इसका अब भी यदि हल नहीं निकाला गया तो पाकिस्तान एक बार फिर दो टुकड़ों में बंट सकता है, जिस पर किसी को हैरानी भी नहीं होगी।

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है। भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है। परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य ह्यदुर्घटना से देर भलीह्ण पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका ह्यद लांसेटह्ण में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खूनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर : सुष्मिता सेन

बालीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने एक बार फिर अपने प्रेरणादायक दृष्टिकोण से फैंस का दिल जीत लिया। इंस्टाग्राम पर सुष्मिता सेन ने एक प्रेरक संदेश साझा करते हुए लिखा, एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर है।

सुष्मिता ने अपने पोस्ट में बताया कि सपने देखना जितना महत्वपूर्ण है, उससे भी अधिक जरूरी है उन्हें हकीकत में बदलने का प्रयास करना। उन्होंने कहा, इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है, लेकिन बिना गति के यह बेकार है। उनका संदेश इस बात पर जोर देता है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उपलब्धियों का आधार बन सकते हैं। हाल ही में सुष्मिता को दांत के दर्द के इलाज के लिए एक दंत चिकित्सक के पास जाते हुए देखा गया। जब क्लिनिक के बाहर पैपराजी ने उनसे बातचीत की, तो उनकी आवाज में लड़खड़ाहट स्पष्ट थी, जो दर्द और एनेस्थीसिया का परिणाम थी। इसके बावजूद उन्होंने अपनी खास गर्मजोशी और विनम्रता से पैपराजी का अभिवादन किया, जो उनके अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। सुष्मिता का यह संदेश उनके फैंस के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अपने जीवन और करियर में साहसिक और प्रभावशाली कदम उठाने वाली सुष्मिता ने यह साबित किया है कि इरादों को अमल में लाने की ताकत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। बता दें कि सुष्मिता सेन को अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित वेब सीरीज आर्या में उनके दमदार अभिनय के लिए खूब सराहना मिली। इसके अलावा, उन्होंने बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई। यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट के संघर्ष और उनके जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को दर्शाती है।

सशक्त महिला को मजबूत बनते देखना प्रेरणादायक: जान्हवी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार नयनतारा की बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने खुलकर तारीफ की है। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, एक सशक्त महिला को मजबूत बनते देखना सबसे प्रेरणादायक होता है। इस डॉक्यूमेंट्री का प्रीमियर 18 नवंबर को हुआ, जिसमें नयनतारा के करियर और निजी जीवन की चुनौतियों का विवरण दिया गया है। डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा और उनके पति विग्नेश शिवन के बीच की प्रेम कहानी और फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष को भी दर्शाया गया है। जान्हवी कपूर ने नेटफ्लिक्स की पोस्ट को साझा करते हुए नयनतारा को एक साहसी और प्रेरणादायक महिला के रूप में सम्मानित किया। हालांकि, जान्हवी की पोस्ट उस समय आई है, जब नयनतारा और अभिनेता धनुष के बीच एक विवाद चल रहा था। 16 नवंबर को, नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर एक खुला पत्र शेयर किया, जिसमें उन्होंने धनुष पर कई गंभीर आरोप लगाए। नयनतारा ने दावा किया कि धनुष उनके प्रयासों से ईर्ष्या करते हैं और उनके सार्वजनिक रूप से दोस्ताना दिखने के बावजूद उनका असल स्वभाव बिल्कुल अलग है। इस पत्र में नयनतारा ने धनुष को 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करने पर भी कड़ी आलोचना की। यह विवाद उस समय उठ खड़ा हुआ था जब नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री के ट्रेलर में नानुम राउडी धान के एक 3 सेकंड के क्लिप का उपयोग किया गया था, जो कि धनुष द्वारा निर्मित फिल्म थी। नयनतारा ने इस पर गुस्से में लिखा कि धनुष का कानूनी नोटिस चौंकाने वाला था, क्योंकि उस क्लिप का उपयोग सोशल मीडिया पर पहले से ही सार्वजनिक किया गया था। इस विवाद के बीच, नयनतारा के समर्थन में कई अन्य साउथ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्रियां, जैसे श्रुति हासन, ऐश्वर्या राजेश, अनुपमा परमेश्वरन, और पार्वती थिरुवोथु, खड़ी नजर आईं हैं। बता दें कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई है, जिसे काफी सराहा जा रहा है।

अभिनेत्री नयनतारा हुई 40 साल की

अभिनेत्री नयनतारा 40 साल की हो गई है। एक्ट्रेस धूमधाम से अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री का डॉक्यूमेंट्री विवाद भी छाया हुआ है। अभिनेत्री की जिंदगी पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर लेडी सुपरस्टार नयनतारा और धनुष के बीच भी तकरार बढ़ती जा रही है।

दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में फिल्म नानम राउडी धान का एक गाना डालने पर प्रोड्यूसर और एक्टर धनुष ने नोटिस दिया है। नानम राउडी धान फिल्म के प्रोड्यूसर धनुष थे। जिस पर अभिनेत्री ने धनुष को जमकर खरी खोटी भी सुनाई और सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन, मेरे प्यार और शादी के बारे में इस नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में इंडस्ट्री के कई दोस्तों के क्लिप शामिल हैं, जिन्होंने अपना सहयोग दिया है, लेकिन दुख की बात है कि इसमें सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म नानम राउडी धान शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि दो साल तक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के लिए अभिनेता से जूझने और डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए उनकी मंजूरी का इंतजार करने के बाद टीम ने आखिरकार फिर से एडिटिंग करने और मौजूदा वर्जन के लिए समझौता करने का फैसला लिया है।

बता दें कि इससे पहले भी लेडी सुपरस्टार कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं। बात साल 2014 की है, जब नयनतारा का एक एमएमएस लीक हो गया था। इस वीडियो में नयनतारा एक्टर सिंबू को किस करती नजर आ रही थीं। यह वीडियो जमकर वायरल हुआ था। इससे पहले नयनतारा ने एक इवेंट में ब्राउन कलर की स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहनकर ग्लैमरस अंदाज में शिरकत की थी। अभिनेत्री को बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। हालांकि, फिल्म जगत के तमाम सितारों ने अभिनेत्री का समर्थन किया और ट्रोलर्स को जमकर खरी खोटी सुनाई थी।

दया, सम्मान और आपसी समर्थन रिश्ते के अहम पहलू: भूमि पेडनेकर

हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने पिछले कुछ दिनों के अनुभव साझा किए। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी की झलक पेश की। अभिनेत्री भूमि ने अपनी पोस्ट में लिखा, पिछले कुछ दिन- सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है। इसके साथ उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह अलग-अलग पोज़ देती नजर आ रही हैं। इससे पहले भूमि ने एक सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम ऋसोमवार मोड। भूमि हाल ही में एक टॉक शो में नजर आईं। शो में उन्होंने रिश्तों और साथी में प्राथमिकताओं को लेकर खुलकर बात की। भूमि ने कहा कि उनके लिए दया, सम्मान और आपसी समर्थन किसी भी रिश्ते के सबसे अहम पहलू हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसा साथी चाहती हूं जो दयालु हो, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मेरे काम पर गर्व महसूस करे। भूमि इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। उनका हालिया प्रोजेक्ट, क्राइम थ्रिलर भक्त, में वह एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो सच्चाई उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसके अलावा, वह मुदस्सर अजीज की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आएंगी। भूमि की अन्य महत्वाकांक्षी परियोजना नेटफ्लिक्स की रोमांटिक सीरीज द रॉयल्स है। इस सीरीज में ईशान खट्टर, जीनत अमान, नोरा फतेही और मिलिंद सोमन जैसे स्टार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

मानुषी ने शेयर किया दिल छू लेने वाला वीडियो

वर्तमान में मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने की 7वीं सालगिरह का जश्न मना रही हैं। मानुषी को 7 साल पहले मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया था, जो न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल था। हरियाणा के रोहतक में जन्मी मानुषी की इस सफलता ने राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया और आज जब वह अपनी यात्रा को याद कर रही हैं, तो उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में, मानुषी को देख कर युवा लड़कियों को प्रेरणा मिलती है, जो उनके नक्शेकदम पर चलने और वही अविश्वसनीय सफलता प्राप्त करने का सपना देखती हैं। इस खास मौके पर मानुषी ने सोशल मीडिया के जरिए मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'इन वीडियो को भेजने के लिए मिस इंडिया को धन्यवाद, धन्यवाद मिस वर्ल्ड, यह हमेशा मेरे लिए सबसे खास पल रहेगा। मैं एक छोटी लड़की थी जब मैंने ताज पहनने और भारत को गौरवान्वित करने का सपना देखा था! मुझे बच्चों के बड़े सपने देखने और उसमें मेरी भूमिका निभाने से ज्यादा खुशी किसी और चीज से नहीं मिलती।' मानुषी ने आगे कहा कि ये वीडियो एक विरोधाभास जैसा लग सकता है, लेकिन इसे विनम्रतापूर्वक लिया जाना चाहिए। उन्होंने एक वीडियो में केक खाते और प्रियंका कुमारी और साना दुआ से उसे खिलाते हुए खुद को दिखाया, जबकि दूसरे वीडियो में वह अपनी टीम के साथ फिटिंग करती दिखाई दीं। खिताब जीतने के बाद से मानुषी ने सिर्फ ब्यूटी क्वीन के रूप में ही नहीं, बल्कि एक एक्ट्रेस के तौर पर भी भारत को गर्वित किया है। वह अब अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म तेहरान की रिलीज़ के लिए तैयार हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ अभिनय कर रही हैं।

एल्बम ग्लोरी के गाने में नजर आएगी नोरा फतेही

अभिनेत्री नोरा फतेही और रैपर यो यो हनी सिंह की जोडी अपने नए सहयोग से एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही है। नोरो रैपर हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी के गाने पायल में नजर आएगी। नोरा ने सोशल मीडिया पर म्यूजिक वीडियो का टीज़र शेयर करते हुए लिखा, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो, जिसे हनी सिंह ने गाया है और जिसमें मैं फीचर कर रही हूं, कल रिलीज़ होगा। वीडियो में नोरा के शानदार डांस मूव्स और हनी सिंह के यूनिक बीट्स ने फैंस को बेसब्री से इंतजार में डाल दिया है। हनी सिंह ने पर्दे के पीछे की शूटिंग का अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस वीडियो को -3 डिग्री सेल्सियस के कठोर तापमान में फिल्माया गया। उन्होंने नोरा के समर्पण और प्रोफेशनलिज़्म की तारीफ करते हुए उन्हें महान और बेहद मेहनती कलाकार कहा। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाली नोरा हर प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर रही हैं। उनकी हालिया तेलुगु फिल्म मटका को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा, पेरिस फैशन वीक 2024 में नोरा ने लुई वुइटन के शो में अपनी उपस्थिति से तहलका मचा दिया। नोरा की अगली बड़ी अंतर्राष्ट्रीय परियोजना में जेसन डेरुलो के साथ एक और म्यूजिक वीडियो शामिल है, जो जल्द ही रिलीज़ होगा।

सोनी सब के शो 'तेनाली रामा' के लिये कृष्णा भारद्वाज ने सिर मुंडवाया

सोनी सब के शो तेनाली रामा के लिये अभिनेता कृष्ण भारद्वाज ने अपना सिर मुंडवाकर भूमिका के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। एक बार फिर तेनाली रामा के किरदार में कदम रखने के लिए तैयार कृष्ण भारद्वाज ने कहा, मैं एक ब्राह्मण परिवार से आता हूं, और हमें अपना सिर मुंडवाने की अनुमति नहीं है, जब तक कि घर में कोई त्रासदी न हो। मेरी मां ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'यह अशुभ है!', लेकिन उन्होंने यह भी समझा कि मैं अपने काम के प्रति समर्पित हूं और उन्होंने मेरे निर्णय में मेरा समर्थन किया। कृष्णा भारद्वाज ने कहा, इस बार मुझे रात में सोने में कठिनाई हो रही है क्योंकि मेरे सिर और तकिये के बीच घर्षण हो रहा है और जब से मैंने अपना सिर मुंडवाया है, तब से मुझे खुजली और अजीब लग रहा है। साथ ही मेरा लुक पूरी तरह से बदल गया है। आपका रूप आपके व्यक्तित्व का एक बड़ा हिस्सा है, खासकर एक अभिनेता के लिए। जब पहला सीज़न समाप्त हुआ, तो मैंने अपने बाल वापस उगाने की कोशिश की, लेकिन वे पहले की तरह घने नहीं हुए। इस बार गंजा होना कठिन लगा क्योंकि मैंने अपने बालों को फिर से उगाने और बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत की थी। फिर भी, मैं हमेशा खुद को समझाता हूँ कि गंजा होने के बाद भी मैं सुंदर दिखता हूं। तेनाली रामा दिसंबर में सोनी सब पर रात आठ बजे प्रसारित होगा।

किसी की निजी जिंदगी पर कमेंट नहीं करना चाहता: सुधांशु पांडे

छोटे परदे की एक्ट्रेस रुपाली गांगुली के लिए बीते कई महीने मुश्किलों भरे रहे हैं। एक्ट्रेस पर पहले कई को-स्टार्स ने बुरा व्यवहार करने के आरोप लगाए। इतना ही नहीं, उनकी सौतेली बेटी ने उनपर मारपीट और डराने के कई गंभीर आरोप लगाए। सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर एक्ट्रेस की सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने एक्ट्रेस पर उनका घर तोड़ने और उनके पिता को छीनने का आरोप लगाया था। इन सबके बीच रुपाली गांगुली के को-स्टार रहे सुधांशु पांडे ने एक्ट्रेस पर लगे इन आरोपों पर रिएक्ट किया है।

बातचीत के दौरान सुधांशु पांडे ने उनकी को-स्टार रही रुपाली गांगुली पर लगे आरोपों पर रियेक्ट किया है। एक्टर ने डिटेल में बात करने से इनकार करते हुए कहा कि वो उनकी निजी जिंदगी है और वो किसी की निजी जिंदगी पर कमेंट नहीं करना चाहते हैं। बातचीत के दौरान सुधांशु कहते हैं, 'मैं इस बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि ये किसी का बहुत ही निजी मामला है। किसी के पर्सनल मैटर के बारे में बात करना सही बात नहीं है।' वो आगे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि इसकी जरूरत नहीं है। हम सबके जीवन में ऐसी चीजें होती हैं और हम अपने-अपने तरीकों से इससे डील करते हैं। बाकी सब भगवान पर छोड़ देते हैं'। बता दें, सुधांशु पांडे के शो छोड़ने के पीछे एक्ट्रेस रुपाली गांगुली को बताया जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस से लड़ाई का बाद ही उन्होंने शो छोड़ा। सुधांशु के बाद मदालसा शर्मा सहित कई एक्टर्स ने शो छोड़ा और कई ने रुपाली पर पॉलिटिक्स करने के आरोप भी लगाए। कई सितारों ने दावा किया कि रुपाली सेट पर काफी राजनीति करती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने इन बयानों पर चुप्पी साधी हुई है।

जैकी श्रॉफ फिल्म फेस्टिवल का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

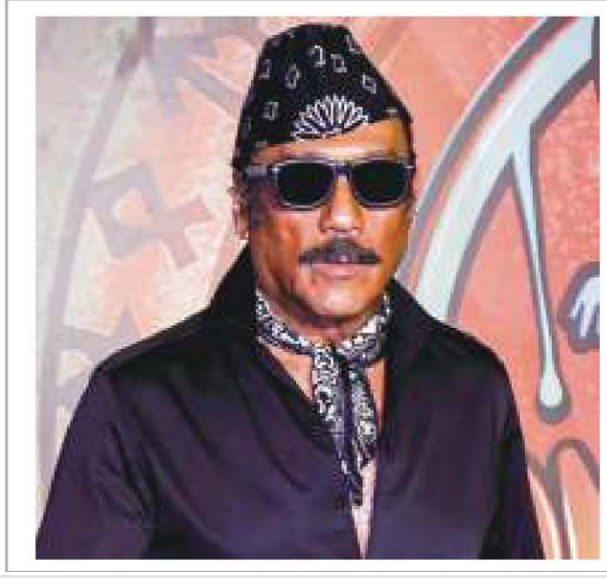

आगामी 22 नवंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाले ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल का अभिनेता जैकी श्रॉफ को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। इस महोत्सव में फिल्मी हस्तियां और प्रोडक्शन बैनर जैसे इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस, अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर, फिल्म निर्माता रिची मेहता, पद्म श्री पुरस्कार विजेता सुरेश वाडकर, वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर गौतम पांडे सहित कई अन्य कलाकार और फिल्ममेकर्स भी भाग लेंगे।

एएलटीईएफएफ का उद्देश्य सिनेमा की शक्तिशाली छवि के माध्यम से जलवायु जागरूकता बढ़ाना है, और इस दिशा में जैकी श्रॉफ का विचारशील योगदान महोत्सव के मुख्य उद्देश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

एएलटीईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में अपनी नियुक्ति पर जैकी श्रॉफ ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि मुझे एएलटीईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना गया है, और विशेष रूप से ट्रांसफॉर्मेटिव क्लाइमेट एक्शन पर काम करने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्में लोगों को जोड़ने का एक शानदार तरीका हैं, और अगली पीढ़ी के बेहतर कल के लिए प्रेरित करने के लिए हमारे अपने फिल्मों से बेहतर क्या हो सकता है।

एएलटीईएफएफ एक फिल्म महोत्सव से कहीं अधिक है, यह हम सभी का एक बड़ा सहयोग है, और मैं इस दिशा में काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। एएलटीईएफएफ 2024 में रेड कार्पेट मोमेंट्स, सिनेमा की एक शाम, क्लाइमेट एक्शन के आसपास समुदाय और संवाद, एएलटीईएफएफ 2024 बेस्ट ऑफ फेस्टिवल फिल्म की स्क्रीनिंग और एक पुरस्कार समारोह जैसे आकर्षक कार्यक्रम होंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकी श्रॉफ की हालिया ब्लॉकबस्टर सिंघम अगेन में उनके नेगेटिव किरदार उमर हफ़ीज़ को शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इसके अलावा, वह अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन में बब्बर शेर का किरदार निभाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ अभिनेता वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। बेबी जॉन 25 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म के पहले लुक का रिवील किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: पहला दिन रहा गेंदबाजों के नाम

भारत पहली पारी 150 , ऑस्ट्रेलिया 67/7

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से यहां पर्थ में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट शुरु हुआ। इसमें पहले दिन का खेल गेंदबाजों के नाम रहा। जहां भारतीय टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में ही अपनी पहली पारी में 150 रनों पर सिमट गई। वहीं इसके बाद मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भी दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 67 रनों पर ही 7 विकेट खो दिये। स्टंप्स के समय मिचेल स्टार्क 6 , एलेक्स कैरी 19 रनों पर खेल रहे थे।

इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी भारतीय टीम से 83 रन से पीछे है। इस मैच में गेंदबाज इस कदर हावी रहे कि एक ही दिन में 17 विकट गिर गये जबकि दोनो ही टीमों ने कुल मिलकर 227 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तानी करते हुए जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज ने दो और हर्षित राणा ने एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। बुमराह ने दोनों ओपनरों उस्मान ख्वाजा (8), नाथन मैकस्वीनी (10), स्टीव स्मिथ (0) और पैट कमिंस (3) का विकेट लिया। एक विकेट हर्षित राणा के नाम रहा जिन्होंने ट्रेविस हेड को 11 रन पर अपना शिकार बनाया। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट अपने नाम किए जिसमें मिशेल मार्श (6) और मार्नस लाबुशाने (2) शामिल थे

ऋषभ पंत 37 , केएल राहुल 26 और नीतिश कुमार रेड्डी 41 के अलावा भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज असफल रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजनवुड ने 4 विकेट लिए। भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल आज असफल रहे। यशस्वी और देवदत्त पड्डिकल खाता भी नहीं खोल पाये जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी पांच रन ही बना पाये।

मैच में ऋषभ और नीतिश के बीच सातवें विकेट के लिये 48 रन की साझेदारी हुई। पंत ने आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर एक बड़ा छक्का भी लगाया।

स्टार्क और जोश हेजलवुड ने भारतीय शीर्षक्रम को टिकने ही नहीं दिया। स्टार्क ने 11 ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये जबकि हेजलवुड ने 13 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट लिए। कमिंस ने 15.4 ओवर में 67 रन देकर दो विकेट लिए। ऋषभ और नीतिश ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले। इन दोनों के अलावा विराट सहित अन्य बल्लेबाज सहज नहीं दिखे।

राहुल 26 रन बनाकर जम ही रहे थे कि वह एक विवादित फैसले के कारण आउट दिये गये। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पड्डिकल तो खाता भी नहीं खोल पाये। मिचेल मार्श ने पांच ओवर में 12 रन देकर ध्रुव जुरेल 11 और वॉशिंगटन सुंदर 4 के विकेट लिए। यशस्वी इस मैच में स्टार्क का सामना नहीं कर पाये और उनकी शॉर्टलैंथ गेंद से परेशान हो गये।

वहीं देवदत्त पड्डिकल भी मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

जोस बटलर की अबू धाबी टी10 में धमाकेदार बल्लेबाजी, महज 14 गेंदों में जड़ा अर्धशतक

अबू धाबी (यूएई) (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने अबू धाबी टी10 के 2024 संस्करण में अपना क्लास दिखाया जो जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। उन्होंने चेन्नई ब्रेव जैगुआर्स के खिलाफ डेक्कन ग्लैडिएटर्स के लिए पहले मैच में कुछ बेहतरीन स्ट्रोक खेले और 24 गेंदों पर 4 चौकों और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन बनाए। इस तरह उन्होंने 142 रनों के विशाल लक्ष्य को 7 विकेट से हासिल कर लिया। दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने महज 14 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और जीत दर्ज करने पर खुशी जताई।

जोस बटलर ने अबू धाबी टी10 की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमें अच्छा लग रहा है कि हमने लक्ष्य हासिल कर लिया है।' ग्लेडिएटर्स ने शुरूआती कुछ विकेट खो दिए लेकिन बटलर ने टॉम कोहलर-कैडमोर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। बटलर ने कैडमोर की जमकर तारीफ की जिन्होंने अपनी शानदार पारी के लिए सिर्फ 24 गेंदों में 51 रन बनाए।

मैच के बाद बटलर ने कहा, 'वह पिछले कई सालों से टी10 में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। टूर्नामेंट में इतनी अच्छी शुरुआत करना उनके लिए बहुत बड़ी बात है।' इंग्लैंड टीम के व्हाइट-बॉल कप्तान इंग्लिश बल्लेबाजों के बल्ले से प्रदर्शन से काफी खुश हैं और इसे राष्ट्रीय टीम के लिए एक बड़ी परेशानी के तौर पर देखते हैं। उन्होंने कहा, 'फिल साल्ट शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं और पिछले 12-18 महीनों से शानदार फॉर्म में हैं। यह इंग्लैंड टीम के लिए अच्छा है। हां, बिल्कुल। यह अच्छी बात है कि हमारी टीम में अच्छी ताकत है।'

साल्ट ने अबू धाबी टी10 अभियान की शानदार शुरुआत की जब उन्होंने टीम अबू धाबी के लिए 19 गेंदों पर 51* रन बनाए। उनके अलावा जॉनी बेयरस्टो जो उसी टीम के लिए टूर्नामेंट में खेल रहे हैं, ने अजमान बोल्ट्स के खिलाफ 14 गेंदों पर 22* रन की तेज पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। टूर्नामेंट के आगामी मैच में ग्लेडिएटर्स शुक्रवार को अजमान बोल्ट्स से भिड़ेंगे।

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ रहा है। जहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली टीम इंडिया पहली पारी में 150 रन पर ढेर हो गई। तो वहीं जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी कमाल नहीं दिखा पाई। कंगारू टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने एक-एक करके ढेर होते चले गए।

पहली पारी में मेजबान टीम के पहले तीन विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए जिसमें स्टीव स्मिथ भी शामिल रहे। स्टीव स्मिथ पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए, लेकिन वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए और बुमराह ने उन्हें क्लीन एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। बुमराह ने स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट किया और टेस्ट प्रारुप में ऐसा करते हुए उन्होंने इतिहास रच दिया। वहीं स्टीव स्मिथ अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में होम ग्राउंड पर पहली बार गोल्डन डक पर आउट हुए।

पर्थ टेस्ट मैच की पहली पारी में जसप्रीत बुमराह की आग उगलती गेंद का सामना करने में कंगारू बल्लेबाजों को भी दिक्कत महसूस हो रही थी। इस क्रम में जब स्मिथ बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए तब वो पहली ही गेंद पर आउट हो गए। बुमराह ने उन्हें खाता आउट कर दिया और टेस्ट क्रिकेट में वो स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट होने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए। स्मिथ को इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज ने गोल्डन डक पर आउट नहीं किया था।

स्मिथ का बल्ला पर्थ टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के खिलाफ नहीं चला और वो शून्य के स्कोर पर चलते बने। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा दूसरी बार हुआ जब स्मिथ गोल्डन डक पर अपना विकेट गंवा बैठे। स्मिथ ने पहली बार साल 2014 में गोल्डन डक पर टेस्ट में अपना विकेट गंवाया था और उन्हें साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने अपना शिकार बनाया था। अब 10 साल के बाद वो फिर से यानी दूसरी बार टेस्ट में गोल्डन डक पर आउट हुए और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गोल्डन डक पर आउट किया।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने खेली तूफानी पारी, प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में मात्र 3 रन से तिहरे शतक से चूके

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के पूर्व बल्लेबाज और धमाकेदार ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने मेघालय के खिलाफ कूच बिहार ट्रॉफी मैच में दोहरा शतक लगाकर सुर्खियों में आ गए हैं। 17 वर्षीय आर्यवीर ने मात्र 3 रन से तीहरे शतक से चूक गए। शिलांग के एमसीए क्रिकेट ग्राउंड पर पहले दिन नाबाद 200 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने दूसरे दिन भी धमाकेदार बल्लेबाजी जारी रखी और मात्र 309 गेंदों पर 96.12 की स्ट्राइक रेट से 297 रन बनाए जिसमें 51 चौके और 3 छक्के शामिल थे। इसे लेकर सहवाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की है।

कूच बिहार ट्रॉफी अंडर 19 खिलाड़ियों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट है। बल्लेबाजी करने के बाद मेजबान मेघालय पहली पारी में सिर्फ 260 रन ही बना सका। जवाब में आर्यवीर और अर्नव एस बुग्गा ने पहले विकेट के लिए 180 रन जोड़कर दिल्ली की मजबूत वापसी की नींव रखी। बुग्गा ने दूसरे दिन आउट होने से पहले शतक बनाया लेकिन आर्यवीर दिन के खेल के अंत में बिना आउट हुए ड्रेसिंग रूम में लौट गए। वे सिर्फ 229 गेंदों पर 200 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन दूसरे दिन वह फिर लौटे और 300 के करीब रन बनाए।

आर्यवीर के अलावा धन्या नाकरा जो पहले दिन 98 रन बनाकर नाबाद रहे थे, उन्होंने 122 गेंदों पर 106.56 की स्ट्राइक रेट और 18 चौकों तथा 3 छक्कों की मदद से 130 रन बनाए। इस साल की शुरुआत में आर्यवीर ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ दिल्ली के लिए अपना अंडर-19 डेब्यू किया था। उन्होंने 49 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई और दिल्ली ने मैच 49 रनों से जीत लिया।

पिछले साल सहवाग ने खुलासा किया था कि उनके बेटे आर्यवीर ने पहले ही आईपीएल अनुबंध पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। सहवाग ने कहा, 'मेरा बेटा 15 साल का है और आईपीएल में खेलने का मौका पाने के लिए पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहा है। आईपीएल ने युवा प्रतिभाओं को सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाया है। पहले रणजी ट्रॉफी के प्रदर्शन से कोई ध्यान नहीं खींचता था और इसलिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाता था। लेकिन अब अगर आप आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपनी प्रतिभा दिखाते हैं तो आपको तुरंत भारतीय टीम में खेलने का मौका मिलता है। आईपीएल की वजह से देश के छोटे राज्यों के कई बच्चे क्रिकेट को गंभीरता से लेने लगे हैं और आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं और इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं।'

आईपीएल नीलामी कार्यक्रम से पोंटिंग और लैंगर की मुश्किलें बढ़ीं

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी के लिए रखे कार्यक्रम के कारण उन्हें और जस्टिन लैंगर को परेशानी होगी। पोंटिंग लौर लैंगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए कमेंट्री टीम में शामिल हैं। पोंटिंग ने कहा कि नीलामी का कार्यक्रम 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में रखा गया है। इस कारण उन्हें पहले टेस्ट मैच को बीच में ही छोड़कर जाना होगा। पोंटिंग और लैंगर आईपीएल फ्रेंचाइजी से कोच के तौर पर जुड़े हैं। जेद्दा में होने वाली नीलामी में पोंटिंग बतौर पंजाब किंग्स कोच, लैंगर लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच के रूप में मौजूद रहेंगे। पोंटिंग और लैंगर पर्थ टेस्ट के पहले दिन ही कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे, इसके बाद इन्हें जाना होगा। पोंटिंग ने कहा कि, ये मेरे और लैंगर के लिए कठिन स्थिति है। हम पिछले कुछ महीनों से सोच रहे थे कि शायद टेस्ट मैच और नीलामी में अंतर होगा। इससे दोनों टीमों के खिलाड़ियों पर से दबाव हट जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ।

अब बीबीएल में सिडनी थंडर की कप्तानी करते दिखेंगे वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अब घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 लीग में सिडनी थंडर की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। वॉर्नर को साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। उस समय वह टीम के उपकप्तान थे। इसके बाद वार्नर टीम में वापसी करने में सफल हुए पर उनका करियर अधिक नहीं चल पाया। वॉर्नर ने कुछ समय पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इस क्रिकेटर ने कप्तानी पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया। समीक्षा पैनल ने कहा, 'वार्नर जवाबों के सम्मानजनक तथा पश्चाताप भरे लहजे ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। इसके बाद उन्हें सिडनी थंडर का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की गई। वहीं सिडनी थंडर का कप्तान बनाए जाने पर उत्साहित वॉर्नर ने कहा, 'एक बार फिर सिडनी थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरुआत से ही इस टीम का हिस्सा रहा हूं। अब अपने नाम के आगे 'सी के साथ वापस आना बहुत अच्छा लग रहा है। वार्नर ने इससे पहले 2011 में एक बार थंडर का नेतृत्व किया था।

निशानेबाजी में जो प्रतिभा है, वह अन्य खेलों में नहीं है: अभिनव बिंद्रा

पटना (एजेंसी)। गुड़गांव-बीजिंग ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में निशानेबाजी में काफी विकास हुआ है जिससे अब इस खेल में प्रतिभा की गहराई है। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर भारतीय निशानेबाजों की अगुआई की।

बिंद्रा ने शुक्रवार को आर्टेमिस अस्पताल में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में जो प्रतिभा है, वह इस देश के किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी प्रगति की है।'

पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों की उपलब्धि ने ओलंपिक में 12 साल के सूखे को भी समाप्त कर दिया जिसमें मनु, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने तीन कांस्य पदक हासिल किए। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए। लेकिन यह खेल का एक अभिन्न हिस्सा है। एथलीटों ने बहुत कुछ सीखा है, महासंघ ने बहुत कुछ सीखा है जिसके परिणामस्वरूप पेरिस में अच्छे परिणाम मिले।' 42 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर ध्यान बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लय जारी रहेगी और रणनीतिक योजना जारी रहेगी। छोटी-छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं, उनका ध्यान रखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश निशानेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहेगा।' 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने निशानेबाजी, हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती को अपने कार्यक्रम से हटा दिया है जो ग्लासगो में भारत की पदक संभावनाओं के लिए बड़ा झटका है। बिंद्रा ने कहा कि यह स्थायी नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में निशानेबाजी की वापसी होगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अजहर अली को नियुक्त किया युवा विकास प्रमुख

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली को भर्ती प्रक्रिया के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के युवा विकास प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'यह भूमिका अजहर की मौजूदा जिम्मेदारियों का विस्तार होगी क्योंकि वह पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी काम करते हैं।' पाकिस्तान क्रिकेट में एक प्रमुख व्यक्ति अजहर ने सीनियर राष्ट्रीय टीम में आगे बढ़ने से पहले 2002 में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपना करियर शुरू किया। 2010 और 2022 के बीच उन्होंने 97 टेस्ट और 53 वनडे खेले जिसमें 9 टेस्ट और 31 वनडे में पाकिस्तान की कप्तानी की। वह 2017 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के भी अहम सदस्य थे। युवा विकास के प्रमुख के तौर पर अजहर को व्यापक युवा क्रिकेट रणनीतियों को डिजाइन और लागू करके, मजबूत जमीनी स्तर पर क्रिकेट संरचना और प्रतिभा मार्ग स्थापित करके, आयु-समूह कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय क्रिकेट संघों के साथ सहयोग करके, पीसीबी के पाथवे कार्यक्रम के तहत उभरते क्रिकेटरों को शिक्षित करके और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए मैदान के बाहर विकास की अनिवार्यताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार और क्लीनिक आयोजित करके पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को आकार देने का काम सौंपा गया है। अजहर ने एक बयान में कहा, 'मैं इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए सम्मानित और उत्साहित हूं। आयु-समूह रैंकों में आगे बढ़ने और व्यापक क्लब और घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद मैं भविष्य के सितारों को आकार देने में जमीनी स्तर के विकास की महत्वपूर्ण भूमिका को समझता हूं। इस क्षेत्र में पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति की गई है और मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हमारे युवा विकास कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य होनहार प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरणों से लैस करना है।'

आईपीएल 2025 की तारीख आई सामने, जानें कब से शुरू होगा टी20 का महामुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरु होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल में आईपीएल के तीन सत्रों के लिए घोषित तारीखों के बारे में बताया गया है।

घोषणा के अनुसार टूर्नामेंट का अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं 2026 का सत्र 15 मार्च से 31 मई तक चलेगा। जबकि 2027 का सत्र 14 मार्च से 30 मई तक होगा। घोषणा के अनुसार पिछले सत्र की तरह 2025 सत्र में 74 मैच होंगे। हालांकि यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से 10 कम है।

नए चक्र के लिए टेंडर दस्तावेज में आईपीएल ने हर सत्र में मैचों की अलग-अलग संख्या का वर्णन किया है। 2023 और 2024 में 74 मैच जबकि 2025 और 2026 में 84 और इस अनुबंध के अंतिम वर्ष यानी 2027 में 94 मैच खेले जाने का जिक्र था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने सभी खिलाड़ियों अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों को 2025 सत्र में खेलने की मंजूरी दे दी है।

इसके अलावा अधिकतर पूर्ण सदस्य देश इंग्लैंड, श्रीलंका बंगलादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के क्रिकेट बोडर ने अपने खिलाड़ियों को अगले तीन सत्र के लिए आईपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिनके खिलाड़ियों को 2011 के बाद से ही आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है।

हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप 26 नवंबर से, पांचवें खिताब के लिए भारतीय टीम मस्कट रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 26 नवंबर से 4 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए शुक्रवार को बेंगलुरु से रवाना हुई। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

इस बार इस आयोजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है। जबकि पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। कप्तान आमिर अली और उप-कप्तान रोहित की अगुआई में भारत 27 नवंबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच होगा।

30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला होना है और 1 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच होना है। भारतीय टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगी। सुल्तान जोहोर कप 2024 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद भारत अपनी लय को बरकरार रखते हुए ओमान में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा।

कप्तान आमिर अली ने कहा, 'भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कप्तान के रूप में मैं पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए बेहद उत्साहित हूं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम सभी इस टूर्नामेंट के महत्व और बड़े मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के अवसर को समझते हैं। हमारा ध्यान पहले मैच से ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने और फाइनल में जगह बनाने के लिए एक मजबूत स्थिति हासिल करने पर है।'

उप-कप्तान रोहित ने कहा, 'हम सभी पुरुष जूनियर एशिया कप में अपना अभियान शुरू करने के लिए बहुत प्रेरित और उत्सुक महसूस कर रहे हैं। शिविर में ऊर्जा शानदार है और खिलाड़ियों में एकता की भावना मजबूत है। सुल्तान ऑफ जोहोर कप में हमारे हालिया प्रदर्शन ने हमें आत्मविश्वास दिया है और हम उस गति को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम कड़ी मेहनत करने, अनुशासित रहने और हर मैच में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ हैं।'

शमी ने मांजरेकर को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर की उस बयान के लिए कड़ी आलोचना की है। जिसमें मांजरेकर ने कहा है कि फिटनेस सही नहीं होने के कारण आईपीएल 2025 के लिए शमी पर टीमें अधिक रकम लगाने का जोखिम नहीं उठाएंगी। शमी ने कहा कि मांजरेकर कमेंटटर का काम कर रहे हैं पर उन्हें इस प्रकार की आधारहीन बातें नहीं करनी चाहिये। आईपीएल में 2013 में पदार्पण के बाद से शमी ने 110 मैचों में 127 विकेट लिए हैं। उन्होंने टखने की चोट के कारण सर्जरी के बाद करीब एक साल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हाल ही में वापसी की है। शमी को इस बार मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस ने रिलीज कर दिया। नीलामी में उनका बेस प्राइज दो करोड़ रूपए है। शमी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' थोड़ा सा ज्ञान अपने भविष्य के लिए भी बचा लो, काम आएगा मांजरेकर जी। साथ ही तंज कसा कि किसी को भविष्य जानना हो तो इनसे मिलें। मांजरेकर ने कहा था कि शमी के लिये कई टीमें बोली लगा सकती है लेकिन उन्हें नहीं लगता कि टीमों के बीच उनके लिये होड़ होगी। उन्होंने कहा था, 'टीमों की उनमें रुचि होगी लेकिन चोटों के उनके इतिहास को देखते हुए सत्र के बीच में बाहर होने की आशंका रहती है इसलिए टीमें जोखिम नहीं लेना चाहेंगे क्योंकि अगर शमी बीच में बाहर होते हैं तो उनका पैसा फंस जाएगा। इसलिए उनकी कीमत घट सकती है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश को दिसंबर तक एडीबी और विश्व बैंक से 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर मिलने की उम्मीद

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश को दिसंबर तक एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 600 मिलियन और विश्व बैंक से 500 मिलियन डॉलर का कर्ज मिलने की उम्मीद है। वित्त सचिव मोहम्मद खैरुज्जमां मोजुमदार ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मोजुमदार ने मंगलवार को वित्त मंत्रालय में अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरे होने के पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। मोजुमदार ने कहा कि अंतरिम प्रशासन की ओर से लागू की गई नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसी डोनर एजेंसियों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। वित्त सचिव ने कहा, हमारी अंतरिम सरकार के नीतिगत उपायों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं, जो फंडिंग के मामले में हमारी शुरुआती उम्मीदों से भी अधिक हैं। उदाहरण के लिए, हमने एडीबी के साथ 600 मिलियन डॉलर के कर्ज पर सफल बातचीत की और हमें दिसंबर तक धनराशि मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विश्व बैंक के साथ हुई बातचीत पर भी प्रकाश डाला, जिसने इसी समय-सीमा के अंदर 500 मिलियन डॉलर की लोन सपोर्ट प्रदान करने पर सहमति जताई। वित्त सचिव ने कहा, मूल रूप से, यह कर्ज क्रमश 300 मिलियन डॉलर और 250 मिलियन डॉलर निर्धारित किए गए थे, लेकिन बाद में अनुकूल बातचीत होने के कारण इनको बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया। मोजुमदार ने कहा कि सरकार आईएमएफ से और अधिक वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। उन्होंने कहा, हमने इस वर्ष के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 1 बिलियन डॉलर की सहायता का अनुरोध किया है। वित्त सचिव ने कहा, 4 दिसंबर को आईएमएफ टीम के दौरे के बाद चर्चा पूरी हो जाएगी और हम नतीजे को लेकर आशावादी हैं।

हैती में बढ़ती हिंसा, राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोह हो रहे मजबूत, यूएन महासचिव ने जताई चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हैती में बढ़ रही हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। इस बीच दक्षिण अमेरिकी देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोहों के मजबूत होने की खबरें आ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस ने मंगलवार को बढ़ती हिंसा से निपटने के लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता (एमएसएस) मिशन के समर्थन के साथ हैतीयन राष्ट्रीय पुलिस के प्रयासों का पुरजोर समर्थन किया। यूएन महासचिव ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी अपील दोहराई कि एमएसएस मिशन की सफलता के लिए वित्तीय और रसद सहायता मिलती रहनी जरूरी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने राजनीतिक परिवर्तन में तत्काल प्रगति के महत्व पर भी जोर दिया। हैती के लिए संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट और मानवीय समन्वयक उलिका रिचर्डसन ने इस महीने की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि हैती में स्थिति बहुत गंभीर है, खासकर राजधानी में। वहां के कई इलाके पूरी तरह से गिरोहों के नियंत्रण में हैं जो क्रूर हिंसा करते हैं, महिलाओं का बलात्कार करते हैं और बच्चों को अपने गिरोह में शामिल करते हैं, और यह बेहद चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, इस साल जनवरी से सितंबर के बीच हैती में लगभग 4,900 लोग मारे गए हैं, जिसका मुख्य कारण देश भर में लगातार हो रही हिंसा है। देश में 700,000 से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा बच्चे हैं। पोर्ट-ऑ-प्रिंस में, बढ़ती हिंसा के कारण हाल के हफ्तों में 12,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण का धर्मांतरण कराया गया

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 10 वर्षीय एक हिंदू लड़की को अगवा करके जबरन उसकी शादी एक मुस्लिम व्यक्ति से कराने का मामला सामने आया है। हालांकि, अधिकारियों ने उसे बचा लिया है। सिंध प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में हिंदू समुदाय के लिए नाबालिग और किशोर हिंदू लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक बड़ी समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान दरावर इत्तेहाद (अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए गठित एक गैर सरकारी संगठन) के अध्यक्ष शिवा काछी के अनुसार एक अन्य मामले में संघर में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की की 50 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति से जबरन शादी करा दी गई, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। शिवा ने बुधवार को बताया कि कुछ भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं और जब पीड़ित के माता-पिता/वकील मामला अदालत में ले जाते हैं तो उन्हें अदालत में पेश कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 10 वर्षीय लड़की को पिछले सप्ताह मीरपुरखास के कोट गुलाम मुहम्मद गांव में उसके घर के बाहर से अगवा कर लिया गया और उसे सरहंदी एयर समारो मदरसा ले जाया गया। उन्होंने कहा कि लड़की को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया और फिर उसकी शादी शाहिद तालपुर से कर दी गई, लेकिन जब इस मुद्दे को क्षेत्र के अधिकारियों के समक्ष उठाया गया तो एसएसपी पुलिस अनवर अली तालपुर ने हस्तक्षेप किया और लड़की को बरामद कर उसके घर वापस भेज दिया गया।

सुंदर पिचाई ने ट्रंप को बधाई के लिए किया कॉल, बीच में आ गए एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क की दोस्ती के किस्से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ट्रंप को बधाई देने के लिए कॉल किया। हालांकि, इस कॉल में एक अनोखा मोड़ आया जब एलन मस्क भी इसमें शामिल हो गए। पिचाई ने इस कॉल के जरिए न केवल ट्रंप को बधाई दी बल्कि ट्रंप और मस्क की साझेदारी को भी समझने का मौका दिया। यह कॉल मस्क और ट्रंप के प्रशासनिक एजेंडे की ओर इशारा करता है, जहां सरकारी कामकाज को आधुनिक और कुशल बनाने पर जोर दिया जाएगा। सुंदर पिचाई द्वारा ट्रंप को किया गया यह कॉल एलन मस्क की मौजूदगी के कारण खास बन गया।

यह घटना न केवल ट्रंप और मस्क की दोस्ती बल्कि ट्रंप प्रशासन में मस्क की बढ़ती भूमिका को भी उजागर करती है। अब देखना यह है कि मस्क और रामास्वामी की टीम ट्रंप के सेव अमेरिका अभियान को कितना सफल बना पाती है।एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप को उनके दूसरे राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर समर्थन दिया। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने ट्रंप समर्थक एक समूह को कम से कम .119 मिलियन का दान दिया, जो उनके व्यवसायों को सरकारी नियमन और नीति समर्थन से बचाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा था। उनके व्यवसाय, जैसे टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारें, न्यूरालिंक के ब्रेन चिप्स और स्पेसएक्स के रॉकेट, सभी सरकारी नीतियों और सब्सिडी पर निर्भर करते हैं।

मस्क ने 13 जुलाई को ट्रंप का समर्थन किया, उसी दिन जब पेन्सिलवेनिया में एक असफल हत्या प्रयास में ट्रंप घायल हुए थे। मस्क ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में कई बार भाषण दिए और चुनाव की रात उनके मार-ए-लागो क्लब में उनके साथ समय भी बिताया। सुंदर पिचाई ने डोनाल्ड ट्रंप को हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मिली जीत के लिए फोन किया। इस कॉल के दौरान एलन मस्क भी मौजूद थे। मस्क हाल के दिनों में ट्रंप के साथ लगातार सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में उनकी मौजूदगी इस कॉल को और भी खास बना गई। एलन मस्क को ट्रंप की नई सरकार में एक अहम जिम्मेदारी दी गई है, जिसके तहत वह अमेरिकी सरकारी संस्थानों को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने में मदद करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को अपने प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (सरकारी दक्षता विभाग) का प्रमुख नियुक्त किया है। जिसमें उनका काम सरकारी खर्चों में कटौती, फेडरल एजेंसियों को पुनर्गठित करनाऔर अनावश्यक नियम-कायदों को खत्म करना आदि शामिल है। मस्क इस विभाग को भारतीय-अमेरिकी कारोबारी विवेक रामास्वामी के साथ मिलकर संभालेंगे। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी मिलकर सरकारी ढांचे को सरल और प्रभावी बनाएंगे। यह कदम सेव अमेरिका अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमेरिकी चुनाव के दौरान मस्क ने गूगल पर आरोप लगाया था कि डोनाल्ड ट्रंप को सर्च करने पर कमला हैरिस से जुड़ी खबरें दिखाई जा रही थीं। मस्क ने इसे गूगल की पक्षपातपूर्ण सर्च एल्गोरिदम का उदाहरण बताया था। ट्रंप और मस्क को हाल ही में कई बड़े आयोजनों स्पेस एक्स स्टारशिप लॉन्चिंग और यूएफसी इवेंट में भी साथ देखा गया। ट्रंप और मस्क की बढ़ती करीबी के कारण मस्क को अब ट्रंप का फर्स्ट बडी कहा जा रहा है।

हम 1000 दिन से झेल रहे और आप 1 दिन में डर , अमेरिका और नाटो देशों को यूक्रेन ने सुनाया

कीव, एजेंसी। अमेरिका और इटली, स्पेन, हंगरी जैसे यूरोपीय देशों ने यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने दूतावासों को बंद कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि रूस की ओर से कीव में भीषण हमला हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से दूतावास को बंद किया गया है। अमेरिका के फैसले के बाद उसके अन्य नाटो सहयोगियों ने भी ऐसा ही फैसला लिया है। इस बीच यूक्रेन ने अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों के इस फैसले पर भड़ास निकाली है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, हम आपको याद दिला दें कि हम बीते 1000 दिनों से हर रोज हमलावर की तरफ से भीषण अटैक का खतरा और डर झेल रहे हैं। लेकिन आप एक दिन में ही हमले की एक फर्जी खबर के आधार पर दूतावास ही बंद करके निकल रहे हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका समेत सभी सहयोगी देशों को लताड़ते हुए कहा कि यह तो रूस की एक चाल है। वह मनोवैज्ञानिक और इन्फॉर्मेशन वॉर लड़ रहा है। उसने सोशल मीडिया पर ऐसा एक संदेश प्रसारित किया कि कीव पर भीषण हमला किया जाएगा और उसका यह असर दिखा है। इससे उसे आतंकित करने में ही मदद मिलेगी। दरअसल मॉस्को की ओर से पिछले दिनों कहा था कि हम यूक्रेन के उन हमलों का बदला लेंगे, जिन्हें अमेरिकी मिसाइलों की मदद से किया गया है। रूस का कहना है कि यूक्रेन की यह गलती थी कि उसने हमारे इलाके में घुसकर हमला किया। अब भीषण हमला किया जाएगा। रूस की इस चेतावनी के बाद से ही अमेरिका और अन्य कई देश अलर्ट मोड पर हैं। इन देशों ने अपने दूतावास ही बंद कर दिए हैं। हालांकि यूक्रेन को इस बीच अप्रत्याशित तौर पर इजरायल से समर्थन मिला है।

ईरान की यूनिवर्सिटी में न्यूड होकर हिजाब का विरोध करने वाली छात्रा को इरानी अदालत ने किया रिहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान की एक यूनिवर्सिटी में अंडरवियर में घूमने वाली छात्रा का मामला दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया था। इस घटना के बाद सभी की नजरें अदालत के फैसले पर थीं। अब ईरान की अदालत ने छात्रा को रिहा कर दिया है, और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। लड़की को मानसिक स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल भेजा गया था। डॉक्टरों ने पाया कि वह मानसिक बीमारी से जूझ रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए उसे उसके परिवार को सौंप दिया गया है और उसके खिलाफ कोई न्यायिक मामला नहीं चलेगा। अदालत ने माना कि छात्रा के असामान्य व्यवहार की वजह उसकी पारिवारिक समस्याएं और मानसिक स्थिति थी। उसके साथी और करीबी पहले भी ऐसे लक्षण देख चुके थे। नवंबर की शुरुआत में वायरल हुए वीडियो में इस छात्रा को तेहरान की इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी के कैंपस में अंडरवियर में घूमते हुए देखा गया था। वीडियो के वायरल होने के बाद यह मामला न केवल ईरान, बल्कि दुनियाभर में सुर्खियों में आ गया। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद लागू किए गए सख्त ड्रेस कोड के तहत महिलाओं के लिए सिर ढकने वाले कपड़े पहनना अनिवार्य है। इस नियम के तहत पब्लिक प्लेस पर ऐसे कपड़े पहनने को लेकर छात्रा को कड़ी सजा मिलने की आशंका जताई जा रही थी।

पाकिस्तान- इमरान खान को तोशाखाना के दूसरे मामले में जमानत

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना से जुड़े दूसरे मामले (तोशाखाना केस-2) में जमानत मिल गई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जमानत के तौर पर 10 लाख पाकिस्तानी रूपए के बॉन्ड जमा करने का आदेश दिया है। इमरान खान पिछले साल 5 अगस्त से जेल में बंद है। हालांकि जमानत मिलने के बाद इमरान को रिहा किया जाएगा या नहीं, ये अभी साफ नहीं है। पहले से जेल में बंद इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस साल 13 जुलाई को तोशाखाना केस-2 में जेल से ही गिरफ्तार किया गया था। हालांकि पिछले महीने 24 अक्टूबर को बुशरा बीबी को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। इससे पहले पिछले हफ्ते गुरुवार को पाकिस्तान की एक अदालत में तोशाखाना केस-2 में इमरान और बुशरा को बरी करने के लिए सुनवाई हुई थी। हालांकि कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था।

474 दिन से जेल में बंद है इमरान : इमरान अलग-अलग मामलों में 474 दिनों से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इस्लामाबाद की स्थानीय कोर्ट ने उन्हें 5 अगस्त, 2023 को तोशाखाना केस में दोषी करार दिया था। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद के जमान पार्क स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में उन्हें 2 और मामलों में दोषी करार दिया

गया था। हालांकि इन सभी मामलों में इमरान को बरी किया जा चुका है। 13 जुलाई को फर्जी निकाह मामले में रिहाई के बाद उन्हें तोशाखाना केस-II मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

इमरान खान से जुड़े प्रमुख मामलों की डिटेल्स : बुशरा बीबी के पूर्व पति, खावर फरीद मनेका ने बुशरा और इमरान पर आरोप लगाया था कि दोनों ने गैर इस्लामिक तरीके से शादी की है। बुशरा के तलाक के बाद इद्दत का समय पूरा होने से पहले ही खान ने उनसे शादी कर ली थी। इस मामले में 3 फरवरी को बुशरा और इमरान को दोषी ठहराया गया था। उन्हें 7 साल की सजा और 5 लाख पाकिस्तानी रूपए का जुर्माना लगाया था। इस केस में दोनों को 13 जुलाई को रिहाई मिली।

इससे पहले इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 3 जून को इमरान खान को सबूतों के अभाव में साइफर केस (सीक्रेट लेटर चोरी) में बरी कर दिया था। उनको इस्लामाबाद की विशेष अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई थी। इमरान खान को 29 अगस्त 2023 को साइफर गेट स्कैंडल में हिरासत में लिया गया था।

केस-3 तोशाखाना केस में खान को 1 अप्रैल को रिहा कर दिया गया था। उनकी 14 साल की सजा को रद्द कर दिया गया था। केस-4 तोशाखाना से जुड़ा दूसरे मामले में इमरान को 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। ये केस तोशाखाना के पहले मामले का फॉलो-अप था। पहले मामले में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा पर दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मिले उपहारों की जानकारी छिपाने और उन्हें बाजार में बेचने का आरोप लगा था। 20 नवंबर यानी आज इसी मामले में जमानत मिली है।

गृहयुद्ध में फंसे सूडान की मदद, इराकी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भेजी 60 टन मेडिकल मदद

बगदाद , एजेंसी। इराकी रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) ने सूडान को 60 टन दवाइयां और मेडिकल सप्लाई पहुंचाने की घोषणा की। आईआरसीएस ने एक बयान में कहा कि सहायता खेप के साथ उसका एक प्रतिनिधिमंडल भी गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने सूडान के स्वास्थ्य मंत्री हैथम मोहम्मद इब्राहिम के साथ बैठक कर देश के गंभीर मानवीय संकट को कम करने के लिए संयुक्त सहयोग और अतिरिक्त सहायता की संभावनाओं पर चर्चा की। सूडानी स्वास्थ्य मंत्री ने आईआरसीएस की कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने सूडान की तत्काल जरूरतों को पूरा करने में मेडिकल सप्लाई के महत्व पर जोर दिया। इस बीच सूडान की संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के अध्यक्ष और सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के कमांडर अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने देश में सशस्त्र संघर्ष के समाधान के लिए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को अस्वीकार करने की बात दोहराई। अल-बुरहान ने कहा कि संघर्ष का समाधान आंतरिक है, अर्थात विद्रोह को समाप्त करना, क्योंकि इसकी उपस्थिति का अर्थ है कि संकट भविष्य में भी जारी रहेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार उन्होंने यह बात पोर्ट सूडान में युद्ध चुनौतियों से निपटने के लिए आयोजित प्रथम आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कही। अल-बुरहान ने कहा, सूडान तब तक किसी भी वार्ता में शामिल नहीं होगा और युद्ध विराम पर सहमत नहीं होगा जब तक विद्रोही मिलिशिया उन क्षेत्रों से पूरी तरह से वापस नहीं लौट जाते जिनमें वे प्रवेश कर चुके हैं। सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच विनाशकारी संघर्ष की चपेट में है। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डाटा प्रोजेक्ट के नवीनतम अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष की वजह से 27,120 से अधिक मौतें हुई हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, 12 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमलावर विस्फोटकों से लदे वाहन मलिकेल क्षेत्र में एक संयुक्त चौकी में घुस गया. इससे वहां धमाका हो गया. घटना में कम से कम 12 पाकिस्तानी सेना के जवान मारे जाने की खबर है. पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, आतंकवादियों ने मंगलवार देर रात बन्नू जिले के मालीखेल क्षेत्र में एक संयुक्त चौकी पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन सैनिकों ने चौकी में घुसने के उनके प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया.

12 सैनिकों की मौत : आईएसपीआर के बयान के हवाले से पीटीआई ने कहा, आत्मघाती विस्फोट के कारण दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आस-पास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिसके चलते सुरक्षा बलों के 10 सैनिकों और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दो सैनिकों सहित 12 सैनिकों की मौत हो गई.

हाफिज गुल बहादुर समूह ने ली जिम्मेदारी : पाकिस्तानी सेना ने कहा कि गोलीबारी में छह आतंकवादी भी मारे गए हैं. पीटीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एपी की रिपोर्ट के अनुसार हाफिज गुल बहादुर समूह के नाम से मशहूर पाकिस्तानी तालिबान के एक अलग गुट ने हमले की जिम्मेदारी ली है. बयान में कहा गया है, इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और इस जघन्य कृत्य के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा. गौरतलब है कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांतो सहित पाकिस्तान में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि हुई है. क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर हुआ था धमाका इससे पहले महीने की शुरुआत में 9 नवंबर को क्वेटा में एक रेलवे स्टेशन पर हुए विस्फोट में 14 पाकिस्तानी सेना के जवानों सहित 25 लोग मारे गए थे. यह विस्फोट उस समय हुआ था, जब यात्री बलूचिस्तान की राजधानी में मुख्य रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर इंतजार कर रहे थे. सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा है कि 2024 की तीसरी तिमाही में पाकिस्तान में हिंसा में 90 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाएगी. इस बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादियों के खिलाफ एक नए सैन्य अभियान की घोषणा की, जो खैबर पख्तूनख्वा की सीमा पर है और प्रमुख चीनी बेल्ट एंड रोड परियोजनाएं चल रही है।

हमास अब कभी शासन नहीं कर पाएगा, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा पहुंचकर किया ऐलान

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को गाजा का एक दुर्लभ दौरा किया, जहां उन्होंने कहा, कि युद्ध समाप्त होने के बाद हमास फिर कभी फिलिस्तीनी क्षेत्र पर शासन नहीं करेगा। उन्होंने उग्रवादी समूह को नष्ट करने की अपनी प्रतिज्ञा की भी पुष्टि की और कहा, कि इजराइली सशस्त्र बलों ने हमास की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। बेंजामिन नेतन्याहू, जिन्हें युद्ध की वर्दी और बैलिस्टिक हेलमेट पहने देखा गया, वो गाजा में समुद्र के किनारे एक स्थान पर खड़े थे और उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने कहा, कि हमास वापस नहीं आएगा और इसके अलावा, अभी भी कैद में मौजूद इजरायली बंधकों के बारे में भी उन्होंने बात की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में हमास के कब्जे में फंसे करीब 100 इजराइली बंधकों की तलाश जारी रहेगी। उन्होंने हर एक बंधक की वापसी के लिए 5 मिलियन डॉलर का इनाम भी रखा। इसके बाद उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, कि जो कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, उसके सिर पर खून होगा। हम तुम्हें खोजकर पकड़ लेंगे। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि जो कोई भी हमारे पास बंधक लाएगा, उसे सुरक्षित रास्ता मिलेगा। इसलिए, चुनाव आपका है, लेकिन परिणाम वही होगा। हम उन सभी को वापस ले आएंगे। बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइल की सेना द्वारा जमीनी स्तर पर ऑपरेशनल गतिविधियों की प्रत्यक्ष जानकारी लेने के लिए गाजा का दौरा कर रहे थे। उनके साथ रक्षा मंत्री और सेना प्रमुख भी थे। आपको बता दें, कि इजराइल पर हमास का 2023 का हमला देश के इतिहास का सबसे खूनी दिन था,

जिसमें 1200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए थे। इस हमले ने, जिसने अब तक के एक साल से अधिक लंबे युद्ध को जन्म दिया, इजराइल ने गाजा में अपने अब तक के सबसे विनाशकारी हमले के साथ जवाब दिया, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, लगभग 44,000 लोग मारे गए हैं वहीं, गाजा पट्टी को मलबे के बंजर भूमि में बदल दिया गया है, जहां लाखों लोग भोजन, ईंधन, साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। युद्ध की शुरुआत से ही हमास के कई शीर्ष नेताओं को निशाना बनाकर उनकी हत्या करने वाले इजराइल ने इस समूह को पूरी तरह से नष्ट करने की कसम खाई है। जबकि इजराइल और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने हमास को एक आतंकवादी समूह घोषित किया है।

मध्य प्रदेश सहित छह राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

-कानपुर-गोरखपुर में विजिबिलिटी 500 मीटर रही

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में ठंड और घने कोहरे का असर बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे के कारण उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और कानपुर में विजिबिलिटी घटकर 500 मीटर रह गई। राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में भी ठंड का असर कम नहीं हो रहा है। यहां के आठ शहरों में टेम्प्रेचर 10 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में तापमान 10.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह पिछले 10 साल में नवंबर का तीसरा सबसे कम तापमान है। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी थमी, लेकिन तापमान माइनस में पहुंच चुका है। श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शोपियां गुरुवार को देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। वहीं, अनंतनाग में माइनस 3.5 डिग्री, पुलवामा में माइनस 3.4 डिग्री पहुंच गया था। मौसम विभाग ने बताय कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने के साथ तेज हवा और तेज बारिश का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में एक हफ्ते से तेज बारिश का दौर चल रहा था। अब 25 नवंबर से दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश हो सकती है।

वाराणसी में धुंध का असर : छह फ्लाइट लेट, 12 ट्रेनें देरी से पहुंचीं

वाराणसी । वाराणसी में ठंड के साथ धुंध भी बढ़ने लगी है। यहां 2 दिन से सुबह से सूरज चढ़ने तक हल्की धुंध दिखाई दे रही है। दिन का तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री कम हो गया है। इससे ठंड का एहसास बढ़ा है। पछुआ हवा के रात में चलने से शहरी क्षेत्र के लोग भी ठंड महसूस करने लगे हैं। वाराणसी में ठंड बढ़ने के साथ-साथ शहर की हवा भी खतरनाक होने लगी। वाराणसी के अर्दली बाजार में रात 1 बजे एक्यूआई 168, भेलूपुर में 156, बीएचयू में 130, मलदहिया में 134, नगर निगम में 162 दर्ज किया गया है। एक्यूआई एक तरह का थर्मामीटर है। बस ये तापमान की जगह प्रदूषण मापने का काम करता है। इस पैमाने के जरिए हवा में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड, ओजोन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर) और पीएम 10 पोल्यूटेंट्स की मात्रा चेक की जाती है और उसे शून्य से लेकर 500 तक रीडिंग में दर्शाया जाता है। बता दें कि 0 से 50 के बीच में एयर क्वालिटी इंडेक्स अच्छा माना जाता है। वहीं, 51 से 100 के बीच मॉडरेट यानी सामान्य, 101 से 200 के बीच खराब, 201 से 300 के बीच अनहेल्दी, 301 से 400 के बीच सर्वर और 401 से 500 के बीच खतरा, यानी यह डेंजर जोन में आता है।

मणिपुर में विधायक सुसींद्रो ने अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेरा

इंफाल। मणिपुर में हालिया हुई हिंसा के कारण तनाव चरम पर है। 16 नवंबर को मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और 17 विधायकों के घर हमले हुए थे। हिंसक भीड़ ने राज्य के मंत्री एल सुसींद्रो के घर को भी निशाना बनाया गया था। अब सुसींद्रो ने मणिपुर ईस्ट स्थित अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेर लिया है। सुसींद्रो ने कहा कि संपत्ति की रक्षा करना हमारा संवैधानिक हक है। अगर भीड़ ने फिर हमला किया, तब इसका जवाब दिया जाएगा। सुसींद्रो काफी चर्चा में रहते हैं। जब मणिपुर में हथियार लूटे जा रहे थे, तब उन्होंने घर में हथियार ड्रॉप बॉक्स बनाया था, ताकि लोग हथियार जमा कर दें। सुसींद्रो, मैतेई समुदाय से आते हैं। मई से यह तीसरी बार है, जब मेरी संपति को नुकसान पहुंचा है। इस बार करीब 3 हजार लोग घर के बाहर जुट गए। उन्होंने घर को नुकसान पहुंचाया, फायरिंग की गई। हालांकि, उन्होंने तितर-बितर करने के लिए उन्होंने हवाई फायर किए। विधायकों के घरों पर हमले के दौरान 1.5 करोड़ रुपए के जेवर लूटने का खुलासा हुआ है। जेडीयू विधायक के.जॉयकिशन सिंह की मां ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। तोड़फोड़ करने वाली भीड़ ने विधायक के आवास से 18 लाख रुपए नकद भी लूट लिए। विस्थापितों के लिए रखे कई सामान भी नष्ट कर दिए।

मरीज को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट दी और 4 घंटे डीप फीजर में रखा,फिर शख्स जिंदा हो गया,3 डॉक्टर निलंबित

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनू में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस पर कोई भी यकीन नहीं कर सकता है। इसके पीछे की कहानी तो सामने नहीं आई लेकिन जांच और तथ्य हैरानी में जरुर डालते हैं। दरअसल, एक दिव्यांग युवक को यहां के अस्पताल में भर्ती किया गया फिर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। करीब चार घंटे तक उसे डीप फीजर में रखा। और तो और डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी दे दी। लेकिन जब इस युवक को अंतिम संस्कार के लिए शमशान ले जाया गया तो वो जिंदा निकला। इस मामले में लापरवाही पर तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया है।जिला कलक्टर की रिपोर्ट के बाद तीन डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई है। बीडीके अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप पचार, डॉ. योगेश जाखड़ और डॉ. नवनीत मील को सस्पेंड किया गया है।इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त शासन सचिव की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। निलंबन काल में डॉ. संदीप पचार का मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस जैसलमेर, डॉ. योगेश जाखड़ का मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस बाड़मेर जैसे सरहदी इलाकों में सजा के रूप में किया गया है, जबकि डॉ. नवनीत मील का निलंबन काल के दौरान मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस जालोर रहेगा। बीडीके अस्पताल के पीएमओ सहित तीनों डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। झुंझुनू के बग्गड़ में रोहिताश नाम का एक दिव्यांग और मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति मां सेवा संस्थान में रह रहा था। गुरुवार की सुबह बेहोशी की हालत में उसे इलाज के लिए सरकारी बीडीके अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था, जहां डॉक्टर ने रोहिताश को मृत घोषित मृत घोषित कर दिया।

समुद्री आवाजाही के लिए निष्पक्ष नियमावली के पक्ष में भारत: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समुद्री आवाजाही के लिए जरूरी नियमावली बनाने से जुड़ी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत एक ऐसी नियमावली के पक्ष में है जो पक्षपात रहित और तर्कसंगत अधिकारों के साथ उन देशों के भी हित में हो जो उक्त चर्चा का हिस्सा नहीं बने हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून से पूरी तरह से मेल खानी चाहिए। इसमें खासतौर पर 1982 की संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों और चुनौतियों के बीच बौद्ध धर्म के शांति, अहिंसा और सह-अस्तित्व के सिद्धांत को सभी को स्वीकार करना चाहिए। मौजूदा समय में अलग-अलग खेमों में बटी हुई दुनिया के बीच यह काफी अहम है। दुनिया के कुछ हिस्से में जारी युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीन के आक्रामक तेवरों के बीच लाओस की राजधानी वियनतियाने में गुरुवार को आसियान और उसके संवाद भागीदारों के रक्षा मंत्रियों की 11वीं बैठक (एडीएमएम-प्लस) का आयोजन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून की मौजूदगी में कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता, शांति और समृद्धि के लिए एक नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के पक्ष में खड़ा है। जटिल वैश्विक मुद्दों, सीमा विवादों का समाधान निकालने के लिए हमने हमेशा बातचीत का अभ्यास किया है। उन्होंने कहा कि हमें आपस में जुड़े हुए जलवायु परिवर्तन और सुरक्षा खतरों के बीच गहरी समझ बनाने की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एडीएमएम-प्लस की बैठक में भाग लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीते बुधवार से लाओस के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इसमें उनकी चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के अपने समकक्ष रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुईं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय विवादों का संवाद के जरिए हल निकालने की वकालत की है। सीमा विवाद से लेकर व्यापार समझौतों जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से वार्ता के लिए हमेशा हमारे द्वारा प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है। सतत भागीदारी के लिए एक खुली हुई बातचीत विश्वास और समझ को बढ़ावा देती है। वैश्विक मंच पर स्थिरता और समन्वय कायम करने के लिए बातचीत एक ऐसी शक्ति है। जिससे हमेशा प्रभावी और आशा अनुरूप परिणाम प्राप्त हुए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का उचित और दीर्घकालिक समाधान निकालने में विश्वास रखता है। इसे तभी हासिल किया जा सकता है जब देश एक-दूसरे का सम्मान करते हुए रचनात्मक ढंग से सहयोग के साझा लक्ष्य की दिशा में आपस में जुड़ेंगे।

आसियान का भरोसेमंद भागीदार भारत

उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी एशिया की है। आसियान क्षेत्र हमेशा से आर्थिक गतिशीलता का केंद्र रहा है। जिसमें व्यापार, वाणिज्य और संस्कृति जैसी गतिविधियां फली-फूली हैं। इस परिवर्तनकारी यात्रा में भारत क्षेत्र का एक भरोसेमंद भागीदार देश रहा है। भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच गहरे और समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। भारत, पूर्व की ओर देखो नीति की दसवीं वर्षगांठ मना रहा है। इसका परिणाम आसियान और हिंद-प्रशांत देशों के साथ हमारे मजबूत संबंधों के रूप में सामने है। दुनियाभर में आती प्राकृतिक आपदाओं को उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खतरे के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बैठक के बारे जारी साझा बयान में इस खतरे को लेकर रक्षा क्षेत्र में क्षमता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। इसके दुष्प्रभावों से बचाव के लिए नवाचार आधारित समाधान की जरूरत है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर एडीएमएम-प्लस रक्षा रणनीति बनाने का आह्वान किया।

राहुल गांधी सही हैं, अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए : लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भ्रष्टाचार के आरोपी उद्योगपति गौतम अदाणी की तत्काल गिरफ्तारी की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का पुरजोर समर्थन किया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने अमेरिका में अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह बात कही। कांग्रेस के पुराने सहयोगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कट्टर विरोधी प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी सही हैं। अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। राजद अध्यक्ष, जो संयोगवश चारा घोटाले के कई मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं और जमानत पर हैं। संवाददाताओं ने उनसे झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन की संभावनाओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा, मैं अपने उस बयान पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा कि अदाणी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। मैं झारखंड में नयी सरकार के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हूं, जहां हम पहले से ही सत्ता में हैं। झारखंड में इंडिया गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बीच सीधा मुकाबला है,जिसमें नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल (यूनाइटेड) शामिल है, जो लालू प्रसाद के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री हैं।

चुनावी नजीतों से पहले हाई अलर्ट में कांग्रेस, झारखंड और महाराष्ट्र के नियुक्ति किये ऑब्जर्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव के बाद के घटनाक्रम की निगरानी के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। दिग्गज नेताओं अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और डॉ. जी परमेश्वर को महाराष्ट्र में उभरती राजनीतिक स्थिति पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। यह तिकड़ी राज्य में सरकार के गठन और गठबंधन की रणनीतियों पर केंद्रीय नेतृत्व को रणनीतिक मार्गदर्शन और रिपोर्ट प्रदान करेगी।

वहीं, वरिष्ठ नेता तारिक अनवर, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एम भट्टी विक्रमार्क और कांग्रेस के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव कृष्णा अल्लावुरु झारखंड की देखभाल करेंगे। नेता मुंबई और रांची में होंगे और करीबी नतीजे या त्रिशंकु विधानसभा होने की स्थिति में उभरती राजनीतिक स्थितियों से निपटने के लिए रणनीति बनाने में राज्य नेतृत्व की मदद करेंगे। पर्यवेक्षक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की आंख और कान के रूप में भी कार्य करेंगे।

महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया है कि उसके सभी विजेता एक ही छत के नीचे रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई अवैध शिकार का प्रयास न हो। करीबी मुकाबले की स्थिति में प्रतिद्वंद्वी महायुति। ऐसी ही चिंताएं झारखंड में भी हैं। दोनों ही राज्यों के नतीजे शनिवार को आएंगे।

एग्जिट पोल्स में महाराष्ट्र सीएम के लिए लोगों की पहली पसंद शिंदे

-उद्धव ठाकरे दूसरे नंबर पर, फडणवीस और अजित पवार सर्वे में पिछड़े

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एग्जिट पोल्स ने महायुति और महाविकास अघाड़ी में कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया है। इनमें से कई एग्जिट पोल्स कह रहे हैं कि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति को जीत मिलेगी तो तीन एग्जिट पोल्स महाविकास अघाड़ी को जिता रहे हैं। इस बीच एक अन्य एग्जिट पोल ने सीएम की पसंद के बारे में भी बताया है।

सर्वे के मुताबिक जनता ने महाराष्ट्र में सीएम के तौर पर मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे को ही अपनी पहली पसंद बताया है। सर्वे में कहा गया है कि 31 फीसदी लोग एकनाथ शिंदे को दोबारा सीएम देखना चाहते हैं। दूसरे नंबर पर उद्धव ठाकरे हैं। उन्हें 18 फीसदी लोगों की पसंद उद्धव ठाकरे हैं। यह देवेंद्र फडणवीस के लिए झटके की तरह है, जो फिलहाल डिप्टी सीएम हैं और बीजेपी के नंबर वन पार्टी बनने की स्थिति में उन्हें सीएम के तौर पर देखा जा रहा है। देवेंद्र फडणवीस को 12 फीसदी लोगों ने सीएम के तौर पर अपनी पसंद बताया। इसके बाद चौथे नंबर पर शरद पवार आते हैं और 5वें स्थान पर बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर हैं। उन्हें 3 फीसदी लोगों ने पसंद किया है।

इस रेटिंग में अजित पवार काफी नीचे हैं, जो कई बार कह चुके हैं कि वह राज्य का सीएम बनना चाहते हैं। वह संयुक्त रूप से छठे नंबर पर हैं। उनके साथ ही नितिन गडकरी और नाना पटोले को भी 2 फीसदी लोगों ने सीएम के तौर पर अपनी पसंद बताया है। यही नहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे भी 2 फीसदी लोगों की पसंद हैं। इस बार के चुनाव में राज ठाकरे खुद को किंगमेकर के तौर पर देख रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू एकता में शामिल हुए दिग्विजय सिंह के बेटे, हिंदुओं में एकता जरूरी

भोपाल। मशहूर कथा वाचक धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इस बीच कांग्रेस विधायक और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह भी यात्रा में शामिल हुए हैं। यात्रा में पहुंचकर कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, हिंदुओं में एकता जरूरी है और यह सनातन धर्म की यात्रा है। हम बागेश्वर धाम का बहुत आदर करते हैं। वे सनातन धर्म के लिए ये यात्रा कर रहे हैं। ये यात्रा किसी दल की नहीं है बल्कि सनातन धर्म के लिए है। हिंदुओं में एकता होनी चाहिए। बता दें कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री 21 नवंबर से हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे हैं, जो 29 नवंबर तक चलेगी। यह धार्मिक यात्रा छतरपुर के करीब बागेश्वर धाम से शुरू होकर ओरछा तक जाएगी। इन 9 दिनों में बागेश्वर धाम से ओरछा तक 160 किमी की दूरी तय करने वाले है। धीरेंद्र शास्त्री का कहना है कि हिंदुओं को एकजुट करने और सनातन धर्म का प्रचार करने के लिए वे ये पदयात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा में बाबा बागेश्वर के साथ हजारों भक्त भी चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि यात्रा में धीरेंद्र शास्त्री हजारों भक्तों के साथ रोजाना 20 किमी पैदल चलने वाले है। जयवर्धन के यात्रा में शामिल होने पर धीरेंद्र शास्त्री का भी बयान आया है। उन्होंने कहा,जयवर्धन सनातन धर्म पर बहुत समर्पित भाव रखते हैं। उनके घर में राघवजी बैठे हैं। उनके घर के चारों कोनो में ठाकुरजी, बालाजी बैठे हैं। जिन्हें हमारा मकसद पता है, उन्हें पता है कि हम इस देश में एकता चाहते हैं। हम किसी पार्टी के वोटबैंक के लिए काम नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ हिन्दुओं को एक करने के लिए निकले हैं।

कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं, उमर अब्दुल्ला बोले, कुछ चीजें हम पूरा नहीं कर सकते क्योंकि...

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) का दर्जा कुछ मुद्दों को संबोधित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कैदियों को जेलों से मुक्त कराने के लिए उन्हें राज्य का दर्जा चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने लोगों को जेलों से मुक्त कराने और विभिन्न चिंताओं पर प्रगति करने में इसके महत्व का हवाला देते हुए, राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहले दिन से, हम जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ चीजें हैं जो लोग चाहते हैं और हम इसे पूरा नहीं कर सकते क्योंकि यह एक यूटी है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया था। यह पारित हो गया। एक दरवाजा खुल गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारी सरकार का हिस्सा नहीं है, वे हमें बाहर से समर्थन दे रहे हैं। हमारी सरकार यह प्रस्ताव लेकर आई है और बीजेपी के अलावा कांग्रेस समेत ज्यादातर विधायकों ने इसे पारित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना

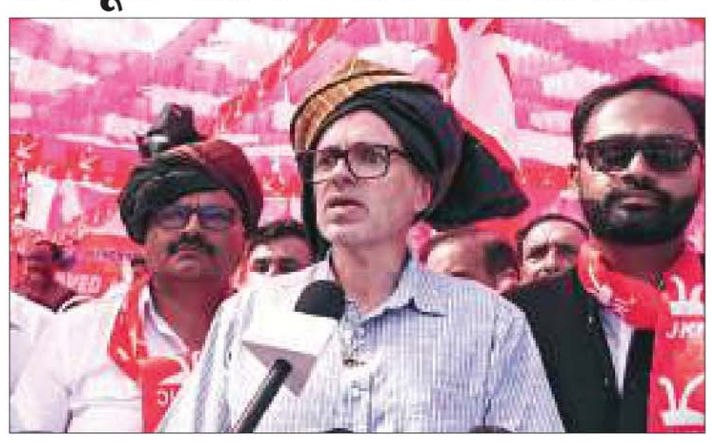

साधा...तो कांग्रेस बेबस हो गई और उन्हें इसे थोड़ा कमजोर करना पड़ा लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ में सैनिकों द्वारा नागरिकों पर अत्याचार की हालिया घटना को भी संबोधित किया और जिम्मेदार लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि पिछली घटनाओं के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेना इस मामले की जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

एक सवाल के जवाब में, उमर अब्दुल्ला ने खुलासा किया कि उनके प्रशासन ने पुलिस को राजनीतिक कैदियों के मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया है, खासकर सत्यापन प्रक्रिया के बारे में, जो कई लोगों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लोगों को सत्यापन मुद्दे से निपटना आसान होगा और उनकी सरकार लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रही है।

संभल की जामा मस्जिद का मसला- दावे अपने हैं पर,विवाद बड़ा और संवेदनशील

संभल (एजेंसी)। संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर विवाद गंभीर होता जा रहा है। यहां हिंदुओं का दावा है कि इस मस्जिद का निर्माण भगवान विष्णु के मंदिर को तोड़कर किया गया है। जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि ये शाही मस्जिद उनकी ऐतिहासिक धरोहर है और उसे अछुण्य रखा जाना चाहिए। फिलहाल मामल अदालत में हैं लेकिन ये मामला अति संवेदनशील होता जा रहा है। हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि यह स्थान पहले श्रीहरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में बाबर के आदेश पर मस्जिद में बदल दिया गया। इस दावे के आधार पर हिंदू पक्ष ने जिला न्यायालय में याचिका दायर की, जिसके तहत मस्जिद के अंदर सर्वे भी पूरा हो चुका है। अदालत ने सर्वेक्षण रिपोर्ट के लिए कमिश्नर को एक सप्ताह का समय दिया है, जबकि मस्जिद प्रबंध कमेटी ने इस आदेश के खिलाफ अपील की है। मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

हिंदू पक्ष ने अपनी याचिका में बाबरनामा, आइन-ए-अकबरी और

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट को आधार बनाया है। बाबरनामा के अनुसार, 1529 में बाबर के सेवक हुमायूं ने मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण कराया। इस ऐतिहासिक विवरण को अनुवादक एनेट सुसान्नाह बेवरिज ने अपनी टिप्पणी में भी उल्लेखित किया है। आइन-ए-अकबरी में अबुल फजल ने पृष्ठ संख्या 281 पर संभल का उल्लेख करते हुए इसे हरि मंडल (विष्णु का मंदिर) बताया है। वहीं, एएसआई की 1874-76 की रिपोर्ट में संभल को एक प्राचीन शहर के रूप में वर्णित किया गया है, जो हिंदू धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा है। जामा मस्जिद की प्रबंध कमेटी ने कोर्ट में अपील दायर कर सर्वेक्षण के आदेश को चुनौती दी है। कमेटी का कहना है कि यह मस्जिद ऐतिहासिक धरोहर है, और इसके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अनुचित है। संभल के जिला न्यायालय ने इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कमिश्नर से सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला न केवल धार्मिक बल्कि ऐतिहासिक और कानूनी दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है।

पाकिस्तान में उठ रहा जहरीला धुआं, राजस्थान के 15 शहरों में बढ़ा रहा वायु प्रदूषण

जयपुर(एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान और लाहौर से उठने वाला धुआं राजस्थान की हवा को जहरीला कर रहा है। अभी राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों का एक्यूआई का स्तर काफी खराब हो गया है। हवा में छाई प्रदूषण की परत के पीछे पाकिस्तान से आ रही उत्तर-पश्चिम हवाओं को कारण बताया जा रहा है।

पिछले 5 दिनों से पाकिस्तान के मुल्तान और लाहौर शहर का एक्यूआई का स्तर 1500 से पार चल रहा है। इन्हीं शहरों के प्रदूषण का असर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात में दिख रहा है। इस बारे में मौमस विशेषज्ञ ने बताया कि प्रदूषण सभी क्षेत्रों में हर समय बना रहता है। लेकिन इस सीजन में विशेष स्थिति पैदा होती है। जिसके कारण प्रदूषण कोहरे की परत नजर आती है। दूसरा उत्तर-पश्चिमी हवाओं सहित पराली जलाने की घटनाओं से प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

मौसम वैज्ञानियों के अनुसार सर्दियों के मौसम में उत्तर-पश्चिम हवा का दौर चलता है। वर्तमान में हवा की स्पीड काफी कम होती है। ये हवा 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आगे बढ़ती है। जबकि गर्मियों में स्पीड 20-25 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है। इधर पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी से सर्दी का भी असर तेज होता है। इस कारण से हवा का घनत्व (डेंसिटी) काफी कम हो जाता है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर जो प्रदूषण होता है, उड़ने वाले धूल के कण, फैक्ट्रियों से निकला धुआं हवा में घुल नहीं पाते। ये सारा प्रदूषण इकट्ठा होकर हवा की निचली सतह पर ही कोहरे की परत बना देता है। इससे वायु का स्तर खराब हो जाता है। इस कारण सांस लेने में भी परेशानी होती है।

यह हवा पाकिस्तान के मुल्तान व सिंध की तरफ से उठती है। फिर राजस्थान में उत्तर-पश्चिम की तरफ से प्रवेश करती है। सबसे पहले यह हवा श्रीगंगानगर और बीकानेर के रास्ते प्रवेश करती है। इसके बाद यह जोधपुर, चूरू, झुंझनूं, सीकर, अलवर, जयपुर, अजमेर, ब्यावर, राजसमंद, चित्तौड़गढ, उदयपुर, डूंगरपुर होते हुए गुजरात या अरब की खाड़ी की तरफ चली जाती है। ज्यादातर हवा की स्पीड काफी कम होती है। इसके बाद अजमेर और ब्यावर तक पहुंचने के बाद हवा में धुंध का असर खत्म हो जाता है।